दैनिक

प्रतिदिन राजधानी

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

▸ संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी ▸ प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी ▸ वर्ष : 26 ▸ अंक : 107 रायपुर, मंगलवार, 5 मई 2026 ▸ पृष्ठ : 12 ▸ मूल्य ₹ 2.00 RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 जय बिहान से आत्मनिर्भरता..

खुद पर बेवजह का दबाव... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

झालमुड़ी के संग गूंजा विजय का उत्सवः बंगाल के जनादेश का स्वाद छत्तीसगढ़ तक

भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर छत्तीसगढ़ में जश्न

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को प्राप्त ऐतिहासिक जनादेश की गूंज छत्तीसगढ़ में भी सुनाई दी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ राजनांदगांव जिले के मोतीपुर में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडेय, महापौर मधुसूदन यादव सहित भाजपा परिवार के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने उल्लास के साथ विजय का उत्सव मनाया। इस उत्सव को खास बनाने के लिए बंगाल की पहचान माने जाने वाले पारंपरिक व्यंजन झालमुड़ी का स्वाद भी शामिल किया गया। मूंगफली, मुड़ि, सरसों तेल और मसालों से तैयार यह चटपटा स्वाद न केवल बंगाल की संस्कृति की झलक दे रहा था, बल्कि जीत की खुशी को और अधिक जीवंत बना रहा था।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने इस बार अपने मताधिकार के माध्यम से एक स्पष्ट संदेश दिया है – विकास और सुशासन ही प्राथमिकता है। यह जनादेश तुष्टिकरण, भय और भ्रष्टाचार की राजनीति को नकारते हुए एक नए विश्वास, नई दिशा और मजबूत राष्ट्रनिर्माण की भावना को दर्शाता है। साथ ही यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे 'विकसित भारत' के संकल्प में जनता की भागीदारी और भरोसे का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह जीत उस सोच की है जो देश को आगे बढ़ाने, जोड़ने और सशक्त बनाने में विश्वास रखती है।

भवानीपुर और नंदीग्राम दोनों सीटों से हारी ममता बनर्जी

एजेंसी, नई दिल्ली। बंगाल की 294 में से 293 विधानसभा (विस) सीटों के परिणाम सामने आ रहे हैं। चुनावी रुझानों में बीजेपी 200 से ज्यादा सीटों पर आगे चल रही है। राज्य के 77 मतगणना केंद्रों पर बेहद कड़ी सुरक्षा में सुबह आठ बजे से वोटों की गिनती जारी है।

भवानीपुर सीट पर कड़े मुकाबले के बाद बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को हरा दिया है। 13 राउंड की काउंटिंग तक ममता बनर्जी आगे चल रही थीं, लेकिन बाद के राउंड की गिनती में सुवेंदु ने बाजी मार ली। इससे पहले नंदीग्राम सीट से सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को हराकर जीत दर्ज की थी।

केरल में खुला भाजपा का खाता

केरल की राजनीति में आज एक नया इतिहास रचा गया है। विधानसभा चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया है कि भाजपा अब राज्य में केवल एक 'वोट–कटवा' पार्टी नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुकी है। पार्टी ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की है। इतिहास रचते हुए राजीव चंद्रशेखर ने 4900 से अधिक वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। वहीं, कोल्लम जिले की चथन्नूर सीट से भाजपा उम्मीदवार बीबी गोपकुमार ने भी 4,398 वोटों से जीत दर्ज की है। इसके अलावा वी मुरलीधरन ने कझाकट्टम निर्वाचन क्षेत्र से 428 मतों के मामूली अंतर से जीत हासिल की है। इस जीत के साथ ही केरल में भाजपा को तीन सीटें मिली हैं, जो अब तक पहली बार हुआ है।

भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर एवं एकात्म परिसर में आतिशबाजी कर मनाया गया जीत का जश्न

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर एवं एकात्म परिसर में पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी में भाजपा/एनडीए की जीत पर आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया। हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए एवं इस ऐतिहासिक जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित अपने कठोर परिश्रम करके चुनावी राज्यों में कार्य करने वाले ज्येष्ठ–श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। भारतीय जनता पार्टी पर लोगों का विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है पश्चिम बंगाल जहाँ एक भ्रष्टाचारी एवं आता ताई सरकार को जनता ने उखाड़ कर वहाँ कमल खिलाया है। इसके साथ ही असम एवं पुडुचेरी में भाजपा पर भरोसा करते हुए पुनः भाजपा एनडीए को प्रचंड जीत देकर जनता ने अपना आशीर्वाद दिया है।

पश्चिम बंगाल की जीत अस्मिता, संस्कृति और गौरव की पुनर्स्थापना का प्रतीकः नितिन नवीन

एजेंसी, नई दिल्ली। असम और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने दोनों राज्यों की जनता का आभार व्यक्त किया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर साझा किए अपने संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल की देवतुल्य जनता को इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए कोटि–कोटि धन्यवाद, आभार एवं अभिनंदन।

चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद और हमारे पथप्रदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों की यह पावन धरा अब शांति, समृद्धि और सुशासन के एक नए युग की साक्षी बनेगी। उन्होंने कहा कि यह विजय पश्चिम बंगाल की अस्मिता, संस्कृति और गौरव की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम 'सोनार बांग्ला' के संकल्प को साकार करने और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्णतः समर्पित हैं।

उन्होंने आह्वान किया कि पश्चिम बंगाल में सब मिलकर एक सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध बंगाल का निर्माण करें। नितिन नवीन ने कहा कि असम की जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त कर यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश अब विकास, शांति और समृद्धि के पथ पर दृढ़ता से अग्रसर है। यह ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए प्रगति और सुशासन का परिणाम है। हम असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवमयी परंपरा और अस्मिता को संजोते हुए राज्य को विकास की नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।

जीत के बाद बदला नहीं, बदलाव की बात होनी चाहिएः पीएम मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उल्लेखनीय सफलता के बाद कहा कि लोकतंत्र में जीत और हार स्वाभाविक है, लेकिन जीत के बाद बदले की भावना नहीं बल्कि बदलाव और विकास की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने इसे भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत बताते हुए कहा कि इन चुनाव परिणामों ने दुनिया को दिखाया है कि भारत को लोकतंत्र की जननी क्यों कहा जाता है।

प्रधानमंत्री ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि वर्षों की साधना जब सिद्धि में बदलती है, तो जो संतोष और खुशी मिलती है, वही आज देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं के चेहरों पर दिखाई दे रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को इस जीत का श्रेय देते हुए कहा कि आपने कमाल कर दिया, कमल खिला दिया और नया इतिहास रच दिया।

उन्होंने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में मिली जीत को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि यह सिर्फ सीटों की संख्या नहीं है, बल्कि भय, हिंसा और अस्थिरता की राजनीति को जड़ से उखाड़ने का जनादेश है। उन्होंने कहा कि बंगाल की पावन धरा पर आज एक नया सूर्य उदय हुआ है, जो एक नए युग की शुरुआत का संकेत है और जिसका इंतजार पीढ़ियों से किया जा रहा था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चुनावों में भारी मतदान, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। पश्चिम बंगाल में करीब 93 प्रतिशत मतदान को उन्होंने ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में भी नए मतदान रिकॉर्ड बने हैं। उन्होंने कहा कि यह भारत के लोकतंत्र की सबसे उजली तस्वीर है, जहां हर वर्ग सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह दिन विश्वास का दिन है—भारत के लोकतंत्र में विश्वास, परफॉर्मेंस की राजनीति में विश्वास, स्थिरता के संकल्प में विश्वास और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना में विश्वास। उन्होंने पांचों राज्यों की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता ने विकास और सुशासन के पक्ष में अपना समर्थन दिया है।

विश्वास का उदय- बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक महाविजयः नड्डा

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर है। इसपर जीत पर खुशी जाहिर करते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि विश्वास का उदय–बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक महाविजय है। उन्होंने कहा कि

आज का दिन भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए भावुक पल है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की अभूतपूर्व महाविजय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याणकारी

नीतियों पर जनता की मुहर और तृणमूल कांग्रेस के कुशासन, भ्रष्टाचार, टोलाबाजी, घुसपैठ, तुष्टिकरण, अराजकता एवं गुंडागर्दी की करारी हार है।

सोमवार को एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि इतिहास गवाह है कि बंगाल जब परिवर्तन ठान लेता है तो कोई भी ताकत उसे नहीं रोक पाती। गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर, बंकिम चन्द्र चटर्जी, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी जैसे महान देशभक्तों की पावन धरा ने तृणमूल कांग्रेस के अहंकार को चूर–चूरकर पहली बार भाजपा पर भरोसा जताया है। उन्होंने इस प्रचंड विजय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य एवं नेता प्रतिपक्ष सुवेन्दु अधिकारी और बूथ–स्तरीय कर्मठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई दी और प्रदेश के सभी मतदाताओं का हृदय से आभार जताया।

कलेक्टर ने पावर लिफ्टर किशन को दी 10 हजार की आर्थिक सहायता

रायपुर। पावर लिफ्टिंग में प्रदेश का नाम रौशन करने वाले दिव्यांग खिलाड़ी श्री किशन लाल को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रेडक्रॉस सोसाइटी के सहायता कोष से 10 हजार रुपए का चेक प्रदान कर आर्थिक सहयोग दिया। किशन लाल ने राष्ट्रीय स्तर पर आगरा में आयोजित पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक तथा फरीदाबाद में कांस्य पदक अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने राज्य स्तर पर 6 स्वर्ण पदक जीता और प्रदेश का नाम रौशन किया है। वर्तमान में किशन लाल आगामी अंतरराष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में भाग लेने की तैयारी कर रहे हैं और इसके लिए नियमित अभ्यास भी कर रहे हैं।

भारत ने दूसरी बार किया लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत ने एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार ओडिशा तट पर लंबी दूरी की हाइपरसोनिक एंटी–शिप मिसाइल का परीक्षण किया है। इस मिसाइल ने 1,500 किमी. की रेंज में निर्धारित लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाकर समुद्र में देश की सुरक्षा बढ़ाने में बड़ी उपलब्धि दिलाई। डीआरडीओ ने पिछले सप्ताह 02 मई को भी ओडिशा तट पर इसी लंबी दूरी की हाइपरसोनिक एंटी–शिप मिसाइल का परीक्षण किया था। इस टेस्ट ने मिसाइल के उन्नत टर्मिनल मार्गदर्शन प्रणाली की सटीकता को साबित कर दिया। इसने लॉन्च से लेकर आखिरी असर तक मिशन के सभी लक्ष्यों को पूरा किया, जिसमें बीच रास्ते में किए गए दांव–पेच और लगातार तेज रफ्तार से उड़ान भरना भी शामिल था। इस लॉन्ग रेंज सरफेस–टू–एयर मिसाइल (एलआर–एसएचएएम) को भारत के समुद्री तटों पर तैनात किया जाएगा। यह स्वदेशी दो–चरणों वाला सॉलिड–प्रोपेल हाइपरसोनिक ग्लाइड हथियार है, जिसे भारतीय नौसेना के लिए विकसित किया गया है। यह अपनी तरह का पहला और एक शक्तिशाली हथियार है, जो हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की क्षमताओं को बढ़ाता है।

यह एक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल है, जो कम ऊंचाई पर कई बार उछलते हुए एक अर्ध–

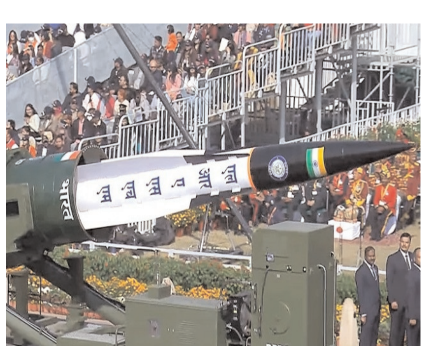

बैलिस्टिक मार्ग का अनुसरण करती है, जिससे यह अपनी उड़ान के अधिकांश समय तक रडार की पकड़ से बची रहती है। यह अपने अंतिम चरण में अत्यधिक सटीकता सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित सेंसर का उपयोग करते हुए स्थिर और गतिशील दोनों तरह के लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। यह मिसाइल उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है, जिसे डीआरडीओ की एडवांस्ड सिस्टम्स लेबोरेटरी और अलग–अलग औद्योगिक भागीदारों ने विकसित किया है। इस मिसाइल की गति 10 मैक से शुरू होती है और अपनी उड़ान के दौरान यह औसतन 5.0 मैक की गति बनाए रखती है।

राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच रही कोण्डागांव जिले की शिल्पकला की पहचान

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

आदिवासी बहुल कोण्डागांव जिले की पारंपरिक शिल्पकला अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत राजस्थान की प्रतिष्ठित संस्था इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट्स एंड डिजाइन (आईआईसीडी), जयपुर के विशेषज्ञों ने कोण्डागांव के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर यहां के शिल्पकारों के कौशल को नजदीक से समझा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कला को आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप ढालना तथा शिल्पकारों को बेहतर विपणन अवसर उपलब्ध कराना है। विशेषज्ञ गांव–गांव पहुंचकर शिल्पकारों से सीधे संवाद करते हुए उनके कार्यों का अवलोकन कर सराहना की।

ग्राम करनपुर में ढोकरा शिल्प की जटिल निर्माण प्रक्रिया ने विशेषज्ञों को विशेष रूप से प्रभावित किया। वहीं ग्राम छोटेराजपुर एवं कुसमा में रॉट आयरन शिल्पकला को बारीकी से समझते हुए संबंधित समूहों से चर्चा की गई और बाजार से जुड़ी चुनौतियों पर विचार–विमर्श किया गया। इस दौरान राज्य कार्यालय से सहायक राज्य कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनोज मिश्रा के नेतृत्व में जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोण्डागांव श्री अविनाश भोई के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री कुंजलाल सिन्हा ने शिल्पकारों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित किया।

विशेषज्ञों ने माना कि कोण्डागांव के शिल्पकारों में अद्भुत कौशल और सृजनात्मकता है। उन्होंने कहा कि यदि इन उत्पादों को आधुनिक डिजाइन, बेहतर फिनिशिंग और प्रभावी ब्रांडिंग का सहयोग मिले, तो इनके मूल्य में कई गुना वृद्धि संभव है। साथ ही उन्होंने बाजार के नए रुझान, ग्राहकों की पसंद और आकर्षक पैकेजिंग के महत्व के प्रति शिल्पकारों को जागरूक किया। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए आईआईसीडी जयपुर ने बस्तर के शिल्पकारों को जयपुर आमंत्रित किया है, जहां उन्हें विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से ई–कॉमर्स, डिजाइन नवाचार और आधुनिक विपणन तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। संस्था का उद्देश्य शिल्पकारों को आधुनिक डिजाइन मानकों में दक्ष बनाकर उनके उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाना है।

इस पहल के अंतर्गत शिल्पकारों को आधुनिक डिजाइन, पैकेजिंग और ब्रांडिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही उन्हें ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म और बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। जयपुर में प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर से शिल्पकारों को नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके उत्पादों की मांग बढ़ेगी और आय में वृद्धि होगी।

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ती श्रीमति एकता गुप्ता उम्र 34 वर्ष पति श्री अरविंद कुमार गुप्ता निवासी-वार्ड क्रं. 51 जीवन ज्योति गली कृष्णा नगर संतोषी नगर रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग) जो कि निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करता हूँ कि:-

1. यह कि ऊपर वर्णित मेरा नाम व पता सत्य एवं सही है।

2 यह कि मेरे पुत्र - प्रज्ञान गुप्ता (PRAGYAN GUPTA) का जन्म दिनांक 05-08-2023 पंजीकरण संख्या बी-2023 22 90202 004979 रजि. दिनांक 04-10-2023 है। जिसके जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का नाम-अभिषेक गुप्ता (ABHISHEK GUPTA) पिता का नाम-अरविंद कुमार गुप्ता (ARVIND KUMAR GUPTA) माता का नाम एकता गुप्ता (EKTA GUPTA) लिखा व दर्ज है। जो कि त्रुटिपूर्ण गलत है।

3. यह कि उक्त जन्म पत्र में पुत्र का सही नाम-प्रज्ञान गुप्ता (PRAGYAN GUPTA) पिता नाम अरविद कुमार गुप्ता (ARVIND KUMAR GUPTA) माता का नाम एकता गुप्ता (EKTA GUPTA) लिखा व दर्ज कर / सुधार कर डिजिटलं जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावे। जिस हेतु यह शपथ पत्र श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत है।

शपथकर्ती

न्यायालय नजूल अधिकारी रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202604112800024

समय:- अ-20(3) मामले की श्रेणी:- राजस्व सन:- 2025-2026
रायपुर प.ह.न. 00062 (हे0) 1

पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार 1. सौरभ बरडिया पिता स्व. केवलचंद बरडिया, 2. प्रशांत बरडिया, आत्मज स्व. केवलचंद बरडिया,

अनावेदक पक्षकार - विवेक रंजन गुप्ता आत्मज स्व. शिवराम दास गुप्ता,

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं मौजा विवेकानंद नगर रायपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण 1. सौरभ बरडिया पिता स्व. केवलचंद बरडिया, 2. प्रशांत बरडिया आत्मज स्व. केवलचंद बरडिया द्वारा छ.ग. भू राजस्व संहिता अधिनियम 1959 की धारा 110 के तहत् नामांतरण बाबत् आवेदन पेश किया है कि मौजा विवेकानंद स्थित ब्लॉक/शीट नंबर-127, भूखण्ड क्रमांक-73/1, कुल क्षेत्रफल 3285 वर्गफुट भूमि को आवेदकगणों ने अनावेदिका/विक्रेता विवेक रंजन गुप्ता आत्मज स्व. शिवराम दास से पंजीकृत बैनामा दिनांक 15/04/2026 के माध्यम से क्रय किया है। अतएव आवेदकगणों द्वारा विक्रय विलेख के आधार पर अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र के साथ विक्रय विलेख की छायाप्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति दावा हो तो अपना आपत्ति दावा पेशी दिनांक 20/05/2026 तक न्यायालयीन अवधि में कार्यालय कलेक्टर नजूल अधिकारी रायपुर कक्ष क्रमांक-21 में स्वयं या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त आपित्त दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29/04/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

नजूल अधिकारी
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में दुकान क्रं. B-80, श्री तबरेज मोहम्मद पिता श्री कदीर मोहम्मद, निवासी:-रहमानिया चौक, बंजारी रोड, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री-होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-3, सेजबहार, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में दुकान क्रं. C-108, श्री लद्धाराम नेनवानी पिता स्व. श्री गोपीचंद नेनवानी, निवासी:-रविभवन के सामने, बंजारी रोड, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री-होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-3, सेजबहार, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्रं. ए-84, श्री काशी प्रसाद पुंगलिया पिता स्व. श्री जेठमलजी पुंगलिया के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 5677 दिनांक 27.09.2010 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 04.12.2012 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। आबंटी श्री काशी प्रसाद पुंगलिया पिता स्व. श्री जेठमलजी पुंगलिया की मृत्यु दिनांक 28.11.2023 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री आशीष पुंगलिया पिता स्व. श्री काशी प्रसाद पुंगलिया, निवासी-ई-356, गुढियारी पड़ाव, गणेश ट्रेडिंग कंपनी, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, शपथ पत्र, अन्य दस्तावेज अनुसार उक्त दुकान को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसके अनुसार नामांतरण किया जाना है।

अत: उक्त दुकान के नामांतरण करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-3, सेजबहार, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में दुकान क्रं. C-71, श्री केशवदास नागवानी पिता स्व. श्री अर्जुन दास नागवानी, निवासी:-तिरूपति नावेल्टी स्टोर्स, जे-2/10, रविभवन बंजारी रोड, रायपुर (छ.ग.), के नाम पर दुकान 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त दुकान को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को दुकान का फ्री-होल्ड किये जाने में किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

संपदा अधिकारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-3, सेजबहार, रायपुर

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

राप्रक्रमांक/अ-6/वर्ष 25-26
रायपुर, दिनांक 05/05/2026
ग्राम रायपुर खास, प.ह.नं. 106/62, तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती दुर्गा कनौजे पति स्व. श्री संतोष कनौजे निवासी बंधवा पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0) द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि आवेदक द्वारा ग्राम रायपुर खास, **प.ह.नं. 106/62, तहसील व जिला रायपुर, स्थित भूमि खसरा नंबर 1601/232 रकबा 0.0050 हे0** भूमि राजस्व अभिलेख में संतोष कनौजे पिता श्री सालिक राम कनौजे के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी संतोष कनौजे पिता श्री सालिक राम कनौजे की मृत्यू दिनांक 23/09/2022 को हो चुकी है। मृतक भूमिस्वामी के विधिक वारिसान उनकी पत्नि श्रीमती दुर्गा कन्नौजे, पुत्र झालेन्द्र कुमार कनौजे, पुत्री दीक्षा कनौजे, साक्षी कनौजे है, अन्य कोई वारिसान नही है। अत: मृतक भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर आवेदिका अपना एवं पुत्र पुत्रियों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने का निवेदन किया है। उक्त प्रकरण की

सुनवाई दिनांक 2005/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 20/05/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 05/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार (नजूल) तिल्दा नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र. क्रमांक/अ-20 (1) वर्ष 2025 2026
ग्राम-नेवरा प.ह.नं. 18

सेतपाल पिता स्व. श्री देवनदास पति श्री दिलीप कुमार निवासी झूलेलाल वार्ड नं. 13 सेतपाल एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका माया बाई नगर, नेवरा तहसील तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं कि ग्राम नेवरा स्थित नजूल भूमि **खसरा नंबर 250, 251 का भाग, शीट नं. 12 प्लाअ नं. 10,10 एवं 31 रकबा कमश: 925 वर्गफ्ट, 850 वर्गफ्ट 1800** वर्गफ्ट कुल रकबा 3575 वर्गफ्ट 30 वर्षीय स्थाई पटटे पर आवेदिका की माता श्रीमती अमोलीबाई बेवा लालचंद के नाम से आबंटित की गयी थी उक्त भूमि वर्तमान नजूल संधारण खसरा में नाम दर्ज नही हैं। आवेदिका द्वारा अमोलीबाई नजूल संधारण खसरे में नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रत्र प्रस्तुत किया हैं। आवेदिका द्वारा पट्टे की छायाप्रति सहित तलवाना की प्रति प्रस्तुत किया गया हैं। जिसकी सुनवाई दिनांक 15/05/2026 को नियत है।

इस संबध मे जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति यदि हो तो वह स्वयं या अभिभाशक या अपने विधिमान्य अभिकर्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथी बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार (नजूल)
तिल्दा नेवरा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/अ-6/2025-26
रायपुर, दिनांक 30/04/2026
ग्राम फाफाडीह प.ह.नं. 48, तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक असलम खान पिता जुम्मन खान निवासी- 2284 साहू पारा शिव मंदिर के सामने फाफाडीह रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम फाफाडीह प.ह.नं. 48 रा.नि.म. रायपुर 06 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि शीट नंबर 3 भूखण्ड क्रमांक 25/4 का भाग रकबा 120 वर्गफुट भूमि को आवेदक द्वारा विक्रेतागण श्री चन्दन शर्मा पिता गिरवर प्रसाद शर्मा वगैरह निवासी फाफाडीह रायपुर से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 27/02/2026 को निष्पादित किया गया। आवेदक पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर उक्त आवेदित भूमि में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 14/05/2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 8)

मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं./30878/ न. पा. नि. जोस रायपुर दिनांक / 2028-04-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र. क्रं. 30878 वार्ड का नाम 70 संत रविदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR870J00438 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती KRISHNA PARADISE पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती KUNAL JAISWAL पिता / पति श्री/ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह श्रीमती S/O SHRI ALOK KUMAR JAISWAL पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सुशासन तिहार-चौपाल में मिली राहत, सरलाबाई मरावी की समस्या का मुख्यमंत्री ने किया त्वरित समाधान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम सरोधी में आयोजित चौपाल में शासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही का एक भावनात्मक उदाहरण सामने आया। सरोधी की रहने वाली सरलाबाई मरावी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के समक्ष अपनी समस्या रखी और कुछ ही पलों में उसका समाधान भी मिल गया।

सरलाबाई मरावी, पति लल्लूराम मरावी, एक साधारण कृषक परिवार से हैं। उनके पास लगभग 5 एकड़ कृषि भूमि है और परिवार में उनका एक बेटा है। खेती ही उनके जीवनयापन का मुख्य साधन है। चौपाल के दौरान सरलाबाई ने बताया कि उन्होंने एक माह पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत 1.50 लाख रुपए के ऋण के लिए आवेदन किया था, लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिली थी। मुख्यमंत्री ने जैसे ही यह बात सुनी, उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और तुरंत निराकरण सुनिश्चित कराया। अपनी समस्या का त्वरित समाधान होते देख सरलाबाई भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनकी बात इतनी जल्दी सुनी जाएगी और समाधान भी मिल जाएगा। उनकी आंखों में संतोष और चेहरे पर राहत साफ झलक रही थी। सरलाबाई ने यह भी बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे घरेलू खर्चों में सहारा मिलता है उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज उन्हें महसूस हुआ कि सरकार वास्तव में गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनका समाधान कर रही है ग्राम सरोधी की यह घटना इस बात का सजीव प्रमाण है कि सुशासन तिहार केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में भरोसा और राहत लेकर आने वाली पहल बन चुका है।

एक चौपाल ऐसा भी जहाँ खुशियों और तालियों की रही गूंज

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मई की तपती गर्मी में आज लगातार दूसरे दिन मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय दूरस्थ गांवों के औचक दौरे पर रहे । कबीरधाम ज़िले के पंडरिया स्थित लोखान पंचायत में आज मुख्यमंत्री का आगमन हुआ । इस अवसर पर वे बैगा बाहुल्य कमराखोल में पीएम जनमन योजना के तहत हुए कार्यों का निरीक्षण किए और वहीं पास में आम के पेड़ों के नीचे अपनी चौपाल लगा लिए । अपने बीच मुख्यमंत्री को देख ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई । बीरनमाला, कमल के फूल से मुख्यमंत्री का आत्मीय अभिनंदन करते हुए ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे ।

इस दौरान महतारी शक्ति को सामने बैठा देख मुख्यमंत्री ने पूछ लिया कितनी महतारी यहाँ लखपति हो गई हैं ? एक साथ अनेक हाथ हवा में उठ गए । मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते सबको करोड़पति बनने की दिशा में आगे बढ़ने कहा । उन्होंने बारी- बारी से लखपति दीदियों से बातचीत की । यहाँ जंगल से बीन कर लाए

महुआ और चार को मुख्यमंत्री श्री साय को उपहार के रूप में देते हुए कुकदूर की लखपति दीदी श्रीमती कचरा तेलगाम ने मुख्यमंत्री से कहा कि महुआ का पौष्टिक लड्डू बनाकर खाइएगा , वरना मैं बना कर दूँगी । मुख्यमंत्री भी उनकी आत्मीयता देख भाव विभोर होकर मुस्कुराते हुए बोले कि घर जाकर बनवाकर खाऊँगा । श्रीमती कचरा तेलगाम दीदी आस पास के गांवों में बन रहे प्रधानमंत्री आवासों में सेंट्रिंग प्लेट लगाती हैं और इससे उन्हें एक साल में 80 हज़ार की आय हुई है । उन्होंने कहा कि आज चौपाल लगा देख वे साहस वहाँ पहुँची और मुख्यमंत्री के लिए भेंट स्वरूप जंगल से बीने महुआ और चार दी हैं ।

वहीं डीलर दीदी श्रीमती रजमत बाई धुर्वे ने बताया कि वे प्रधानमंत्री आवासों के लिए मटेरियल सप्लाई का काम करती हैं । उन्हें सालाना 2.50 - 3 लाख का मुनाफा हुआ है । लखपति पशु सखी श्रीमती शिवरानी पटेल का कहना है कि समूह से जुड़ सीआईएफ से उन्होंने व्यवसाय के लिए ऋण लिया और अपने खेत में सब्जी- भाजी लगायी । उन्हें सालाना डेढ़ लाख की आय हो रही । इस बिहान योजना से जीवन में आए सकारात्मक बदलाव के लिए धन्यवाद स्वरूप उन्होंने अपने खेत की सब्जियां टोकरी में मुख्यमंत्री को भेंट की । मुख्यमंत्री ने भी सभी दीदियों से बात कर प्रोत्साहित किया कि इसी तरह मन लगाकर काम करिए और आर्थिक रूप से सशक्त होइए।

ज्ञात हो कि लोखन पंचायत में 58 लखपति दीदियां हैं जो विभिन्न व्यवसाय से जुड़ आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं

। चौपाल में हुआ नामकरण

आज अपने नौनिहाल बच्चे के साथ श्रीमती ऋषि बघेल भी चौपाल पहुँची । यहाँ उन्होंने मुख्यमंत्री से एक ही गुहार लगायी कि उनके बच्चे का नामकरण कर दें मुख्यमंत्री । बच्चे को गोद में लेकर दुलारते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने पूछा कि कब हुआ है इसका जन्म ? तब माँ ने बताया कि रविवार के दिन । मुख्यमंत्री ने बच्चे को स्नेह से देखते हुए नाम रविशंकर बघेल रखा और आशीर्वाद स्वरूप 500 रुपए भी दिए । पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने भी बच्चे को 500 रुपए अपनी ओर से आशीर्वाद स्वरूप दिया ।मुख्यमंत्री के द्वारा नवजात का नाम रखते ही चौपाल में तालियाँ गूंज उठी ।

चौपाल में पहुंचे मेधावी विधार्थी

आज कबीरधाम के पंडरिया के लोखान पंचायत के आश्रित ग्राम कमराखोल में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की चौपाल को देख वहाँ से गुज़र रहे राजेंद्र मसराम और उनके पिता भी रुक गए । इस दौरान बातचीत में पता चला कि छिरहा के रहने वाले इस मेधावी बच्चे ने इस साल हाई स्कूल में 94.5 त्न अंक के साथ ज़िले में नौवाँ स्थान प्राप्त किया है । मुख्यमंत्री ने होकर क्या बनना चाहते हैं ? इस पर उन्होंने बड़ा होकर आईएएस बनने के सपने को की कक्षा नवमी की बालिका भी चौपाल में मुख्यमंत्री से मिली और बताया कि आज पीएम जनमन से बने उनके आवास में मुख्यमंत्री पहुंचे थे । वहाँ मुख्यमंत्री से बात अंक कक्षा नौवी में लायी । एचसीएम ने आगे भी मन लगाकर पढ़ने की सलाह और बधाई देते हुए पेन दिया ।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज चौपाल लगाकर शासकीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और प्रसन्न दिखे कि दूरस्थ अंचल तक हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है ।

कलिंगा विश्वविद्यालय ने मजदूर दिवस पर अपने सहायक कर्मचारियों की सराहना की

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

मजदूर दिवस, जिसे अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस या कामगार दिवस के नाम से भी जाना जाता है, हर वर्ष 1 मई को दुनिया भर के श्रमिकों के योगदान का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। इसे मई दिवस के नाम से भी जाना जाता है। कलिंगा विश्वविद्यालय ने 1 मई को श्रमिक दिवस के अवसर पर अपने सहायक कर्मचारियों के सम्मान में एक गरिमामय एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस पहल ने संस्थान की कर्मचारी-केंद्रित कार्य-संस्कृति और उनके प्रति प्रतिबद्धता को एक बार फिर उजागर किया।

कार्यक्रम के दौरान हाउसकीपिंग और सहायक स्टाफ (पुरुष एवं महिला) — जो विश्वविद्यालय के दैनिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं — को सम्मानित किया गया। सम्मान के प्रतीक के रूप में सभी कर्मचारियों को उपयोगी उपहार प्रदान किए गए। साथ ही, सभी उपस्थित लोगों के बीच नाश्ता भी वितरित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलानुशासक डॉ. ए. विजयानंद और उप डीएसडब्ल्यू श्री शुभम प्रमोद ने की। इस अवसर पर उप कुलसचिव एवं मानव संसाधन प्रमुख डॉ. लिंसी रॉय, प्रशासनिक प्रबंधक एवं मुख्य वार्डन श्री मनीष सिंह, तथा लेखा प्रबंधक श्री राजेश सैनी की उपस्थिति रही, जिन्होंने कर्मचारियों के योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग के प्रोफेसर डॉ. ए. राजशेखर ने किया। इस दौरान हाउसकीपिंग प्रभारी श्री उमेश्वर मानिकपुरी, मेंटेनेंस प्रभारी श्री राजेश रावत एवं प्रशासनिक विभाग के श्री वीरेंद्र साहू ने अपने विचार रखते हुए श्रमिकों की भूमिका को संस्थान की प्रगति का आधार बताया।

कार्यक्रम में शामिल सभी कर्मचारियों ने इस पहल के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की और विश्वविद्यालय प्रबंधन का आभार जताया। एक कर्मचारी ने कहा, हमारे कार्य को इस प्रकार सम्मान मिलना हमारे लिए गर्व की बात है और इससे हमें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। एक अन्य कर्मचारी ने साझा किया, सम्मान के रूप में दिए गए ये उपहार हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं। ऐसे कार्यक्रम हमें संस्थान से जुड़ा हुआ और सम्मानित महसूस कराते हैं।

विश्वविद्यालय प्रबंधन ने कहा अपने कर्मचारियों के कल्याण, सम्मान और विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है तथा ऐसे आयोजन कर्मचारियों के मनोबल को सुदृढ़ करने के साथ-साथ संस्थान में सकारात्मक कार्य-परिवेश को बढ़ावा देते हैं।

इस अवसर पर सभी कर्मचारियों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी, जिसने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया।

कुटीर उद्योगों की स्थापना एवं ऋण प्रकरण तैयार करने शिविर 8 मई को ठेनही में

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड में संचालित योजनाओं के अंतर्गत कुटीर उद्योगों की स्थापना एवं ऋण प्रकरण तैयार करने के लिए नगरी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत ठेनही में आगामी 8 मई को शिविर आयोजित किया जाएगा। प्रबंधक, ग्रामोद्योग, जिला पंचायत धमतरी ने बताया कि योजना के तहत विभिन्न व्यवसाय के लिए शिविर में ऋण लेने वाले इच्छुक 18 से 45 वर्ष तक की आयु के आवेदकों को आवेदन पत्र तैयार करने के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंक पासबुक की दो-दो फोटोकॉपी एवं 2 पासपोर्ट साईज फोटो साथ में लाना अनिवार्य है।

बताया गया कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत कुटीर उद्योग (दोना-पत्तल, घानी तेल उद्योग, फल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग) आदि उद्योगों के माध्यम से स्वरोजगार स्थापित करने सेवा क्षेत्र अंतर्गत न्यूनतम एक लाख रूपये से ऋण राशि 20 लाख रूपये अधिकतम तक लागत की परियोजनाएं बैंकों के माध्यम से स्वीकार होती हैं। ग्रामीण क्षेत्र के लिए स्वीकृत परियोजना लागत राशि का 35 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्र के लिए स्वीकृत परियोजना लागत राशि का 25 प्रतिशत का अनुदान के रूप में लाभ दिया जाता है।

साय सरकार ने ढाई साल में राज्य में रोजगार के अवसर घटे बेरोजगारी बढ़ी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार ढाई साल में एक भी युवा को रोजगार नहीं दे पायी है, बल्कि युवाओं से रोजगार छीनने का ही काम किया है। कांग्रेस सरकार में बेरोजगारी दर मात्र 0.60 प्रतिशत था। भाजपा सरकार बनने के बाद बेरोजगारों की संख्या में भारी वृद्धि हुआ है। आज बेरोजगारी दर 4.5 प्रतिशत है। ढाई साल में बीएड शिक्षक, अतिथि शिक्षक, विद्या मितान, क्रेडा के संविदा कर्मचारी, अनियमित कर्मचारी, विद्युत विभाग के कर्मचारी, वन विभाग के संविदा कर्मचारियों, गोठान महिला स्व सहायता समूह, रीपा के तहत रोजगार प्राप्त कर रहे लोगों को काम से बेदखल किया गया, ई-श्रेणी के लाइसेंस में काम कर रहे युवाओं से भी काम छिन गया है, पूरे प्रदेश में विकास कार्य ठप है कोई नई भर्ती पूरी नहीं हुई है पूर्व से चल रही भर्ती में भी नियुक्तियां नहीं दी जा रही है हर विभाग में काम करने वाले युवाओं से उनका हक अधिकार को छीना गया है। ऐसे में साय सरकार का रोजगार देने का दावा सरासर जुमला और मनगढ़ंत आंकड़े हैं।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ढाई साल में कितने युवाओं को सरकारी नौकरी में भर्ती का अवसर दिया गया है कितने मजदूरों को काम दिया गया है रोजगार देने के लिए क्या नई योजना लायी गयी है? भाजपा की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ में यूपी की तरह युवा रोजगार के लिए सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं सिर का मुंडन करवा रहे हैं बीएड, डीएड शिक्षक आंदोलन कर रहे।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में प्रदेश के युवाओं को एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती देने का वादा किया था, अनियमित कर्मचारियों को 100 दिन में नियमित करने का वादा था, ढाई साल में एक भी युवाओं को सरकारी नौकरी नहीं दे पाई है बल्कि पूर्ववर्ती सरकार के दौरान रोजगार देने चलाई जा रही सारी योजनाओं को बंद कर दिया गया है। साय सरकार विज्ञापन वाली सरकार है, झूठे आंकड़े जारी करके रोजगार देने में अपनी नाकामी पर पर्दा करने में लगी हुयी हैं। प्रदेश के सड़कों पर जो युवाओं का भीड़ दिख रहा है, आंदोलन दिख रहा है, वह सरकार को आइना दिखा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में प्रदेश के युवाओं को एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती देने का वादा किया था, अनियमित कर्मचारियों को 100 दिन में नियमित करने का वादा था, ढाई साल में एक भी युवाओं को सरकारी नौकरी नहीं दे पाई है बल्कि पूर्ववर्ती सरकार के दौरान रोजगार देने चलाई जा रही सारी योजनाओं को बंद कर दिया गया है।

शहीद जवानों को श्रद्धांजलि, नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ का दावा झूठा,सरकार जवाब दे - अभिषेक मिश्रा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बॉर्डर पर हुए दर्दनाक IED विस्फोट में 4 जवानों की शहादत पर आम आदमी पार्टी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने इस घटना को नक्सलियों की कायराना हरकत बताते हुए कहा कि यह केवल सुरक्षा बलों पर हमला नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती है।

अभिषेक मिश्रा ने कहा कि जवानों का यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए, लेकिन बार-बार इस तरह की घटनाएं यह साबित करती हैं कि सरकार की नक्सल नीति और जमीनी रणनीति में गंभीर खामियां हैं। केवल बड़े-बड़े दावे और आंकड़ों के सहारे नक्सलवाद खत्म नहीं किया जा सकता।

उन्होंने सरकार से तीखे सवाल पूछते हुए कहा कि जब क्षेत्र में लगातार सर्च ऑपरेशन चल रहे हैं, तो नक्सलियों द्वारा इतनी बड़ी मात्रा में ढ्ढश्वष्ठ प्लांट करना सुरक्षा चूक को दर्शाता है। आखिर खुफिया तंत्र कहां था? जवानों की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक और संसाधनों का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा है?

अभिषेक मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार को अब केवल बयानबाजी छोड़कर ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पूरा प्रदेश उनके परिवारों के साथ खड़ा है और उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जाएगा।

अभिषेक मिश्रा ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल नक्सलवाद के समाप्त होने के दावे करने से स्थिति नहीं सुधरेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस और प्रभावी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है।

जय बिहान से आत्मनिर्भरता तक:महिलाओं की बदलती तस्वीर के साक्षी बने मुख्यमंत्री साय

महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही हैं

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने बलरामपुर जिला प्रवास के दौरान ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (क्रस्श्वञ्जढ्ढ) पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं और युवाओं से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रशिक्षण कक्ष में प्रवेश करते ही मुख्यमंत्री ने 'जय बिहान' कहकर अभिवादन किया, जिससे पूरे वातावरण में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने प्रशिक्षण गतिविधियों का अवलोकन करते हुए विशेष रूप से पशु सखियों और 'लखपति दीदी' से बातचीत कर उनके अनुभवों को जाना। संवाद के दौरान ग्राम केवली की अनुराधा गुप्ता ने बताया कि बिहान योजना से जुड़कर वे पशु सखी के रूप में गांव में पशुओं का सर्वे, उपचार में सहयोग और जागरूकता का कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने इस बदलाव को नजदीक से महसूस किया और कहा कि कौशल विकास और प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि RSETI के माध्यम से जिले में अब तक 16 बैचों में 510 प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार हेतु तैयार किया जा चुका है।इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में स्व-सहायता समूहों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यहां उन्होंने विभिन्न समूहों की महिलाओं से संवाद करते हुए उनके उत्पादों और अनुभवों की जानकारी ली। कोमल स्व-सहायता समूह की श्रीमती पूर्णिमा बासिन ने बताया कि बैंक लिंकेज और CIF के माध्यम से प्राप्त ऋण से उन्होंने जैविक खेती शुरू की और जीराफूल चावल का उत्पादन कर एक वर्ष में 3 लाख रुपये की बिक्री की है। मुख्यमंत्री ने उनकी इस सफलता की सराहना करते हुए 5 समूहों को 21 लाख रुपये के चेक प्रदान किए। बदलाव की स्पष्ट तस्वीर बनकर सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि स्व-महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं और स्थानीय उत्पादों को प्रदेश स्तर तक पहचान मिल रही है।

निर्माणाधीन नालंदा परिसर का मुख्यमंत्री साय ने किया निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज बलरामपुर जिला मुख्यालय में 4 करोड़ 48 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, क्योंकि यह परिसर जिले के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री साय ने परिसर में उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री, कार्य की प्रगति तथा प्रस्तावित सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और गुणवत्ता के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी प्रभावी ढंग से कर सकें।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नालंदा परिसर में आधुनिक ई-लाइब्रेरी, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें, समृद्ध अध्ययन सामग्री एवं पत्र-पत्रिकाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे युवाओं को एक समग्र और अनुकूल अध्ययन वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्य में तेजी लाते हुए परिसर को शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि जिले के विद्यार्थियों को इसका लाभ जल्द से जल्द मिल सके।

रायपुर प्यासा, सत्ता बेपरवाह — पानी के लिए आम जनता लड़ रही जंग-आम आदमी पार्टी

आज़ादी के इतने वर्षों बाद भी जनता को पानी तक न दे पाना सरकार की सबसे बड़ी विफलता —आम आदमी पार्टी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष (कर्मचारी विंग) विजय कुमार झा, प्रदेश सचिव अनुषा जोसेफ़ और रायपुर लोकसभा अध्यक्ष अजीम खान द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप नेताओं ने कहा कि राजधानी रायपुर में उत्पन्न भीषण पेयजल संकट ने आम नागरिकों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर के अनेक क्षेत्रों—चंगोराभाटा, रायपुरा, मोवा, पंडरी, सक्ति नगर, दलदल सिवनी,सुंदर नगर सहित कई इलाकों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरसने को मजबूर हैं। राजधानी रायपुर में अनेक इलाकों में लगातार जल स्तर गिर रहा है, रायपुर के ज़ोन 1 में ठक्कर बाबा वार्ड में रोजाना पानी के लिए लोग तरस रहे हैं। ज़ोन 3 के खम्हारडीह का पूरा इलाका जो जहां लगभग 30000 लोग रहतें हैं वहां 90 फ़ीसदी लोग पेयजल संकट से गुजर रहें हैं। ज़ोन 5 के वार्ड 3,वार्ड 67, वार्ड 68 और वार्ड 69 में पानी के हालात गंभीर बने हुए हैं। ज़ोन 6 के प्रोफेसर कॉलोनी,शिवाजी नगर, परशुराम नगर, मारुति नगर में आधा हिस्सा पानी से प्रभावित है। ज़ोन 9 में दुबे कॉलोनी, दलदल सिवनी, जोरा लाभांडी, कचना, सड्डू सहित इलाके में भूजल संकट बना हुआ है। कचना के जीडीए कॉलोनी में जहां 2009 सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों का परिवार है, लगातार 15 दिनों से पानी की दिक्कत बनी हुई है। वहीं ज़ोन 4 में रवि शंकर शुक्ला वार्ड, ब्राह्मण पारा,यादव पारा में नलों में पिछले 10 दिनों से लो प्रेशर की समस्या बनी हुई है। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि टैंकर पहुंचते ही लोगों की भीड़ उस पर टूट पड़ती है, मानो पानी नहीं बल्कि जीवन बांटा जा रहा हो। यदि राजधानी रायपुर में ही सरकार जनता को पीने का पानी उपलब्ध नहीं करवा पा रही है, तो राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों की स्थिति कितनी भयावह और नारकीय होगी।

इसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं है।

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हर साल गर्मियों में पीने सामने आती है, लेकिन सरकार इन समस्याओं का स्थायी समाधान निकालने के बजाय उन्हें छुपाने और समय बिताने की नीति अपनाती रही है।

मुख्यमंत्री ने RSETI में देखा ग्रामीण सशक्तिकरण का मॉडल

'ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान' पहुंचे मुख्यमंत्री: 'पशु सखियों' का बढ़ाया मनोबल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज सुशासन तिहार के अंतर्गत बलरामपुर जिला प्रवास के दौरान 'ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान' (RSETI) पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पशु सखियों से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री साय ने प्रशिक्षण कक्ष का अवलोकन करते हुए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली और प्रशिक्षणार्थियों से 'जय बिहान' कहकर आत्मीय अभिवादन किया। उन्होंने विशेष रूप से पशुपालन का प्रशिक्षण ले रही पशु सखियों से संवाद करते हुए उनके अनुभवों को जाना और उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के बगरा क्लस्टर अंतर्गत ग्राम केवली की अनुराधा गुप्ता ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे बिहान योजना से जुड़कर पशु सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वे गांव में पशुओं का सर्वे कर पशु चिकित्सकों को सहयोग प्रदान करती हैं तथा ग्रामीणों को पशुपालन से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं बीमारियों के प्रति जागरूक करती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थान द्वारा प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण से उन्हें अपने कार्य को और अधिक दक्षता के साथ करने में सहायता मिल रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास और स्वरोजगार को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि क्रस्श्वञ्जढ्ढ जैसे संस्थान न केवल प्रशिक्षण के केंद्र हैं, बल्कि ये ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं।

उल्लेखनीय है कि जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से अब तक 16 बैचों में कुल 510 प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न उद्यमी क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार एवं सूक्ष्म उद्यमिता के लिए तैयार किया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

विधायक सुनील सोनी ने महापौर मीनल , सभापति राठौड़ ने 43 लाख से अधिक के नये विकास कार्य शीघ्र करवाने भूमिपूजन कर दी सौगात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर,- आज रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति श्री सूर्यकांत राठौड सहित रायपुर नगर निगम जोन 5 अंतर्गत डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड कमांक 68 में लगभग 43 लाख के नये विविध विकास कार्यों को जनहित में जनसुविधा विस्तार हेतु शीघ्र करवाने पुराना चंगोराभाठा क्षेत्र पहुंचकर श्रीफल फोडकर एवं कुदाल चलाकर भूमिपूजन करते हुए नगरवासियों को एक और शानदार सौगात दी। भूमिपूजन के अवसर पर रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकांत राठौड सहित जोन 5 जोन अध्यक्ष श्री अम्बर अग्रवाल, डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड कमांक 68 की पार्षद श्रीमती दुर्गा यादराम साहू, पूर्व पार्षद श्री बसंत गिरपुंजे, जोन 5 जोन कमिश्नर श्री खीरसागर नायक कार्यपालन अभियंता श्री लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता श्री नागेश रामटेके, उपअभियंता सुश्री प्राची चौबे सहित बड़ी संख्या में पुराना चंगोराभाठा क्षेत्र के रहवासी गणमान्यजनों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवकों, बच्चों की उपस्थिति में लगभग 43 लाख रूपये के नये विकास कार्यों का भूमिपूजन सहित कार्यारंभ किया गया। रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने कहा कि नगर निगम रायपुर द्वारा महापौर श्रीमती मीनल चौबे के सतत प्रयासों से चंगोराभाठा क्षेत्र की पेयजल समस्या का निदान करने चंगोराभाठा और रायपुर जलागार का कमांड एरिया पृथक - पृथक करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिससे समाधान पेयजल समस्या का हो जायेगा।

रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने इस पर गहन अप्रसन्नता व्यक्त की कि संबंधित अधिकारियों ने समय पर पेयजल समस्या दूर करने वांछित जानकारी महापौर तक को उपलब्ध नहीं करवायी। अत्यधिक विलंब से जानकारी दिए जाने के कारण से इस वर्ष भी गर्मी में यहां के रहवासियों को गहन पेयजल संकट का सामना करना पड़ा ।

रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने निर्देशित किया कि सभी नये विकास कार्यों को तय समय सीमा में सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता युक्त तरीके से संबंधित अधिकारीगण एवं सम्बंधित अनुबंधित ठेकेदार पूर्ण करवाना हर हाल में सुनिश्चित कर लेवें।

रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने कहा कि चंगोराभाठा क्षेत्र में सड़क मार्ग पर बाजार विगत कई वर्षों से लगाया जा रहा है। इससे उत्पन्न सड़क यातायात की गहन समस्या को यहां रिक्त शासकीय भूमि की उपलब्धता होने पर मंडी बोर्ड से आवश्यक धनराशि स्वीकृत करवाकर दूर करेंगे एवं नए बाजार का निर्माण व विकास करवाकर वहां सम्मान सहित सब्जी फल व्यवसायियों को व्यवस्थापन दिलवायेंगे, ताकि अच्छा बाजार विकसित हो एवं इसके साथ ही चंगोराभाठा में सड़क पर यातायात की समस्या दूर हो सके।

स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों ने चलाया स्वच्छ जनजागरण अभियान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 6 अंतर्गत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्रमांक 61 के भाठागांव क्षेत्र और शहीद राजीव पाण्डेय वार्ड क्रमांक 62 के संजय नगर टिकरापारा क्षेत्र में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान 2025 - 2026 के अंतर्गत नगर निगम जोन क्रमांक 6 स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगर निगम वार्ड क्रमांक 62:के पार्षद और नगर निगम जोन 6 जोन अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में महिला स्वसहायता समूहों की स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों द्वारा रहवासियों के मध्य स्वच्छता जनजागरुकता अभियान चलाया गया और स्वच्छता जागरूकता रैली वार्ड क्रमांक 61 के भाठागांव और वार्ड क्रमांक 62 के संजय नगर टिकरापारा में मार्गो और बाजार में निकालकर रहवासी नागरिकों को दिनांक 1 अप्रैल 2026 से प्रभावशील नवीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत 4 डिब्बा सफाई प्रणाली को लेकर नागरिकों को जागरूक किया गया.

स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों द्वारा नगर निगम रायपुर के जोन 6 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 61 के भाठागांव क्षेत्र और शहीद राजीव पाण्डेय वार्ड क्रमांक 62 के अंतर्गत संजय नगर टिकरापारा क्षेत्र में रहवासी नागरिकों को घर में 4 विभिन्न प्रकारों के कूड़े को सुव्यवस्थित करने का सहज और सरल तरीका 4 पृथक - पृथक डस्टबिन में गीला , सूखा, विशेष देखभाल और सेनेटरी कूड़ा पृथक - पृथक क्रमशः हरे , नीले , लाल और काले डस्टबिन में पृथक करते हुए रखकर सफाई मित्र को सफाई वाहन में देकर राजधानी शहर रायपुर को स्वच्छ राजधानी शहर बनाने सक्रिय संजय नगर टिकरापारा क्षेत्र में नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी आदिव्य हजारी के मार्गनिर्देशन स्वच्छता निरीक्षक महेन्द्र कलियारी और अभिषेक मणि की उपस्थिति में नन्दी चौक टिकरापारा के रहवासी नागरिकों से स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 के अंतर्गत की ।

अध्यक्ष प्रीतम ठाकुर पार्षद अर्जुन यादव ने कमिश्नर सहित विकास कार्यों और स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों का किया निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर और संत रविदास वार्ड क्रमांक 70 के पार्षद अर्जुन यादव ने नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल सहित नगर निगम जोन 8 के कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, सहायक अभियंता अमन चंद्राकर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा सहित अन्य सम्बंधित जोन अधिकारियों की उपस्थिति में नगर निगम जोन 8 अंतर्गत संत रविदास वार्ड क्रमांक 70 में विभिन्न स्थानों पर प्रगतिरत विकास कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और सभी नए विकास कार्यों को तय समयसीमा के भीतर सतत मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने सम्बंधित जोन 8 अधिकारियों को स्थल पर निर्देशित किया. जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर और पार्षद अर्जुन यादव ने जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल सहित वार्ड क्रमांक 70 के क्षेत्र में स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 की प्रशासनिक तैयारियों को देखा और वार्ड क्रमांक 70 के क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को सतत मॉनिटरिंग कर लगातार पुख्ता बनाये रखने हेतु आवश्यक निर्देश सम्बंधित जोन अधिकारियों को दिए.

स्वास्थ्य विभाग ने 4 डिब्बा सफाई प्रणाली को लेकर चलाया स्वच्छ जनजागरण अभियान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 10 अंतर्गत रानी दुर्गावती वार्ड क्रमांक 49 क्षेत्र अंतर्गत प्रेम पार्क क्षेत्र पुरैना में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान 2025 - 2026 के अंतर्गत नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वच्छता जनजागरुकता अभियान चलाया गया जिसमें रहवासियों को 4 तरह के घर के कूड़े को व्यवस्थित करने का सहज तरीका 4 बाल्टियों में गीला , सूखा, विशेष देखभाल और सेनेटरी कूड़ा पृथक - पृथक रखकर तथा सफाई मित्र को सफाई वाहन में देकर रायपुर शहर को स्वच्छ राजधानी शहर बनाने सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील की गई. घर का कूड़ा बाहर नहीं फेंकने और अपने घर के आसपास सफाई बनाये रखनेघर का कूड़ा नगर निगम के सफाई वाहन में सफाई मित्र को देने अपील नागरिकों से जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा ने प्रेम पार्क क्षेत्र पुरैना के रहवासी नागरिकों से स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान अंतर्गत की.

नगर निगम को देय सम्पूर्ण बकाया अदा करने लगातार प्रेरित कर रही है

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 राजस्व विभाग की टीम के सभी राजस्व कर्मचारियों की टीम नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के निर्देश पर जोन 8 जोन सहायक राजस्व अधिकारी श्री महादेव रक्सेल के मार्गनिर्देशन में नगर निगम जोन 8 अंतर्गत सभी 7 वार्डों के समस्त बकायादारों को मोबाइल पर फोन और मैसेज कर उन्हें नगर पालिक निगम रायपुर के राजस्व विभाग को देय सम्पूर्ण बकाया राशि को तत्काल आज बिना अधिभार राशि नियत अंतिम तिथि दिनांक 30 अप्रैल 2026 गुरुवार को अदा करने रायपुर नगर पालिक निगम के हित में लगातार अभियान चलाकर प्रेरित कर रही है और अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कड़ी कार्यवाही नगर पालिक निगम अधिनियम अंतर्गत शासन के प्रावधानों के अनुसार करने की स्पष्ट निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 राजस्व विभाग की टीम के सभी राजस्व कर्मचारियों की टीम नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के निर्देश पर जोन 8 जोन सहायक राजस्व 8 अंतर्गत सभी 7 वार्डों के समस्त बकायादारों को मोबाइल पर फोन और मैसेज कर उन्हें नगर पालिक निगम रायपुर के राजस्व विभाग को देय सम्पूर्ण बकाया राशि को तत्काल आज बिना अधिभार राशि नियत अंतिम तिथि दिनांक 30 अप्रैल 2026 गुरुवार को अदा करने रायपुर नगर पालिक निगम के हित में लगातार अभियान चलाकर प्रेरित कर रही है ।

सम्पादकीय

किराये की संतान

जीवन की सांझ में बुजुर्गों को अपनों के पास न होने की टीस सालती है। कई बुजुर्गों के बच्चे विदेशों में अपना भविष्य तलाशने गए तो फिर लौटकर नहीं आये। जीवनभर की जमा-पूंजी से बनाये गए बड़े-बड़े घरों में वे सिर्फ दीवारें ताकते हैं। बच्चों के पास जाते भी हैं तो वहां रात-दिन काम में जुटे बच्चों के साथ रहना उन्हें रास नहीं आता। आत्मकेंद्रित होती पीढ़ी भी भारत में रहने वाले माता-पिता की सुध लेने लौटकर तक नहीं आती। ऐसे में साधन-संपन्न बुजुर्ग को कई बड़े शहरों में ऐसी कंपनियां किराये की सतानें उपलब्ध कराती हैं। ये किराये की संतानें बुजुर्गों के साथ सैर पर जाते हैं, लूडो आदि खेल खेलते हैं और उनका एकाकीपन दूर करते हैं। यद्यपि यह समस्या का अंतिम समाधान तो नहीं है लेकिन कुछ समय के लिए वे राहत महसूस करते हैं। दरअसल, बुजुर्गों के जीवन में अंदर से खालीपन इतना बढ़ गया है जिसे भरने के लिए वे किराये की संतानों की ओर उन्मुख होते हैं। कई कंपनियां बुजुर्गों को केयर का पैकेज देती हैं। वे ऐसे अटेंडेंट उपलब्ध कराती हैं जो बुजुर्गों के साथ बैठकर टीवी देखते हैं, ताश खेलते हैं, दिन-भर बातें करते हैं। कंपनियों की यह सुविधा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रह गई बल्कि गांवों तक लोग इन्हें अनुबंधित कर रहे हैं। हालांकि, खून के रिश्तों का कोई विकल्प नहीं हो सकता है, लेकिन तात्कालिक तौर पर वे इनकी उपस्थिति में कुछ सुकून हासिल कर सकते हैं।

हालांकि, ऐसे दौर में जब उम्र-दराज लोगों के आय के स्रोत सिमटने लगते हैं और शरीर भी साथ नहीं देता तो बहुत से लोगों के सामने किराये की संतान का बोझ उठाना भी मुश्किल होता है। खासकर निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्ति कर्मचारियों के लिए जिनकी पेंशन भी मुट्ठी में सिमट जाती है। विकसित देशों में सेवानिवृत्त लोगों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं लागू रहती हैं। वे अपनी नौकरी के दौरान पर्याप्त आयकर देते हैं। फिर सेवानिवृत्ति पर सरकारें उनकी देखभाल व मेडिकल सुविधाओं का दायित्व निभाती हैं। भारत में कथित लोककल्याणकारी सरकारें भरपूर आयकर वसूलने के बाद भी जिंदगी की सांझ में बुजुर्गों को उनके हाल पर छोड़ देती है। अपने भी गांठ का धन मजबूत होने पर ही अपने साथ निभाते हैं। ऐसे में बुजुर्गों व वृद्धों का जीवन अवसादमय हो जाता है। लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाएं और आय के स्रोतों का संकुचन उन्हें भविष्य के भय से भर देता है। वास्तव में बुजुर्गों व वृद्धों को जीवन की सच्चाई को स्वीकार करते हुए इसका मुकाबला करने को तैयार रहना चाहिए। शारीरिक सक्रियता, योग, ध्यान, प्राणायाम व सत्संग उनके लिए मददगार होता है। अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा की जाती है कि यदि अनाथ आश्रमों के बच्चों को ओल्ड ऐज होम के बुजुर्गों के साथ रखा जाए तो दोनों की समस्या हल हो सकती है। एक ओर बच्चों को जहां अभिभावक मिल सकते हैं, वहीं बुजुर्गों को बच्चे मिल सकते हैं। गुणवत्ता वाले सुविधा-संपन्न वृद्धाश्रमों को बनाने के लिए सरकार के स्तर पर बड़े प्रयास करने की जरूरत है।

स्मार्ट, संवहनीय, बेजोड़ : टेक्निकल टेक्सटाइल

इस तरह बुन रहे हैं फुटवियर में भारत का भविष्य

गिरिराज सिंह
(केंद्रीय वस्त्र मंत्री)

आत्मनिर्भर भारत का मतलब सिर्फ उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही नहीं, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में नेतृत्व भी हासिल करना है। कुछेक क्षेत्रों ने ही इस अवसर का फुटवियर की तरह स्पष्ट रूप से उपयोग किया है। फुटवियर रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली सबसे आम वस्तुओं में से एक है। इसका इस्तेमाल स्कूली बच्चों, लंबी पाली में काम करने वाले कामगारों और लगातार भागमभाग कर सामान की डिलीवरी करने वालों से लेकर अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने वाले एथलीट तक करते हैं। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक है। इसके बावजूद वैश्विक फुटवियर निर्यात में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम है। यह अंतर क्षमता की कमी के कारण नहीं, बल्कि मटेरियल (सामग्री), डिजाइन और कार्य प्रदर्शन के प्रति दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता के कारण है।

इस बदलाव के केंद्र में एक ऐसी श्रेणी भी है जिस पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता, वह है-तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल)। मैंने इसे हाल ही में अपनी आगरा यात्रा के दौरान और अधिक स्पष्टता से समझा। आगरा अपने जूतों और चप्पल के लिए जाना जाता है। वहां के उत्पादन समूहों में घूमते हुए और निर्माताओं से बातचीत करते हुए यह स्पष्ट हो गया कि वहां इनके उत्पादन में नवाचार पहले से ही किया जा रहा है। कई इकाइयाँ ऐसी सामग्रियों का उपयोग कर रही थीं जो बहुत आरामदायक, टिकाऊ और नरम जूते बना रही हैं। लेकिन इनमें से कइयों ने इन्हें टेक्निकल टेक्सटाइल के रूप में नहीं बताया। उन सब ने इन्हें सिर्फ ऐसे बेहतर आदानों के रूप में देखा जो उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं।

दिल्ली में फुटवियर संघ के साथ हुई एक बैठक के दौरान यह समझ और गहरी हुई। उद्योग जगत के हितधारकों ने उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं के बारे में बताया, जैसे उपभोक्ता अब हलके, बेहतर कुशनिंग वाले, हवादार और टिकाऊ जूते पसंद करते हैं। ये अब केवल महंगे उत्पादों की विशेषताएं नहीं रह गई, बल्कि मानक ज़रूरतें बनती जा रही थीं। इसी चर्चा के दौरान मेरे विभाग ने एक महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रकाश डाला: फुटवियर उद्योग पहले से ही टेक्निकल टेक्सटाइल का व्यापक रूप से उपयोग कर रहा है, भले ही इसे औपचारिक रूप से मान्यता न दी गई हो। उस अहसास ने पूरी चर्चा का स्वरूप ही बदल दिया। वैश्विक स्तर पर, फुटवियर उद्योग सालाना लगभग 23.9 बिलियन जोड़ी जूतों का उत्पादन करता है, जिसका बाजार आकार करीब 500 बिलियन अमरीकी डॉलर है। भारत वैश्विक उत्पादन में लगभग 12.5 प्रतिशत का योगदान देता है, फिर भी निर्यात में इसकी हिस्सेदारी केवल 2 प्रतिशत है। यह आंकड़ा हमारी क्षमता और वैश्विक स्थिति के बीच के स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। साथ ही, दुनिया भर के लगभग 86 प्रतिशत फुटवियर 'नॉन-लेदर' (गैर-चमड़ा) हैं, जबकि भारत का उद्योग परंपरागत रूप से चमड़े पर केंद्रित रहा है। देश में भी स्थिति तेजी से बदल रही है। साल 2025 में भारतीय फुटवियर बाजार का आकार 20.67 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच गया, जो बढ़ती आय और उपभोक्ता की बदलती प्रवृत्तियों को दर्शाता है। हालाँकि, एक औसत भारतीय अभी भी साल भर में लगभग 2 जोड़ी जूते ही खरीदता है, जबकि वैश्विक औसत 7 से 8 जोड़ी का है। जैसे-जैसे खरीदने की क्षमता बढ़ेगी, उपभोक्ताओं की पसंद 'आराम' और 'बेहतर प्रदर्शन' होगी। इसे देखते हुए घरेलू बाजार का विस्तार और भी व्यापक होने की उम्मीद है।

यही वह बिंदु है जहाँ तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल) विकास के अगले चरण के लिए महत्वपूर्ण बन जाते हैं। वस्त्र मंत्रालय में, इस परिवर्तन को 'स्मार्ट, टिकाऊ और निर्बाध' फ्रेमवर्क के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। 'स्मार्ट' फुटवियर' तकनीक और डिजाइन के बढ़ते एकीकरण को दर्शाते हैं। डिजिटल टूल्स, एआई आधारित मॉडलिंग और फुट स्कैनिंग के माध्यम से अब बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप समाधान संभव हो पा रहे हैं। यह रुझान व्यापक रूप से उपभोक्ताओं की जरूरतों और फैशन के अनुरूप है। वर्ष 2025 में, भारत में 28.9 मिलियन स्मार्टवॉच की बिक्री दर्ज की गई, जिससे 780 मिलियन अमरीकी डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। यह उन उत्पादों के प्रति बढ़ती पसंद को दर्शाता है जो दैनिक उपयोग के साथ-साथ आज के समय के अनुरूप भी हों। स्नीकर (हलके रबड़ के जूते) श्रेणी के जूते इस बदलाव को और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाते हैं।

अनुमान है कि यह वर्ष 2024 के 3.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक यह लगभग 6 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच जायेंगे, जिसमें इसकी मात्रा 55 मिलियन जोड़ी से बढ़कर 70 मिलियन जोड़ी हो जाएगी। उपभोक्ता स्पष्ट रूप से ऐसे फुटवियर खरीद रहे हैं जो 'आरामदायक' हों और 'देखने में भी सुन्दर' हों और यहीं पर 'तकनीकी वस्त्र' एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं। संवहनीयता भी एक निर्णायक कारक बनता जा रहा है। 'पुनर्चक्रित पीईटी प्लास्टिक और 'बायोडिग्रेडेबल' फाइबर जैसे पदार्थ धीरे-धीरे उत्पादन की मुख्यधारा में प्रवेश कर रहे हैं। भारत के लिए, यह न केवल एक पर्यावरणीय अनिवार्यता है, बल्कि वैश्विक बाजारों में खुद को संवहनीय सामग्री के आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने का एक रणनीतिक अवसर भी है। इसी तरह, 'निर्बाध विनिर्माण' की दिशा में बढ़ते कदम भी परिवर्तनकारी साबित हो रहे हैं। 3डी बुनाई और उन्नत निर्माण जैसी तकनीकें कचरे को कम कर रही हैं, दक्षता में सुधार कर रही हैं और उत्पादन चक्र को तेज कर रही हैं। इससे निर्माता निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखते हुए उपभोक्ता की बदलती मांगों के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से उत्पादन करने में सक्षम हो रहे हैं। इस बदलाव को और भी मज़बूत बनाने वाली बात है भारत के मौजूदा इकोसिस्टम का पैमाना। फुटवियर उद्योग में पहले से ही 20 लाख से ज़्यादा लोगों को रोज़गार मिला हुआ है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएँ हैं; इस वजह से यह समावेशी रोज़गार का एक बड़ा ज़रिया बन गया है। लगभग 2.9 अरब जोड़ी जूतों के सालाना उत्पादन के साथ, भारत में प्रति श्रमिक उत्पादकता लगभग 4 से 5 जोड़ी प्रतिदिन है। इसकी तुलना में, वैश्विक उत्पादन में कहीं ज़्यादा दक्षता देखने को मिलती है, जहाँ मज़दूर प्रतिदिन लगभग 17 से 20 जोड़ी जूते बनाते हैं। आगरा, कानपुर, चेन्नई, रानीपेट, अंबूर और कोलकाता में स्थापित क्लस्टर्स न केवल उत्पादन के केंद्र हैं, बल्कि वे आधार भी हैं जिन पर भारत फुटवियर क्षेत्र में अपनी दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक नेतृत्व को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। टेक्निकल टेक्सटाइल की ओर यह बदलाव किसी नए उद्योग को खड़ा करने के बारे में नहीं है, बल्कि एक मौजूदा उद्योग की पूरी क्षमता को उजागर करने के बारे में है। आगरा की यात्रा और दिल्ली में हुई चर्चाओं से एक सरल लेकिन प्रभावशाली अंतर्दृष्टि सामने आई फुटवियर में टेक्निकल टेक्सटाइल कोई उभरती हुई अवधारणा नहीं है। वे पहले से ही इस उद्योग का हिस्सा हैं और चुपचाप फुटवियर उत्पादों को बनाने और तैयार करने में बेहतर योगदान कर रहे हैं।

आगे का काम इस एकीकरण को पहचानना, व्यवस्थित करना और इसका विस्तार करना है। फुटवियर क्षेत्र को टेक्निकल टेक्सटाइल्स इकोसिस्टम के दायरे में और ज़्यादा स्पष्ट रूप से लाने से नवाचार को बढ़ावा मिल सकता है, निर्यात बढ़ सकता है और उच्च गुणवत्ता वाले रोज़गार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को वैश्विक मांग के रुझानों के साथ, खासकर नॉन-लेदर और परफॉर्मेंस-आधारित श्रेणियों में, तालमेल बिठाने में भी मदद मिल सकती है। वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी बनने की भारत की यात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पारंपरिक उद्योगों, उन्नत सामग्रियों और आधुनिक डिजाइन के संगम का कितनी प्रभावी ढंग से लाभ उठाता है। फुटवियर ऐसा ही एक संगम है। 'टेक्निकल टेक्सटाइल' वह सूत है जो इस अवसर को एक वैश्विक सफलता की कहानी में पिरोने में मदद कर सकता है।

भारत में बढ़ती हृदय रोग महामारी और उससे बचाव के प्रभावी उपाय

बदलती जीवनशैली और युवाओं में तेजी से बढ़ता दिल का खतरा

कांतिलाल मांडोत।

भारत में स्वास्थ्य से जुड़ी हालिया तस्वीर चिंताजनक होती जा रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन के ताजा सर्वे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हृदय रोग अब केवल बुजुर्गों तक सीमित समस्या नहीं रह गया है बल्कि यह तेजी से युवाओं को भी अपनी चपेट में ले रहा है। पिछले सात वर्षों में दिल के मरीजों की संख्या लगभग तीन गुना बढ़ जाना किसी साधारण बदलाव का संकेत नहीं बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि 15 से 29 वर्ष की आयु के युवा भी अब इस बीमारी से प्रभावित हो रहे हैं जो पहले अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते थे। यह बदलाव केवल चिकित्सा आंकड़ों तक सीमित नहीं है बल्कि समाज की बदलती जीवनशैली का सीधा परिणाम है। आज का युवा पहले की तुलना में अधिक तनावग्रस्त है। पढ़ाई का दबाव, करियर की अनिश्चितता, डिजिटल जीवनशैली और शारीरिक गतिविधियों में कमी ने शरीर को कमजोर बना दिया है। इसके साथ ही जंक फूड का बढ़ता चलन, देर रात तक जागना और नींद की कमी भी हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा रही है। शहरी क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक गंभीर दिखाई देती है। वहां की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दे पाते। लंबे समय तक बैठकर काम करना, व्यायाम की कमी और प्रदूषण भी दिल की बीमारियों को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। पुरुषों में यह समस्या अधिक देखी जा रही है लेकिन महिलाओं में भी बीमार होने की दर अधिक होने के कारण खतरा कम नहीं है। हृदय रोग का इलाज अन्य बीमारियों की तुलना में काफी महंगा है। शहरों में इसका खर्च इतना अधिक है कि सामान्य परिवार के लिए इसे वहन करना कठिन हो सकता है। हालांकि सरकारी बीमा योजनाओं का विस्तार एक

सकारात्मक कदम है लेकिन केवल इलाज पर निर्भर रहना समाधान नहीं हो सकता। असली जरूरत इस बीमारी को रोकने की है। दिल की बीमारियों के बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण जीवनशैली में असंतुलन है। आज के समय में लोग प्राकृतिक जीवन से दूर होते जा रहे हैं। पहले जहां लोग अधिक चलते थे, खेतों में काम करते थे या शारीरिक श्रम करते थे वहीं आज अधिकांश काम मशीनों और कंप्यूटर के जरिए हो रहा है। इससे शरीर की सक्रियता कम हो गई है और मोटापा तेजी से बढ़ रहा है जो हृदय रोग का प्रमुख कारण है। तनाव भी एक महत्वपूर्ण कारक बन चुका है। मानसिक दबाव सीधे दिल पर असर डालता है। लगातार चिंता में रहने से रक्तचाप बढ़ता है और धीरे धीरे यह स्थिति गंभीर हो जाती है। इसके अलावा धूम्रपान और शराब का सेवन भी दिल के लिए अत्यंत हानिकारक है। युवा वर्ग में इन आदतों का बढ़ता चलन स्थिति को और बिगाड़ रहा है। इस समस्या से बचने के लिए सबसे जरूरी है जागरूकता और जीवनशैली में सुधार। नियमित व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। रोज कम से कम तीस मिनट तेज चलना, दौड़ना या योग करना दिल को स्वस्थ रखने में बेहद सहायक होता है। योग और प्राणायाम विशेष रूप से तनाव को कम करने में मदद करते हैं और हृदय की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं। खानपान में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। तैलीय और जंक फूड से दूरी बनाकर संतुलित आहार लेना चाहिए। फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त भोजन दिल के लिए लाभकारी होते हैं। नमक और चीनी का सेवन सीमित रखना चाहिए क्योंकि ये दोनों ही रक्तचाप और मधुमेह को बढ़ाने में योगदान देते हैं। नींद भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पर्याप्त और अच्छी नींद लेने से शरीर को आराम मिलता है और हृदय स्वस्थ रहता है। लगातार नींद की कमी शरीर को कमजोर बनाती है और कई बीमारियों का कारण बनती है। इसलिए हर व्यक्ति को कम से कम सात से आठ घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए। नियमित स्वास्थ्य जांच भी अत्यंत जरूरी है। कई बार हृदय रोग के लक्षण शुरुआती अवस्था में स्पष्ट नहीं होते। समय पर जांच कराने से बीमारी का पता जल्दी चल सकता है और इसका इलाज आसान हो जाता है। विशेष रूप से जिन लोगों के परिवार में पहले से हृदय रोग का इतिहास है उन्हें अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। सरकार और समाज दोनों को मिलकर इस समस्या का समाधान निकालना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए ताकि युवा शुरुआत से ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बन सकें। कार्यस्थलों पर भी कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए जिससे वे अपने व्यस्त जीवन में भी फिट रह सकें। डिजिटल युग में तकनीक का सही उपयोग भी मददगार हो सकता है। फिटनेस ऐप्स और स्मार्ट डिवाइस के जरिए लोग अपनी गतिविधियों और स्वास्थ्य पर नजर रख सकते हैं। इससे उन्हें अपने लक्ष्य को हासिल करने में प्रेरणा मिलती है। हृदय रोग केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं है बल्कि यह पूरे समाज को प्रभावित करता है।

गर्मियों में राम का नाम शीतल प्रदान करती है

संजय गोस्वामी।

कैसा कलियुग आ गया है, कि आज गर्मियों में एयर कंडीशन में भी गर्मी लगती है, क्योंकि आप राम नाम जो शीतल प्रदान करता है उसे भूलते जा रहें हैं. चार वेद में मूलभूत भूल थी है जिसमें व्यासजी जैसे ऋषि-मुनियों ने चार वेद का दोहन करके अपने अपने विरोधाभासी मत दर्शाकर मतभेद खड़े किये है और खट-पट बढ़ गई है। नेति नेति का हार्द समझें बिना ही अनंत ब्रह्मांड में कार के स्वरुप में सर्वव्यापक प्रकाश ब्रह्म है जो सृष्टि के सर्जनहार का परम प्रकाश ब्रह्म है। उस सर्जनहार की विश्व में कोई यथार्थ खोज नहीं कर पाया इसलिए चार वेद से चली आई भूल दिन दूना रात चौगुना बढ़ती ही गई जो थमने का नाम नहीं रही है। हररोज एक नया भगवान और देवी पैदा होती ही रहती है। क्यों कि कवियों की काल्पनिक मनगढ़ंत तथ्यहीन रसिक कविताओं और वाणीयों रुप वाणी विलास में जगत फंस गया है। जगत में आज तक न किसी को निज चैतन स्वरुप अंश का यथार्थ बोध है और न सृष्टि के सर्जनहार का बोध है, फिर भी च्युंइगम की तरह वाणी विलास के नशे में चबाते हुए सब मस्त है जैसे कि उनको परमपद की प्राप्ति अभी इसी वक्त हो गई हो। जब भीतर ही परमात्मा का बोध दृढ़ हो जाए, तब भय मिट जाता है क्योंकि रक्षक और रक्षित का भेद ही नहीं रहता वही शरण, वही शरणागत हो जाता है। बुद्धि से आगे कि यात्रा के लिए प्रेम ही सहारा है। संसारीक पदार्थों से विरक्ति होने पर प्रेम कि शुरुआत होती है। भोगों का दमन नहीं करा जा सकता क्योंकि मन द्वारा उत्पन्न सृष्टि का भोक्ता मन ही है। ये ऐसा ही है जैसे चित्रकार कागज को भुलाकर उसमें बने हुए चित्रों को ही भोग रहा है: परिवार है समाज है कुटुंब इत्यादि है धन सम्पत्ति मान मर्यादा इतना सब जीवन भर मेहनत करके जोड़ा उसका त्याग सरल नहीं होता है: शरीर और संसार में अहं भाव है ही नहीं। अहं है कहां किसमें जानने मानने में है। अनजाने में भी है। ज्ञान अज्ञान में भी। जनाइये मैं कौन हूं हूं भाव कौन सवाल मैं संकेत मात्र हूं या नहीं भाव हैं। अहं न देह में है न संसार में, वह केवल जानने वाले मैं हूँ के स्फुरण में है और जब यह स्फुरण भी किसमें उठ रहा है यह देखो, तो मैं केवल साक्षी का संकेत मात्र रह जाता है, भाव नहीं।

: राम कथा के तेई अधिकारी ।
जिन्ह के सत संगति अति प्यारी।।
सत्संग श्रवण कीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा।

एक मृत शरीर है और एक जीवित शरीर है दोनों ही पर सुर्य का प्रकाश पड रहा है एक शांत है और दुसरे में प्राण है। सुर्य कि दृष्टि से दोनों ही सुर्य के विषय है और सुर्य दोनों का विषयेता । तीनो ही सतय बनकर स्थित है ये बुद्धि का विचार है धारणा है मन का निश्चय है। यदि अचानक से पता चले कि ये जो कुछ भी देखा वो स्वप्न में देखा तो कोई एक सत्ता ऐसी भी हैं जो सुर्य को भी प्रकाशित कर रही है। अब एक मृत शरीर है एक जीवित शरीर है एक बुद्धि है एक सुर्य है और एक वो सत्ता भी है जो इन सबको स्वप्न में एक क्षण में रच लेती है आजकल तत्त्वदर्शी तत्त्ववेत्ता केवल एक ही पूरे विश्व में है और वह राजनीति में कृष्ण की तरह से है।वह उत्तर भारत में प्राप्त है उसके प्रवचन फोटो भी इस साइट पर आए हैं। परन्तु उसके बारे में जानकारी देने वाले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं। जिस महात्मा के बारे में जानकारी दी गई है उसके चेले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं मैंने पहले ही बता दिया है। चेले को यह साफ़ साफ़ स्पष्ट रूप से देखें जा सकते हैं कि उन्होंने क्या सीखा है? और उस महापुरुष को अपने स्वभाव से ख़राब करते रहते हैं। एक उपले रखने के लिए बरसात में बटिहा जिसमें उपले सूखें रहें बनाया जाता है। तब उसमें से उपले ही निकलते हैं उसी तरह से कुछ महात्माओं के चेले निम्न श्रेणी के फंसे हुए रहते हैं और वह उस महापुरुष को अपने स्वभाव से बदनाम करते रहते हैं।

रेलवे समाचार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में डिजिटल टिकटिंग एवं कैशलेस सेवाओं का विस्तार...

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 44 स्टेशनों पर कुल 87 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन स्थापित

रायपुर/बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप, यात्रियों को सहज, तेज़ एवं कैशलेस सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से अपने डिजिटल सेवा ढांचे को लगातार सुदृढ़ कर रहा है। इसी क्रम में रेलवे स्टेशनों एवं यात्री सेवा केंद्रों पर डिजिटल टिकटिंग सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, तेज़ एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध हो सकें। यात्रियों को बिना कतार में लगे शीघ्र अनारक्षित टिकट उपलब्ध कराने के लिए ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) सुविधा को तेजी से बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 44 स्टेशनों पर कुल 87 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें बिलासपुर मंडल के 13 स्टेशनों पर 32 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन, रायपुर मंडल के 12 स्टेशनों पर 26 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन तथा नागपुर मंडल के 19 स्टेशनों पर 29 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन कार्यरत हैं। यात्रियों की बढ़ती मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए निकट भविष्य में 38 अतिरिक्त ऑटोमैटिक टिकट

वेंडिंग मशीन स्थापित किए जाने की योजना है, जिनमें बिलासपुर मंडल में 12, रायपुर मंडल में 16 तथा नागपुर मंडल में 10 नई मशीनें शामिल हैं। यह विस्तार स्व-टिकटिंग प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा तथा यात्रियों के समय की बचत के साथ टिकटिंग प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाएगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में डिजिटल लेन-देन के प्रति यात्रियों की बढ़ती स्वीकृति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। वर्तमान में यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) के 42 प्रतिशत लेन-देन डिजिटल माध्यम से हो रहे हैं, जबकि अनारक्षित टिकटिंग (यूटीएस एवं एटीवीएम) के 34 प्रतिशत लेन-देन डिजिटल भुगतान के माध्यम से संपन्न हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पार्सल कार्यालयों में 100 प्रतिशत डिजिटल लेन-देन सुनिश्चित किया जा चुका है तथा टिकट जांच से प्राप्त होने वाली आय का 26 प्रतिशत हिस्सा भी डिजिटल माध्यम से संग्रहित किया जा रहा है। डिजिटल भुगतान प्रणाली के बढ़ते उपयोग से न केवल टिकटिंग सेवाओं में तेजी आई है, बल्कि नकद लेन-देन पर निर्भरता में कमी आई है, जिससे पारदर्शिता एवं जवाबदेही में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे यात्रियों को अधिक सुविधा एवं बेहतर अनुभव प्राप्त हो रहा है। साथ ही, यह पहल पर्यावरण संरक्षण के लिए पेपरलेस व्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ-साथ वित्तीय समावेशन एवं डिजिटल सशक्तिकरण को भी प्रोत्साहित कर रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी डिजिटल तकनीकों के माध्यम से सेवा गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

रायपुर मंडल के निपनिया-भाटापारा सेक्शन में रोड अंडरब्रिज निर्माण के तहत रिलिविंग गर्डर लॉन्चिग कार्य के कारण निरस्त/आंशिक रूप से निरस्त ट्रेनों को किया गया रिस्टोर

रायपुर। अधोसंरचना विकास के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के निपनिया - भाटापारा सेक्शन के बीच किमी 755/07-09 पर स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या 380 पर रोड अंडरब्रिज निर्माण कार्य के कारण पूर्व में निरस्त एवं आंशिक रूप से निरस्त की गई यात्री ट्रेनों को रिस्टोर कर दिया गया है।

रिस्टोर की गई ट्रेनें

- दिनांक 06 मई 2026 को गाडी संख्या 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर को रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- दिनांक 06 मई 2026 को गाडी संख्या 68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर को रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- दिनांक 06 मई 2026 को गाडी संख्या 68733 गेवरा रोड -बिलासपुर मेमू पैसेंजर को रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- दिनांक 06 मई 2026 को गाडी संख्या 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर को रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।

शॉर्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड ट्रेनों को किया गया रिस्टोर

- गाड़ी संख्या 68861 गोंदिया -झारसुगुड़ा मेमू को दिनांक 06 मई 2026 को रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार गोंदिया से झारसुगुड़ा तक चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू को दिनांक 06 मई 2026 को रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार झारसुगुड़ा से गोंदिया तक चलेगी।

एक ग्रामीण का न्योता, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का अपनापन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिले के ग्राम लोखान में आज एक अत्यंत भावनात्मक, आत्मीय और जनसरोकारों से जुड़ा दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक सामान्य ग्रामीण के सादे निमंत्रण को न केवल स्वीकार किया, बल्कि उसे अपने व्यवहार से एक यादगार क्षण में परिवर्तित कर दिया। गांव में उनके आगमन से जहां उत्साह और जिज्ञासा का माहौल बना हुआ था, वहीं इस पूरे घटनाक्रम ने शासन और आमजन के बीच के आत्मीय संबंधों को भी जीवंत रूप में सामने रखा।

ग्राम लोखान निवासी मोहन मरावी के नए पक्के घर का आज गृह प्रवेश कार्यक्रम था। जैसे ही उन्हें यह जानकारी मिली कि मुख्यमंत्री गांव के दौरे पर हैं, वे बिना देर किए सीधे उनके पास पहुंचे और अपने घर आने का न्योता दे दिया। यह एक ग्रामीण का असाधारण प्रेम भरा अनुरोध था, जिसे मुख्यमंत्री ने उसी सहजता और विनम्रता के साथ स्वीकार किया और उनके घर पहुंचकर इस अवसर को विशेष बना दिया।

मुख्यमंत्री के मोहन मरावी के घर पहुंचते ही वहां एक आत्मीय और पारिवारिक वातावरण बन गया। उन्होंने बिना किसी औपचारिकता के पूरे स्नेह और अपनत्व के साथ नारियल फोड़ा, दीप प्रज्वलित किया और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ गृह प्रवेश की रस्म संपन्न कराई। इस दौरान परिवार के सदस्यों के चेहरे पर जो संतोष, गर्व और खुशी झलक रही थी, वह इस बात का प्रतीक थी कि उनके सपनों का घर अब साकार हो चुका है। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने भी इस क्षण को उत्साहपूर्वक देखा और मुख्यमंत्री की सादगीपूर्ण शैली की सराहना की। इस आत्मीय संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए मोहन से पूछा— 'आवास कोन भेजिस?' इस पर मोहन ने सहजता के साथ उत्तर दिया— 'मोदी जी ने।' यह छोटा-सा संवाद पूरे माहौल को भावनात्मक गहराई से भर गया और यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी का क्रियान्वयन सीधे लोगों के जीवन में किस प्रकार आशा और विश्वास का संचार कर रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने मोहन मरावी और उनके परिवार से विस्तार से बातचीत करते हुए उनके नए घर के निर्माण की प्रक्रिया के बारे में जाना। मोहन ने बताया कि उनका यह घर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्राप्त राशि और अपने परिश्रम से तैयार हुआ है। पहले उनका घर कच्चा था, लेकिन वर्ष 2024-25 में आवास स्वीकृत होने के बाद उनके भीतर पक्का घर बनाने का हौसला जागा। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्वयं ईंट बनाकर चार कमरों का सुदृढ़ और व्यवस्थित घर खड़ा किया, जो उनके श्रम, संकल्प और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने घर की गुणवत्ता, संरचना और उसमें झलक रही मेहनत की खुले दिल से सराहना की। उन्होंने कहा कि जब शासन की योजनाएं वास्तव में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं और उसमें लोगों की अपनी मेहनत व सहभागिता जुड़ती है, तभी विकास का वास्तविक स्वरूप सामने आता है।

सीएम का हाथ पकड़कर अपने घर ले गया ग्रामीण, पीएम आवास दिखाया

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 10वीं-12वीं के मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सीएम साय आज लोखान पहुंचे है, इस दौरान विष्णु के सुशासन की मिसाल दिखी, जब हितग्राही मोहन मरावी बड़ी खुशी और सहजता से मुख्यमंत्री जी का हाथ पकड़कर उन्हें अपने पीएम आवास तक ले गए,

आज सुशासन तिहार में अपने प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पीएम आवास हितग्राही मोहन मरावी के गृह प्रवेश में शामिल हुए और पूरे आत्मीय भाव से परिवार संग खुशियां साझा कीं। उसके घर पहुंचकर नारियल फोड़ा, दीपक जलाया और गृह प्रवेश की रस्म निभाई। जब मुख्यमंत्री ने पूछा- आवास कोन दिहिस?, तो मोहन ने मुस्कुराकर कहा- मोदी जी। विष्णुदेव सरकार के संवेदनशील, जन-केंद्रित और भरोसेमंद सुशासन का सजीव यह उदाहरण है। बलरामपुर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया और उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। अधिकांश विद्यार्थियों ने डॉक्टर और इंजीनियर बनने की इच्छा व्यक्त की, वहीं कुछ ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (ढ्ढस्र) और न्यायिक सेवा में जाने का संकल्प व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों के सपनों की सराहना करते हुए कहा कि सपना देखना और उसे लक्ष्य में बदलकर निरंतर प्रयास करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि समर्पण, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ मेहनत की जाए, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहाड़ मंदिर समिति की बैठक में शामिल हुए वित्तमंत्री ओपी चौधरी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी आज रायगढ़ में आयोजित पहाड़ मंदिर समिति की बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान मंदिर के विकास, व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वित्त मंत्री चौधरी ने समिति के सदस्यों से सुझाव लेते हुए मंदिर परिसर के समुचित विकास के लिए आवश्यक पहल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास न केवल आस्था का केंद्र होता है, बल्कि इससे क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण को भी मजबूती मिलती है। इस अवसर पर नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान, मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

रायपुर महामाया मंदिर में 71 ब्राह्मण बटुकों का सामूहिक उपनयन संस्कार संपन्न

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित महामाया देवी मंदिर के सत्संग भवन में रविवार 3 मई 2026 को एक भव्य धार्मिक आयोजन के तहत 71 ब्राह्मण बटुकों का सामूहिक उपनयन संस्कार संपन्न हुआ। यह आयोजन विप्र सामाजिक संगठन समग्र ब्राह्मण परिषद् छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में शास्त्रोचित विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी बटुकों को जनेऊ धारण करवाया गया। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक वातावरण बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं परिजन उपस्थित रहे। यज्ञोपवीत संस्कार को ब्राह्मण परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण संस्कार माना जाता है, जिसमें शिक्षा और संस्कारों की औपचारिक शुरुआत होती है।

आयोजन स्थल महामाया मंदिर के सत्संग भवन को विशेष रूप से सजाया गया था। विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना कर यह संस्कार सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में शामिल सभी बटुकों ने पारंपरिक वेशभूषा में धार्मिक अनुष्ठान पूरा किया। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के सामूहिक उपनयन संस्कार का उद्देश्य समाज में धार्मिक परंपराओं को बढ़ावा देना और बच्चों में संस्कारों के प्रति जागरूकता लाना है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखा जाएगा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए और आयोजन की सराहना की।

छत्तीसगढ़ में 10वीं-12वीं के मेरिट छात्रों को मिलेगा आईपीएल मैच देखने का मौका

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

: छत्तीसगढ़ में 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की मेरिट लिस्ट में स्थान बनाने वाले छात्रों के लिए एक खास पहल की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने निर्णय लिया है कि मेरिट में शामिल विद्यार्थियों को ढ्ढक्क मैच देखने का अवसर दिया जाएगा। विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, चयनित छात्रों को 10 मई 2026 को नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ढ्ढक्क मैच दिखाया जाएगा। इस दिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्टक्च) और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला खेला जाएगा, जिसे छात्र लाइव स्टेडियम में देख सकेंगे।

इस संबंध में सभी संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि चयनित विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक छात्र के साथ एक शिक्षक का होना अनिवार्य किया गया है। कार्यक्रम के तहत सभी चयनित छात्रों को 10 मई की सुबह 10 बजे तक स्ह्रश्वक्रञ्ज रायपुर में रिपोर्ट करना होगा। इसके बाद वहां से विद्यार्थियों को बसों के माध्यम से स्टेडियम ले जाया जाएगा, जहां वे मैच का आनंद लेंगे।

शिक्षा विभाग की इस पहल को छात्रों को प्रोत्साहित करने और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगा, जिसमें शिक्षा के साथ खेल के प्रति भी उत्साह बढ़ाने का प्रयास किया गया है।इस संबंध में सभी संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि चयनित विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक छात्र के साथ एक शिक्षक का होना अनिवार्य किया गया है। कार्यक्रम के तहत सभी चयनित छात्रों को 10 मई की सुबह 10 बजे तक स्ह्रश्वक्रञ्ज रायपुर में रिपोर्ट करना होगा। इसके बाद वहां से विद्यार्थियों को बसों के माध्यम से स्टेडियम ले जाया जाएगा, जहां वे मैच का आनंद लेंगे।

शिक्षा विभाग की इस पहल को छात्रों को प्रोत्साहित करने और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगा, जिसमें शिक्षा के साथ खेल के प्रति भी उत्साह बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

छत्तीसगढ़ की जड़ी-बूटियों से महकेगा नारी शक्ति का स्वावलंबन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के वनांचल की गोद में छिपी अमूल्य औषधि संपदा अब केवल स्वास्थ्य का आधार नहीं, बल्कि प्रदेश की नारी शक्ति के आर्थिक स्वावलंबन का नया अध्याय बन रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन की जिस परिकल्पना को साकार कर रही है, उसे वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप और छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम के मार्गदर्शन में धरातल पर उतार रहा है। गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, और शतावरी जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों से अर्क और उत्पाद तैयार क्विनांचल में बिखरे पारंपरिक ज्ञान को महज एक स्मृति न रहने देने के संकल्प के साथ बोर्ड ने इसे वैज्ञानिक पद्धति से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके तहत उन स्थानीय वैद्यों और जानकारों का चिन्हांकन शुरू किया गया है, जिनके पास असाध्य रोगों के उपचार का अद्भुत ज्ञान है। बोर्ड का प्रयास इन महिलाओं को एक उचित मंच प्रदान करना है, ताकि उनकी मिले और वे स्वयं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ कर सकें। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उस विरासत का सम्मान है जिसे ग्रामीण महिलाओं ने सदियों से सहेजकर रखा है। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक जड़ी-बूटी और जनजातीय ज्ञान को अब आधुनिक विज्ञान के माध्यम से नई पहचान मिल रही है। राज्य के वनों में छिपे औषधीय खजाने को वैज्ञानिक आधार पर प्रमाणित कर, उसे आजीविका के साधन के रूप में विकसित किया जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर सबसे बड़ा बदलाव तब दिखाई दे रहा है, जब जड़ी-बूटियों का संग्रहण करने वाली महिलाएं अब संग्राहक से आगे बढ़कर निर्माता की भूमिका में नजर आ रही हैं। बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, महिला स्व-सहायता समूहों को औषधि प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) के उन्नत गुर सिखाए जा रहे हैं। यह पहल न केवल औषधीय पौधों का संरक्षण कर रही है, बल्कि वनवासियों और लघु वन उपज संग्राहकों की आय में वृद्धि करके उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है। छत्तीसगढ़ में 1500 से अधिक सक्रिय वैद्यों के ज्ञान को सहेजने और जड़ी-बूटियों के विपणन के लिए छत्तीसगढ़ जनजातीय स्थानीय स्वास्थ्य परंपराएं और औषधीय पादप बोर्ड सक्रिय रूप से काम कर रहा है। यह संस्था हर्बल उत्पादों की खेती, मूल्य संवर्धन, और मार्केटिंग में तकनीकी सहायता और सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

आज बिलासपुर-टिटिलागढ़ पैसेंजर रद्द

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पूर्व तटीय रेलवे संबलपुर मंडल के बलांगीर-संबलपुर सेक्शन में गर्डर लांचिंग, डि-लांचिंग कार्य हेतु ट्रेफिक सह पावर ब्लॉक लिया जाएगा. इसके फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल से संबंधित गाड़ी संख्या 58213/58214 बिलासपुर-टिटिलागढ़-बिलासपुर पैसेंजर 4 मई को रद्द रहेगी.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चार राज्य और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव परिणामों की पूर्व संध्या पर भारतीय जनता पार्टी की बड़ी जीत का भरोसा जताया है. मुख्यमंत्री साय ने विशेष रूप से असम और पश्चिम बंगाल में भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनने का दावा किया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी सोमवार को आने वाले परिणाम को लेकर बेहद आशान्वित है.

मुख्यमंत्री साय ने कहा, कल चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव के परिणाम आने हैं और हम लोग बहुत आशावान हैं. दो राज्यों- पश्चिम बंगाल और असम में निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी की स्पष्ट बहुमत की सरकार बना रही है. अन्य राज्यों में भी एनडीए की मजबूत स्थिति की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री साय ने गठबंधन की सफलता का दावा कर कहा, उन्होंने स्वयं केरल का दौरा किया और वहां के अनुभवों को साझा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोगों का विश्वास बढ़ा है, जिसका लाभ एनडीए को मिलेगा. मुख्यमंत्री साय ने उन सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया जो छत्तीसगढ़ से दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए गए थे. पश्चिम बंगाल के चुनावी माहौल पर चर्चा करते हुए सीएम साय ने कहा, वहां की जनता वर्तमान ममता बनर्जी सरकार और टीएमसी के कामकाज से असंतुष्ट है. बंगाल में इस बार परिवर्तन की लहर चल रही है और जनता का जनसैलाब भाजपा के पक्ष में उमड़ रहा है.

रेरा हम्मिंग कोट्री आवासीय प्रोजेक्ट पर लगाया 1 लाख का जुर्माना

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर के कचना स्थित हम्मिंग कोट्री आवासीय प्रोजेक्ट के निवासियों के लिए न्याय की एक उम्मीद जगी है। छत्तीसगढ़ भू संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने प्रोजेक्ट में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध न कराने और नियमों के उल्लंघन पर कड़ा रुख अपनाया है। रेरा ने एक लाख रुपए का जुर्माना लगाते हुए बिल्डर को हिदायत दी है कि वह 60 दिनों के अंदर जरूरी सुविधाओं को पूरा करें।

हम्मिंग कोट्री आवासीय प्रोजेक्ट के निवासी अजय अग्रवाल और अतुल अग्रवाल ने रेरा में अपील दायर की थी। शिकायत में उन्होंने कहा था कि तय समय में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई। बैडमिंटन कोर्ट, लॉन, क्लब हाउस और सीवरेज सिस्टम में ऋष्ट चैंबर जैसी सुविधाएं अधूरी है।

इतना ही नहीं स्विमिंग पूल में इनलेट-आउटलेट की व्यवस्था नहीं है। क्लब हाउस में सोलर लगाने का वादा पूरा नहीं किया गया, भवन की दीवारों में सीलन आ रही है। साथ ही STP के कंट्रोल पैनल को दुरुस्त नहीं किया गया और गार्डन का फव्वारा भी बंद है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए रेरा अध्यक्ष संजय शुक्ला ने इसकी सुनवाई की और रहवासियों के पक्ष में अपना फैसला सुनाया। रेरा ने नियमों के उल्लंघन पर प्रोजेक्ट पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है और प्राधिकृत सुमित डडसेना को आदेश दिया कि 60 दिनों के अंदर प्रोजेक्ट की कमियों को दूर करें। इसी के साथ ही स्पष्ट किया कि अगर समय रहते सभी सुविधाओं को पूरा नहीं किया गया, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टॉप परफॉर्मर को मिली वर्ल्ड कप की जर्सी, खुशी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

टाइगर कैपिटल के सहयोग से इंडिया खेलो फुटबॉल (आईकेएफ) के सीज़न-6 का ट्रायल दूसरे दिन भी जारी रहा। रविवार की सुबह सेक्टर-2 के फुटबॉल ग्राउंड में आयुवर्ग (16-17) के 100 से ज्यादा खिलाड़ी उमड़े। इन खिलाड़ियों ने निर्णायकों के सामने अपने फुटबॉल खेल का हुनर दिखाया।

स्थानीय स्तर पर इस आयोजन में भागीदार लेमन ब्रेक अकादमी के प्रतिनिधि, स्पोर्टस एजुकेटर और भिलाई के पहले एएफसी के ए लाइसेंस्ड कोच राजशेखर मुराहरि ने बताया कि रविवार को विशेष आकर्षण वर्ल्ड कप फुटबॉल की जर्सी रही। ट्रायल से पहले ही ऐलान कर दिया गया था कि सभी टॉप परफार्मर को यह विशेष जर्सी दी जाएगी।

ट्रायल के बाद जर्सी पाकर फुटबॉलर उत्साह से झूम उठे। रविवार की शाम यहां अंडर-15 आयु वर्ग के फुटबॉलरों का ट्रायल हुआ।

राजशेखर ने बताया कि सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन का विश्लेषण वीडियो रिकार्डिंग के आधार पर किया जाएगा। चुने गए खिलाड़ियों को रीजनल क्वालिफायर के लिए भेजा जाएगा। इसके लिए सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों के प्रदर्शन के वीडियो का गहनता से विश्लेषण किया जाएगा। उसके बाद सूची जारी होगी।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के सख्त पालन के निर्देश

कलेक्टर ने ली नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगरीय निकायों के आयुक्त/मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि 1 अप्रैल से लागू नए नियमों के तहत अब कचरे को केवल गीला और सूखा नहीं, बल्कि चार श्रेणियों में बांटना अनिवार्य होगा- गीला कचरा (रसोई और बगीचे का अपशिष्ट) सूखा कचरा (प्लास्टिक, कागज, कांच, धातु) सेनेटरी वेस्ट (डायपर, सेनेटरी नैपकिन) आदि जिन्हें अलग से लपेट कर देना होगा। स्पेशल केयर वेस्ट (दवाइयां, पेंट के डिब्बे, बल्ब, बैटरी)।

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर कचरा संग्रहण करने वाली गाड़ियों में इन चारों श्रेणियों के लिए पृथक बॉक्स सुनिश्चित करें। नए नियमों के अनुसार कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया (संग्रहण से लेकर निपटान तक) को एक केंद्रीय ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ट्रैक किया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। होटल, मैरिज गार्डन, बड़ी आवासीय सोसायटियों, अपार्टमेंट, कॉलेज छात्रावास परिसर, सामुदायिक भवन आदि जो प्रति दिवस 100 किलोग्राम या उससे अधिक गीला कचरा उत्पन्न करते हैं, उन्हें अपने गीले कचरे का निपटान स्वयं के परिसर के भीतर ही बायो डाइजेस्टर मशीन अथवा पिट कम्पोस्टिंग के माध्यम से करना होगा।

साथ ही समस्त बल्क वेस्ट जेनरेटरों को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन करना भी अनिवार्य होगा। बल्क वेस्ट जेनरेटरों को निकाय से विस्तारित बल्क वेस्ट जेनरेटर जिम्मेदारी प्रमाण पत्र प्राप्त करना भी अनिवार्य होगा। नियमों का पालन नहीं करने पर संबंधित प्रतिष्ठान को नियमानुसार जुर्माना देना होगा। इस संबंध में पर्यावरण संरक्षण मंडल तथा समस्त नगरीय निकायों के अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया की समस्त आवासीय सोसायटी एवं बड़े परिसरों जो बलक वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में आएंगे उनको गीले कचरे के कंपोस्टिंग के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन तथा सहायता भी प्रदान की जाए ताकि वह निर्धारित समय सीमा में अपने परिसर के अंदर ही कंपोस्टिंग हेतु मशीन अथवा पीट की स्थापना कर सकें। नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर नियमानुसार जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करेगा के सिद्धांत पर सख्ती से अमल किया जाएगा। कलेक्टर ने पुराने डंपिंग साइट्स पोटियाकला तथा जामुल के बायो-माइनिंग और बायो-रेमेडिएशन के कार्य को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट एवं प्लास्टिक वेस्ट के निष्पादन हेतु निकायों के समीपस्थ केंद्रीय पर्यावरण संरक्षण बोर्ड द्वारा निर्धारित अनुमोदित रिसाइकलरों से संपर्क कर अनुबंध स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बैठक में नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम भिलाई स्वच्छता प्रभारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के सीएमओ, स्वच्छता निरीक्षक, पर्यावरण मंडल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने की सुशासन तिहार की तैयारियों पर चर्चा

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुशासन तिहार के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में बालोद, बस्तर एवं मोहला-मानपुर जिलों के प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए। समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मनरेगा भुगतान, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड वितरण, राजस्व प्रकरण, शिक्षा, जाति प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। प्रभारी मंत्री ने इन प्रयासों की सराहना की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि शिविरों में पुलिस विभाग द्वारा स्टॉल लगाया जाएगा, जहां नशा मुक्ति, यातायात नियम, साइबर फ्रॉड (टोल फ्री नंबर 1092) सहित अन्य जागरूकता संबंधी जानकारी दी जाएगी।

प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि सुशासन तिहार में विशेष रूप से राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए और कोई भी मामला समय-सीमा से बाहर न रहे। उन्होंने नक्शा-खसरा नि:शुल्क उपलब्ध कराने, बंटवारा, सीमांकन और नामांतरण जैसे मामलों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिविरों की जानकारी जनप्रतिनिधियों, पंचायत एवं समाज प्रमुखों तक समय पर पहुंचाई जाए। साथ ही मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को ध्यान में रखते हुए सभी लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में 'सेवा सेतु' पोर्टल के प्रचार-प्रसार के लिए शिविरों में स्टॉल लगाने और डेमो देने की व्यवस्था करने को कहा गया, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। श्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में किसी भी प्रकार का लेन-देन बर्दाश्त नहीं में योजना की सख्त मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। इसके अलावा खाद वितरण, विद्युत आपूर्ति और पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त रखने, खराब बोर सुधारने, पाइपलाइन बिछाने और जरूरत पड़ने पर पानी टैंकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। शिविर स्थलों पर पेयजल, कूलर और छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया। उन्होंने पुलिस विभाग को स्कूल-कॉलेजों में जाकर जागरूकता कार्यक्रम चलाने तथा साइबर अपराध, नशा और यातायात नियमों पर लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। सुशासन तिहार के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने और ग्राम पंचायतों में कोटवार के माध्यम से मुनादी कराने के निर्देश दिए गए। ताकि अधिक से अधिक लोग इस आयोजन का लाभ उठा सकें। प्रभारी मंत्री ने सभी अधिकारियों को मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर सुशासन तिहार को सफल बनाने के लिए कार्य करने के निर्देश दिए। एनआईसी दुर्ग के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, एसडीएम उत्तम ध्रुव, निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई-चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आईसीएआई का सेमीनार

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की भिलाई शाखा (सीआईआरसी) द्वारा शनिवार को एक सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। यह सेमिनार शाम 5 बजे तक सम्पन्न हुआ। सीए विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी इस सेमिनार में बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष सुखदेव राठी द्वारा स्वागत भाषण के साथ किया गया तथा सेशन चेयरमैन एन.के. टौंक द्वारा कार्यक्रम को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। अविनाश गुप्ता ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने बदलते प्रोफेशनल वातावरण में उपलब्ध नए अवसरों एवं प्रैक्टिस को विकसित करने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला।

संजीव अग्रवाल द्वारा विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई, जो उपस्थित सदस्यों के लिए अत्यंत उपयोगी रही। अंत में शाखा कोषाध्यक्ष प्रभजीत सिंह जग्गी एवं सचिव प्रतीक अग्रवाल द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर भिलाई शाखा की मैनेजिंग कमेटी के सदस्य दिलीप कुमार जैन, सीआईसीएएसए चेयरमैन तलविंदर सिंह सैनी, पूर्व कमेटी सदस्यगण एवं अनेक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन शाखा की टीम एवं प्रोफेशनल डेवलपमेंट कमेटी के सहयोग से किया गया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी शंकर सचदेव ने दी।

मोहन नगर क्षेत्र में बीट बनाकर पुलिस ने सुविधा बढ़ाई

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

मोहन नगर थाना अंतर्गत पूरे क्षेत्र को चार बीट में बांटकर पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती की गई है। मोहन नगर थाना प्रभारी केशव कोसले ने बताया कि इसको लेकर चौक चौराहों एवं वार्डों के भीतर फ्लेक्स लगाकर पुलिस द्वारा जानकारी दी जा रही है। हालांकि यह व्यवस्था पूर्व से बनाई जा चुकी है परंतु आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जगह-जगह फ्लेक्स लगाकर व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। मोहन नगर थाना क्षेत्र के शंकर नगर-संतरा बाड़ी, उरला-सिकोला बस्ती, दीपक नगर-मालवीय नगर, तितुरडीह-कातुलबोर्ड को चार अलग-अलग बीट में बांट दिया गया है। बीट नंबर 2 में उपनिरीक्षक निर्मल यादव प्रधान आरक्षक दिनेश सोनी, आरक्षक अमित वर्मा एवं हिमांशु जंघेल की ड्यूटी लगाई गई है। बीट नंबर तीन में उपनिरीक्षक राजेश पांडे, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार भीमटे, आरक्षक जितेश यादव एवं राज किशोर तिवारी की कर्मचारियों के मोबाइल नंबर भी दिए गए हैं। कभी भी किसी तरह की कोई घटना दुर्घटना हो, किसी को कहीं कोई समस्या आती हो तो आम नागरिक तुरंत पुलिस को संपर्क कर उनसे सहायता प्राप्त कर सकता है।

जमीन बंटवारे पर मां से मारपीट, बेटे पर जुर्म दर्ज

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

पीड़िता के छोटे बेटे ने गांव की जमीन के बंटवारे को लेकर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ मुक्के से मारपीट की। इससे प्रार्थना को चोटें आई। प्रार्थिया की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ अपराध दर्ज का जांच में लिया है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थिया रुक्मणी अग्रवाल गया नगर मुक्तिधाम शेषनाग मंदिर के पास रहती है और वह रोजी मजदूरी का काम करती है। उसके दो लड़के व एक लड़की है। बड़ा लड़का अलग रहता है। लड़की की शादी हो गई है।

छोटा लड़का भूपेंद्र अग्रवाल की भी शादी हो गई है जिसकी पत्नी विवाद करके कई सालों से मायके में अपने बच्चों के साथ रहती है। भूपेंद्र प्रार्थिया के साथ रहता है जो नशेड़ी प्रवृत्ति का है। आरोपी भूपेंद्र ने रुक्मणी से 100 रुपए मांगा।

इसके बाद वह बाहर से नशा करके घर आया और बोला कि गांव से बटवारा लेकर आ। इस पर पीड़िता ने बोली कि गांव में बंटवारा हो चुका है, बंटवारा नहीं मिलेगा तो आरोपी ने गाली गलौज करते हुए रुक्मणी के साथ मारपीट की।

खिड़की के कांच को तोड़कर पीड़िता के हाथ पर मार दिया। इस मारपीट में पीड़िता को चोटे आई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आंधी-तूफान: बिजली खंभे-पेड़ गिरे, बिजली-पानी संकट गहराया

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

नगर में देर रात अचानक आए तेज आंधी-तूफान ने पूरे नगर का नजारा बदल दिया। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर बिजली के खंभे टूट गए, अनेक जगहों पर पेड़ गिर पड़े, वहीं कई इलाकों में बिजली तार क्षतिग्रस्त हो गए। मौसम की इस मार से शहर के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को पानी की भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग की टीम रातभर सुधार कार्य में जुटी रही और अब भी कई क्षेत्रों में मरम्मत कार्य जारी है। विभागीय जानकारी के अनुसार दोपहर तक अधिकांश नगर क्षेत्रों में बिजली बहाल होने की संभावना है, लेकिन सुबह के समय पानी की समस्या से नागरिकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। डोंगरीगुड़ा क्षेत्र में कैलाश पोयाम के घर के पास दो बिजली पोल और तार क्षतिग्रस्त होने से डोंगरीगुड़ा व जामकोटपारा प्रभावित हैं। मरारपारा स्थित एचडीएफसी बैंक के पास तार टूटने से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मरारपारा, रोजगारीपारा, कुम्हारपारा और जोदारापदर क्षेत्रों में बिजली बाधित रही। वहीं प्रेम नगर और नहरपारा मेन 11 केवी लाइन में भी तार टूटने और गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ठेका पद्धति के कारण मरम्मत कार्य की गति धीमी है, जिससे परेशानी और बढ़ गई है। फिलहाल नागरिकों को बिजली और पानी दोनों समस्याओं से राहत मिलने का इंतजार है।

आदर्श उमावि फरसगांव में कॉमर्स के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन, सम्मानित

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

फरसगांव स्थित शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित होने के साथ ही विद्यालय में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कक्षा 12वीं के छात्र वाणिज्य (कॉमर्स) संकाय से हैं और उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है।

कक्षा 12वीं में रोहन सिंह ने 91 फीसदी अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया, साथ ही जिले में टॉप टेन में जगह बनाई। वहीं योगेश गावड़े 86.6 फीसदी अंकों के साथ द्वितीय और आकाश सिंह नेताम 84.2 फीसदी अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 10वीं में भी छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अच्छे अंक अर्जित किए हैं। विद्यालय की प्राचार्य आर. डी. जैकब एवं समस्त विद्यालय स्टाफ की ओर से सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई है।

मौसम का बदला मिजाज, बारिश से मिली राहत

बचेली, प्रतिदिन राजधानी

रविवार की शाम बचेली में मौसम ने अचानक करवट ली और तेज हवा के साथ हुई बारिश ने पूरे इलाके को ठंडक से भर दिया। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोग इस बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। जैसे ही शाम के समय आसमान में बादल छाए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हुई, वैसे ही लोगों के चेहरों पर राहत साफ नजर आने लगी।

बारिश की शुरुआत के साथ ही तापमान में गिरावट दर्ज की गई और गर्मी से झुलस रहे बचेली के लोगों को बड़ी राहत मिली। सड़कों पर पानी की बूंदें गिरते ही माहौल सुहावना हो गया और लोग घरों से बाहर निकलकर इस मौसम का आनंद लेते दिखे।

गौरतलब है कि मौसम विभाग ने पहले ही छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर संभाग और दंतेवाड़ा जिले के लिए आंधी-तूफान और हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी जारी की थी। विभाग के अनुसार, इस दौरान तेज हवाएं चलने और कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई थी, जो रविवार को सच साबित हुई। , विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की भी सलाह दी है, खासकर तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए।

कुल मिलाकर, रविवार की यह बारिश बचेली के लोगों के लिए किसी राहत की सौगात से कम नहीं रही। गर्मी से बेहाल जनता के लिए यह ठंडी फुहारें सुकून और राहत लेकर आईं।

केंद्रीय सचिव ने भूसारास में नल-जल योजना का लिया जायजा

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

दंतेवाड़ा के ग्राम भूसारास में जल जीवन मिशन अंतर्गत विशेष उपलब्धि हासिल की गई। इस गांव में जल जीवन मिशन से हर घर में पेयजल पहुँच रहा है।

इसी क्रम में केंद्र सरकार के अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के मिशन संचालक कमल किशोर सोन ने भूसारास का दौरा रविवार को किया। श्री सोन नें भूसारास में नल-जल योजना का गहन अवलोकन किया। इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान उनके साथ राज्य शासन के अतिरिक्त मिशन संचालक ओंकेश चन्द्रवंशी भी मौजूद थे। जहाँ उन्होंने ग्राम स्तर पर बुनियादी ढांचे और सेवा वितरण की जमीनी हकीकत को परखा।

इस गांव में जल जीवन मिशन अंतर्गत लगभग 2 करोड़ 82 लाख रुपए की लागत से तैयार इस जल प्रदाय योजना का अवलोकन करते हुए अतिरिक्त सचिव श्री सोन घर-घर पहुंचे। उन्होंनें जल आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने वहाँ मौजूद ग्रामीणों और जल वाहिनियों से सीधा संवाद किया और योजना के संचालन तथा पानी की गुणवत्ता को लेकर उनके अनुभव जाने। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की उपस्थिति में जल की गुणवत्ता का वैज्ञानिक परीक्षण भी कराया गया, जिसके सकारात्मक परिणामों ने योजना की सफलता पर मुहर लगा दी।

सरपंच को अभिनंदन पत्र

कार्यक्रम के एक महत्वपूर्ण पड़ाव में श्री सोन ने 'जल अर्पण' कर इस पूरी योजना के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से ग्राम पंचायत को सौंप दी। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम पंचायत के सरपंच श्री राजेन्द्र मंडावी को अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया, जो सामुदायिक सहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बना। ग्रामीणों ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए शासन के प्रति आभार जताया। सरपंच श्री मंडावी ने इस दौरान कहा कि इस योजना ने पूरे गांव को स्वच्छ पेयजल की समस्या से मुक्ति दिला दी है।

अपने संबोधन में श्री सोन ने ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि योजना का भविष्य में भी बेहतर रखरखाव किया जाए। जिससे हर घर तक शुद्ध जल की सतत उपलब्धता बनी रहे।

शादी भोज के बाद बिगड़ी तबीयत, 46 बीमार

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

जिला मुख्यालय से लगे डोंगरीगुड़ा के राऊतपारा में शादी समारोह के अंतिम दिन आयोजित भोज के बाद बड़ी संख्या में लोगों की तबीयत बिगड़ गई। परिवार और पारा-पड़ोस के लोग भोज में शामिल हुए थे, जिसके अगले दिन एक मई की कई लोगों में उल्टी-दस्त की शिकायत सामने आई।

सूचना मिलते ही 2 मई को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके चतुर्वेदी के निर्देश पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेंद्र बघेल ने तत्काल चिकित्सा दल को मौके पर भेजा। सेक्टर पर्यवेक्षक हरीश जायसवाल एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर 46 मरीजों का उपचार किया, जबकि 2 गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल कोण्डागांव रेफर किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि, 29 अप्रैल को राउतपारा में विवाह संपन्न हुआ। जिसके बाद 30 अप्रैल को परिवार एवं पारा-पड़ोस के लोगों के लिए भोज का आयोजन किया गया। भोज में शामिल लोगों का 1 मई की शाम तक स्वास्थ्य बिगड़ने लगा, जिस पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

विभाग के अनुसार, भोज में शामिल लोगों ने मुर्गा, पनीर, दाल चावल खाया था, इसी में से किसी भोजन में संक्रमण के कारण फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वयं गांव पहुंचे, प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया तथा कॉम्बेट टीम को तीन दिन तक विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों को घर-घर जाकर सर्वे एवं निगरानी करने के आदेश जारी किए गए हैं।

फिलहाल सभी का स्वास्थ्य ठीक है, और सभी को घर भेज दिया गया हैं।

जिला स्तर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर शुरू

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ योग सत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दीपेश अरोरा, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, एसडीएम अजय उरांव एवं अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

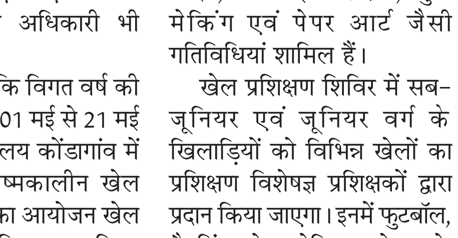

उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 01 मई से 21 मई तक जिला मुख्यालय कोंडागांव में 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जिला शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। शिविर के दौरान खेल प्रशिक्षण के साथ-साथ बौद्धिक एवं ललित कला से संबंधित गतिविधियों का भी नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें हस्तशिल्प, पेंटिंग, लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण, पॉटरी, योग, वैदिक गणित, नृत्य-संगीत, वादन, बोनसाई प्रशिक्षण, बुके मेकिंग एवं पेपर आर्ट जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

खेल प्रशिक्षण शिविर में सब-जूनियर एवं जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाएगा। इनमें फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, जूडो, कराते, आर्चरी, स्वीमिंग, कैरम एवं शतरंज शामिल हैं।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, मंगलवार, 05 मई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

रबाडा ने गुलाटी मारकर सेलिब्रेट किया शेडगे का विकेट

सिराज ने पहले ओवर में लगातार बॉल पर विकेट झटके

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के 46वें मैच में पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया। मैच के पहले ही ओवर में सिराज ने लगातार दो गेंद पर 2 विकेट झटके। पंजाब के बल्लेबाज सूर्यांश शेडगे ने आईपीएल में अपनी पहली फिफ्टी लगाई। उनका विकेट लेने के बाद गेंदबाज कगिसो रबाडा ने गुलाटी मारकर जश्न मनाया। गुजरात के गेंदबाज मानव सुथर के एक ओवर में 27 रन बने।

आईपीएल 2026 में सिराज ने तीसरी बार पहली ओवर में विकेट लिया

पंजाब के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पहले ही ओवर में दो विकेट लिए। उन्होंने प्रियांश आर्या और जेवियर बार्टलेट को लगातार गेंद पर आउट किया। आईपीएल 2026 में यह तीसरी बार है कि उन्होंने पहले ओवर में विकेट चटकाया। इस लिस्ट में जोफ्रा आर्चर पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने इस सीजन 5 बार ऐसा कारनामा किया है।

इस सीजन गुजरात ने पावरप्ले में 18 विकेट झटके

पंजाब के खिलाफ गुजरात के गेंदबाजों ने पावरप्ले में 3 विकेट झटके। आईपीएल 2026 में अब तक गुजरात के गेंदबाजों ने कुल 18 विकेट चटकाए हैं। टीम इस मामले में तीसरे नंबर पर है। पहले नंबर राजस्थान रॉयल्स है, जिन्होंने 21 विकेट लिए हैं, जबकि 19 विकेट के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम दूसरे नंबर पर है।

सुदर्शन 24 की उम्र तक सबसे ज्यादा 50+ स्कोर वाले तीसरे बल्लेबाज

24 वर्षीय साई सुदर्शन ने पंजाब के खिलाफ 57 रन की पारी खेली। उन्होंने अब तक आईपीएल में 18 फिफ्टी लगाई है। वह 24 साल की उम्र तक सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में शुभमन गिल टॉप पर हैं, जिन्होंने 24 फिफ्टी लगाई थी। 20 फिफ्टी के साथ यशस्वी जायसवाल दूसरे नंबर पर हैं।

कैच का मौका छूटा, फिर अगली दो बॉल पर सिराज को विकेट

मैच का पहला ओवर किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं था। पंजाब किंग्स की पारी में मोहम्मद सिराज ने पहला ओवर डाला। पहली गेंद गेंद पर प्रियांश ने पुल शॉट लगाया, लेकिन गेंद टॉप-एज लेकर फाइन लेग की ओर गई। विकेटकीपर जोस बटलर ने पीछे दौड़ते हुए कैच के लिए छलांग लगाई, लेकिन गेंद उनसे थोड़ी दूर रह गई। इसकी अगली ही गेंद पर प्रियांश का कट शॉट, डीप बैकवर्ड पॉइंट पर खड़े निशान्त सिंधु की ओर गई, जिन्होंने शानदार लो कैच पकड़ा। इसकी अगली ही गेंद पर कूपर कॉनोली भी शून्य पर कैच आउट हो गए।

रबाडा ने विकेट मेडन ओवर डाला

पंजाब किंग्स की पारी में पावरप्ले के आखिरी ओवर में कगिसो रबाडा ने विकेट मेडन ओवर डाला। पहली बॉल डॉट रही। रबाडा ने दूसरी गेंद 152 किमी/घंटा की स्पीड से डाली। बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने कवर के ऊपर से मारने की कोशिश की, लेकिन वह ठीक से टाइम नहीं कर पाए और गेंद सीधे फील्डर मानव सुथर के हाथों में चली गई। इसके बाद बैटिंग करने आए नेहल वढेरा अगली 4 गेंद पर कोई रन नहीं बना सके।

मानव सुथर ने एक ओवर में 27 रन दिए : पंजाब के बल्लेबाज सूर्यांश शेडगे ने पारी 14वें ओवर में मानव सुथर की गेंद पर खूब रन बटोरे। गुजरात के लेफ्ट आर्म स्पिनर की पहली गेंद पर स्टोइनिस ने सिंगल लिया। इसके बाद शेडगे ने पांचों गेंद को बाउंड्री के बाहर पहुंचाया। उन्होंने दूसरी और तीसरी गेंद पर लगातार दो छक्के जड़े। इसके बाद लगातार दो चौके लगाए और आखिरी गेंद को डीप मिड-विकेट के ऊपर से छह रन के लिए भेज दिया। सुथर के इस ओवर में 27 रन बने।

सूर्यांश शेडगे ने आईपीएल में अपनी पहली फिफ्टी लगाई

पंजाब के सूर्यांश शेडगे ने गुजरात के खिलाफ आईपीएल की अपनी फिफ्टी लगाई। पारी के 15वें ओवर में राशिद खान की आखिरी गेंद को सूर्यांश ने मिड-विकेट की ओर खेला और अपने 50 रन पूरे किए। उन्होंने महज 24 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की।

रबाडा का गुलाटी मारकर सेलिब्रेशन

पंजाब की बल्लेबाजी के 16वें ओवर में कगिसो रबाडा ने अजब-गजब सेलिब्रेशन किया। रबाडा ने ओवर की आखिरी गेंद पर सूर्यांश शेडगे को विकेटकीपर जोस बटलर के हाथों कैच आउट कराया। विकेट लेने के बाद रबाडा ने मैदान पर 'गुलाटी' मारकर खास जश्न मनाया।

जेसन होल्डर ने 2 गेंद पर 2 विकेट लिए

पहली पारी के 18वें ओवर मे जेसन होल्डर ने लगातार गेंद पर दो विकेट लिए। ओवर की चौथी गेंद पर उन्होंने मार्कस स्टोइनिस को वाशिंगटन सुंदर के हाथों कैच आउट कराया। इसकी अगली ही गेंद पर होल्डर ने जेवियर बार्टलेट को शानदार इन-स्विंगर पर क्लीन बोल्ड कर दिया। गेंद ने बार्टलेट के बैट को चकमा देते हुए ऑफ-स्टंप ले उड़ी।

मानव सुथर ने यान्सन का कैच छोड़ा : 19वें ओवर में अरशद खान की गेंद पर मार्को यान्सन को जीवनदान मिला। ओवर की दूसरी गेंद पर यान्सन ने 'नो-लुक' शॉट खेलने की कोशिशि की, लेकिन गेंद ज्यादा दूर नहीं गई। डीप स्क्वायर लेग से दौड़कर आए मानव सुथर गेंद के नीचे तो पहुंच गए, लेकिन गेंद उनके हाथों से छिटक गई। कैच का मौका गंवाने पर गेंदबाज अरशद ने अपना माथा पकड़ लिया।

गुजरात की पारी में 27 गेंद तक बाउंड्री नहीं लगी : पंजाब किंग्स की पारी में मिडिल ओवर्स में 27 गेंद तक एक भी बाउंड्री नहीं आई थी। 11वें ओवर में गुजरात के बल्लेबाज निशांत सिंधु ने इस सूखे को खत्म किया। ओवर की तीसरी गेंद विजयकुमार वैशाख ने शॉर्ट लेंथ डाली। निशांत ने बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का लगा दिया। इसके पहले 6वें ओवर की 5वीं गेंद पर आखिरी बाउंड्री लगी थी, जब साई सुदर्शन ने मार्को यान्सन की गेंद पर छक्का लगाया था।

कूपर कॉनोली ने शानदार डाइविंग कैच पकड़ा

रनचेज के 19वें ओवर में पंजाब के फील्डर कूपर कॉनोली ने शानदार डाइविंग कैच पकड़ा। ओवर की 5वीं गेंद अर्शदीप सिंह ने गुड लेंथ गेंद डाली। गुजरात के बल्लेबाज जेसन होल्डर ने काउ कॉर्नर की तरफ शॉट खेला, लेकिन डीप मिड-विकेट से दौड़ते हुए कूपर कॉनोली ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ लिया।

सुंदर के छक्के से जीता गुजरात

मैच के आखिरी पलों में गुजरात को जीत के लिए 2 गेंद पर 3 रन बनाने थे। स्ट्राइक पर 34 रन बनाकर खेल रहे वॉशिंगटन सुंदर थे। मार्कस स्टोइनिस ने 5वीं गेंद यॉर्कर डालने की कोशिश की, लेकिन चूक गए। सुंदर ने उसे फुल टॉस बनाते हुए स्कूप शॉट खेला और डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर छक्का जड़ दिया। इसके साथ ही गुजरात ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

समरेश जंग : भारतीय शूटिंग के 'गोल्डफिंगर' जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जमाई धाक

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज निशानेबाज समरेश जंग को शूटिंग जगत में 'गोल्डफिंगर' के नाम से भी जाना जाता है, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2006 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। साल 2002 में 'अर्जुन अवॉर्ड' से सम्मानित इस शूटर ने भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर कई यादगार सफलताएं दिलाने के बाद कोचिंग में भी योगदान दिया। 5 मई 1970 को हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में जन्मे समरेश जंग के दादा शेर जंग स्वतत्रंता सेनानी और एक बेहतरीन निशानेबाज थे। समरेश के पिता भी सेना में कर्नल रहे। दादा और पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए समरेश ने भी देश सेवा को चुना और सीआईएसएफ ज्वाइन की। साल 1997 में सैफ गेम्स में समरेश जंग ने 2 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल जीतकर अपनी छाप छोड़ी। मैनचेस्टर में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स 2002 में समरेश ने 2 गोल्ड और 3 सिल्वर अपने नाम किए थे। उसी साल उन्हें 'अर्जुन पुरस्कार' से नवाजा गया। 4 साल बाद उन्होंने मेलबर्न में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स 2006 में 5 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल पर निशाना साधा। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'बेस्ट एथलीट' भी चुना गया। समरेश यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय थे। 2004 के सैफ गेम्स में

समरेश ने 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता था। साल 2005 में राष्ट्रमंडल शूटिंग चैंपियनशिप में 2 गोल्ड मेडल, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज अपने नाम किया। समरेश ने बीजिंग आयोजित ओलंपिक गेम्स 2008 में 10 मीटर एयर पिस्टल और 50 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में हिस्सा लिया, लेकिन दोनों ही स्पर्धाओं के फाइनल तक पहुंचने में असफल रहे। उन्हें दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 के उद्घाटन समारोह के दौरान स्टेडियम में 'क्वीन्स बैटन' लेकर दौड़ने का सम्मान प्राप्त हुआ। दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था।

लखनऊ ने मुंबई को 229 रन का टारगेट दिया

पूरन ने फिफ्टी लगाई, मार्श ने 44 रन बनाए, बॉश को 2 विकेट

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल में सोमवार को मुंबई इंडियंस को 229 रन का टारगेट दिया है। वानखेड़े में मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है। लखनऊ ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए। निकोलस पूरन ने एक चौके और 8 छक्के के सहारे 63 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने ओपनर मिचेल मार्श के साथ 35 बॉल पर 94 रन की साझेदारी की। मार्श 44 रन बनाकर आउट हुए।

ऐडन मार्करम ने नाबाद 31 और हिम्मत सिंह ने नाबाद 40 रन बनाए। कॉर्बिन बॉश को 2 विकेट मिले। अल्लाह गजनफर, विल जैक्स और रघु शर्मा को एक-एक विकेट मिला। दोनों टीमें इस सीजन में पहली बार आमने-सामने हैं। अगर मुंबई की टीम आज अपने घर में हार जाती है, तो प्लेऑफ की रेस बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जायंट्स के पास प्लेऑफ की रेस में बने रहने का

आखिरी मौका है। दोनों ही टीमों के पास एक समान 8-8 अंक हैं। लखनऊ की पारी के 20वें ओवर से महज 6 रन आए। दीपक चाहर के इस ओवर में कोई बाउंड्री नहीं आई। इस तरह लखनऊ ने मुंबई को 229 रन का टारगेट दिया। सुपर जायंट्स के बैटर्स आखिरी 4 ओवर में 36 रन ही बना सके। 18वें ओवर में ऐडन मार्करम और हिम्मत सिंह ने छठे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप की। दीपक चाहर ने ओवर की दूसरी बॉल वाइड फेंक दी। इसी से आए एक रन के सहारे साझेदारी का 50वां रन बना। लखनऊ ने 200 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया है। रघु शर्मा की चौथी बॉल पर हिम्मत सिंह ने छक्का लगाया। इसी छक्के के सहारे टीम ने 200 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया। 14वें ओवर में ऐडन मार्करम को जीवनदान मिला। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने कैच कराया। बैक ऑफ लेंथ गेंद तेजी से बाहर निकली और नीची रही, मार्करम के बैट का किनारा लेकर कैच हो गया। लेकिन, तुरंत पता चला कि यह नो-बॉल थी, जिससे बल्लेबाज को जीवनदान मिल गया। अगली बॉल भी नो करार दी गई। बुमराह के इस ओवर से 7 रन आए। 13वें ओवर की पहली बॉल पर अक्षत रघुवंशी (11 रन) को रघु शर्मा ने अपनी ही बॉल पर कैच किया। रघुवंशी ने अपनी पहली बॉल पर छक्का लगाया था। 11वें ओवर में कप्तान ऋषभ पंत 15 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें विल जैक्स ने विकेटकीपर रायन रिकेल्टन के हाथों कैच कराया। इसी ओवर में अक्षत रघुवंशी ने अपनी बॉल पर छक्का लगाया। इसी के साथ टीम का स्कोर 150 पार हो गया।

गुजरात से मिली हार के बावजूद पॉजिटिव नजर आए सूर्यांश शेडगे, बोले- 'इस मैच से बहुत कुछ सीखने को मिला

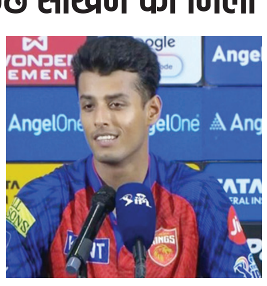

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 गुजरात टाइटंस के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार के बावजूद पंजाब किंग्स के खिलाड़ी सूर्यांश शेडगे टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गुजरात ने 163 रन के लक्ष्य को आखिरी गेंद से एक गेंद पहले हासिल कर लिया और चार विकेट से जीत दर्ज की। हार के बावजूद पंजाब किंग्स 9 मैचों में 13 अंकों के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। मुश्किल पिच पर बल्लेबाजी करते हुए सूर्यांश शेडगे ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 29 गेंदों में 57 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनका स्ट्राइक रेट 196.55 रहा। उनकी इस पारी ने पंजाब को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद शेडगे ने कहा, 'मैं इंतजार नहीं कर रहा था, बल्कि खुद को तैयार कर रहा था। टीम से बाहर रहने के समय ने मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनने का मौका दिया। उन्होंने आगे बताया कि टीम प्रबंधन, खासकर रिकी पोंटिंग और श्रेयस अय्यर, लगातार उन्हें मौके के लिए तैयार रहने की सलाह देते रहे। शेडगे ने कहा, 'मेरा मकसद ज्यादा से ज्यादा समय क्रीज पर बिताना था। ऐसी पिच पर शुरुआत में सेट होना जरूरी होता है। इस विकेट पर 240-250 रन बनाना संभव नहीं था, क्योंकि पिच दो तरह की गति दिखा रही थी।' उन्होंने माना कि टीम 20-25 रन और जोड़ सकती थी, लेकिन 163 रन भी एक लड़ने लायक स्कोर था। पंजाब के गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट लिए और टीम को मैच में बनाए रखा। वहीं विजयकुमार वैशाख ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए जोस बटलर और साई सुदर्शन जैसे अहम विकेट लिए। उन्होंने 4 ओवर में 31 रन दिए। शेडगे ने वैशाख की तारीफ करते हुए कहा, 'पावरप्ले खत्म होने से पहले गेंदबाजी कोच ने उन्हें हार्ड लेंथ पर गेंदबाजी करने का संदेश दिया।

टी20 में सबसे धीमे शतक का रिकार्ड है स्टर्लिंग के नाम

मुम्बई। टी20 क्रिकेट में जहां बल्लेबाज तेजी से शतक पूरा करने के लिए जमकर चौक, छक्के लगाते हैं और लोगों को आतिशी खेल देखने को मिलता है। वहीं आयरलैंड के सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग इसके अपवाद है। स्टर्लिंग के नाम इस प्रारुप में सबसे धीमा शतक है। उन्होंने ये शतक साल 2021 में बनाया था जिसने प्रशंसकों को हैरानी में डाल दिया था हालांकि इसके बाद भी। उन्होंने जिम्बाब्वे के टी20 इतिहास का सबसे धीमा शतक लगाकर आयरलैंड को 40 रनों की जीत दिलाई थी। स्टर्लिंग ने अपने शतक तक पहुँचने के लिए 70 गेंदों को खेला था। उन्होंने कुल 75 गेंदों में 115 रनों की अहम पारी खेली, जिसमें 8 चौके और इतने ही शानदार छक्के शामिल थे। यह रिकॉर्ड आज भी बना हुआ है और शायद भविष्य में कोई बल्लेबाज इसे तोड़ना पसंद न करे, क्योंकि टी20 क्रिकेट हमेशा तेजी पर टिका है। स्टर्लिंग की इस पारी ने ये जरुर साबित किया है कि धीमी बल्लेबाजी से भी जीत संभव है। स्टर्लिंग की

इस धीमी पारी से आयरलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाये। स्टर्लिंग को एंडी बालबर्नी का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 24 गेंदों में 31 रन की पारी खेली। शेन गेटकेट ने 19 और केविन ओब्रायन ने 9 रन बनाये जिससे टीम एक मजबूत स्थिति में पहुँच सकी। वहीं जिम्बाब्वे की ओर से ल्यूक जोंगवे और रायन बर्ल ने एक-एक विकेट हासिल किया। इसके बाद 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। कोई भी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी बनाने में सफल नहीं हो सका। कप्तान क्रेग इर्विन ने सर्वाधिक 33 रन बनाए, जिसके लिए उन्होंने 18 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौके और 2 छक्के लगाए। रायन बर्ल ने भी 24 गेंदों में 26 रनों का योगदान दिया, लेकिन ये प्रयास टीम को जीत दिलाने के लिए अपर्याप्त साबित हुए।आयरलैंड की बेहतरीन गेंदबाजी के सामने जिम्बाब्वे की पूरी टीम 18.2 ओवर में मात्र 138 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। आयरलैंड की ओर से मार्क अडायर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए। उनके अलावा, जोश लिटिल, शेन गेटकेट और बेन व्हाइट ने भी 2-2 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस तरह, भले ही पॉल स्टर्लिंग ने टी20 इतिहास की सबसे धीमी शतक बनाकर एक अनूठा और विवादास्पद रिकॉर्ड बनाया दिया और वो ये कि धीनी पारी से भी जीत संभव है।

बाबर की पेशावार जल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को हराकर दूसरी बार पीएसएल खिताब जीता

लाहौर। बाबर आजम की टीम पेशावर जल्मी ने यहां गद्दाफी स्टेडियम में खेले पीएसएल के फाइनल मुकाबले में हैदराबाद किंग्समेन को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया है। जल्मी टीम ने इसी के साथ ही दूसरी बार पीएसएल जीता है। साल 2017 में टीम ने पहली बार ट्रॉफी जीत थी। बाबर पहले भी दो बार पीएसएल विजेता टीम में रहे हैं पर कप्तान के तौर पर ये उनकी पहली जीत रही है। बाबर की टीम ने फाइनल में आरोन हार्डी की किंग्समेन को हरा दिया। किंग्समेन की टीम 18 ओवर में 129 रन ही बना पायी। साइम अयूब ने 54 रन बनाये पर उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पेशासर की टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। उसने 40 रन पर 4 विकेट खो दिये। आजम पहली ही गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद मोहम्मद हारिस, कुसल मेंडिस और माइकल ब्रेसवेल के विकेट भी गिर गये। ऐसे में हार्डी ने तेजी से 39 गेंदों पर नाबाद 56 रन बनाए. उन्होंने अब्दुल समद 48 रन के साथ 85 रनों की साझेदारी कर टीम को 15.2 ओवर में ही जीत दिला दी। इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड सुफियान मुकीम (पेशावर ज़ल्मी) को मिला। सुफियान ने 22 विकेट लिए। वहीं सबसे ज्यादा रन के लिए (ऑरेंज कैप) बाबर आज़म को मिली। बाबर ने सबसे अधिक 588 रन बनाये।

टेपे सिगेमन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट में अर्जुन एरिगैसी ने निल्स ग्रैंडेलियस को हराया

माल्मो। टेपे सिगेमन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने तीसरे दौर में स्वीडन के निल्स ग्रैंडेलियस को हराकर शानदार जीत दर्ज की और संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। पहले दो दौर भी हार चुके ग्रैंडेलियस ने काले मोहरों से सिसिलियन ड्रैगन ओपनिंग अपनाई। अर्जुन ने उसी रणनीति का इस्तेमाल किया, जिसने हाल ही में महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में आर. वैशाली को जीत दिलाई थी। अर्जुन ने कहा, 'मुझे वैशाली की वह जीत याद थी, जहां उन्होंने अपने राजा को सुरक्षित रखते हुए ऊंट को बी-3 खाने पर रखा था। मैंने भी वही रणनीति अपनाई और वहीं से खेल को आगे बढ़ाया।' तीन दौर के बाद अर्जुन एरिगैसी के साथ मैग्नस कार्लसन, नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, यागिज एरडोगमुस और एंडी वुडवर्ड भी दो-दो अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

बांग्लादेशी कप्तान निगार सुल्ताना को आईसीसी ने फटकारा

दुबई। बांग्लादेशी कप्तान निगार सुल्ताना को आईसीसी की आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन करने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई है। यह मामला सिलहट में शनिवार को बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच खेले गए तीसरे टी20 मैच से जुड़ा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बताया कि बांग्लादेश की कप्तान ने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो किसी इंटरनेशनल मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फिक्स्चर और फिटिंग का गलत इस्तेमाल करने से जुड़ा है। यह घटना बांग्लादेशी पारी के दौरान हुई, जब निगार आउट होने के बाद साफतौर पर निराश दिखीं। मैदान छोड़ने से पहले उन्होंने अपना बल्ला जमीन पर फेंक दिया था। औपचारिक फटकार के अलावा, निगार के अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ दिया गया है। पिछले 24 महीनों में यह निगार का पहला अपराध है। आईसीसी ने सोमवार को अपने बयान में कहा, 'निगार ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है, उन्होंने एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की सदस्य सुप्रिया रानी दास की ओर से सुझाए गए दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।' ये आरोप ऑन-फील्ड अंपायर एलोइस शेरिडन और साथीरा जाकिर जेसी, थर्ड अंपायर रोकेया सुल्ताना और फोर्थ अंपायर चंपा चकमा ने लगाए थे। लेवल 1 के उल्लंघन पर कम से कम आधिकारिक फटकार और ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना, साथ ही एक या 2 डिमेरिट प्वाइंट्स का दंड दिया जाता है। आईसीसी नियमों के अनुसार, डिमेरिट प्वाइंट खिलाड़ी के अनुशासन रिकॉर्ड में लागू होने की तारीख से 24 महीनों तक बने रहते हैं। अगर कोई खिलाड़ी इस अवधि के भीतर चार या उससे ज्यादा डिमेरिट प्वाइंट हासिल कर लेता है, तो उन्हें सस्पेंशन प्वाइंट में बदल दिया जाता है, जिससे उस पर प्रतिबंध लग जाता है।

8 मई 2026 से शुरू हो रही अमेजन ग्रेट समर सेल में एआई से चुने गए प्रोडक्ट्स पर बंपर ऑफर

प्राइम मेंबर्स के लिए सभी कैटेगरी में 3% तक का एक्स्ट्रा डिस्काउंट और 250 का कैशबैक

बेंगलुरु। अमेजॉन इंडिया ने घोषणा की कि ग्रेट समर सेल 2026 8 मई को रात 12 बजे से शुरू होगी। इस सेल में स्मार्टफोन, फैशन, ब्यूटी, घर, किचन, बड़े अप्लायंस, किराना औररोजमर्रा की जरूरी चीजों सहित एआई से चुने गए कई प्रोडक्ट्स मिलेंगे। ग्राहकों को सैमसंग, ऐप्पल, वनप्लस, डेल, हायर, नाइके, मोकोबारा, टोक्यो टॉकीज, सीओएसआरएक्स, लेगो, स्लीपवेल और पैंपर्सजैसे बड़े ब्रांड्स के नए प्रोडक्ट्स और शानदार डील्स देखने को मिलेंगी। प्राइम मेंबर्स के लिए खास ऑफर के साथ ज्यादा बचत । 2,500 की खरीदारी पर 250 का कैशबैकऔर 2 लाख से ज्यादा के प्रोडक्ट्स पर 3% एक्स्ट्रा छूट पाएं। हर खरीदारी पर ज्यादा बचत के लिएअभी प्राइम जॉइन करें।

किफायती शॉपिंग और पूरे देश में तेज डिलीवरी : ग्रेट समर सेल 2026 में सभी कैटेगरी में जबरदस्त डील्स के साथ कई किफायती विकल्प भी मिलेंगे।चुनिंदा क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर नो-कॉस्ट ईएमआई, इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट, एक्सचेंज ऑफर औरअमेजन पे के फायदे उपलब्ध होंगे। इससे समर की जरूरी चीजें और प्रीमियम प्रोडक्ट्स दोनों हीआसानी से खरीदे जा सकेंगे। 100% पिनकोड पर तेज और सुविधाजनक डिलीवरी के साथ पूरे

देश केग्राहक बिना किसी परेशानी के शॉपिंग का आनंद ले सकते हैं।

सीजन के बेस्ट एआई ऑफर आ रहे हैं जल्द : सैमसंग, ऐप्पल, वनप्लस, रेडमी, आईक्यूओओ, एलजी, गोदरेज, नाइकी, मोकोबारा, लेवीज, सीओएसआरएक्स, फार्मली, मैटल जैसे टॉप ब्रांड्स पर सीजन की जबरदस्त डील्स और अनलिमिटेडबचत। एआई-पावर्ड डिवाइस पर 70% तक की बचत, मोबाइल और एक्सेसरीज पर 40% तक की छूट केसाथ 66,000 तक का एक्सचेंज बेनिफिट। घर को स्मार्ट बनाएं - होम अप्लायंस पर 65% तक की छूट, 20,000 तक का एक्सचेंज डिस्काउंट और एलेक्सा व फायर टीवी स्टिक वाले ईको डिवाइस पर45% तक की छूट। इस समर ग्राहक डेली एसेंशियल्स, होम-किचन अप्लायंस, फैशन और ब्यूटी पर भीब्लॉकबस्टर डील्स पा सकते हैं। सर्व और द प्रीमियम एडिट के टॉप प्रोडक्ट्स सहित फैशन और ब्यूटीपर 50-80% तक, डेली एसेंशियल्स पर 60% तक और होम-किचन अप्लायंस पर 45% तक की छूट।साथ ही ग्राहक फूल, केक और फेस्टिव आइटम्स पर 70% तक की छूट और चुनिंदा पिनकोड में 3 घंटेमें डिलीवरी का आनंद ले सकते हैं। इस समर खिलौने और गेम्स पर 70% तक की छूट के साथ हर उम्रके लिए मजेदार प्रोडक्ट्स पाएं।

पर्सनल शॉपिंग के अनुभव के लिए एआई पावर्ड खोज : अमेजॉन इंडिया तेज खोज एवं सही फैसला लेने में मदद के लिए तैयार किए गए एआई पावर्ड टूल्स केजरिए समर शॉपिंग को आसान और तेज बना रहा है। रुफस से आप '5000 के अंदर समर वेकेशनआउटफिट सुझाओ' या 'एनर्जी एफिशिएंट एसी दिखाओ' जैसे सवाल पूछकर पर्सनल सुझाव पा सकतेहैं। वहीं 'लेंस एआई' से किसी भी प्रोडक्ट की फोटो खींचकर तुरंत वही प्रोडक्ट ऑनलाइन या ऑफलाइन ढूंढ सकते हैं। रुफस में 30 से 90 दिन का प्राइस हिस्ट्री ट्रैकर भी है, जो कीमत घटने पर आपको अलर्टभेजता है ताकि आप सही समय पर खरीदारी कर सकें। इसके अलावा एआई रिव्यू हाइलाइट्स, क्विक लर्न और बाइंग गाइड्स से प्रोडक्ट चुनना और समझना और भी आसान हो गया है। होमपेज भी आपकीपसंद के हिसाब से प्रोडक्ट दिखाएगा।

अमेजन पे से ज्यादा बचत करें : इस समर अमेजन पे ग्राहक सीधे अमेजन पर फ्लाइट, होटल और बस बुक कर सकते हैं और तीनों परबचत पा सकते हैं। घरेलू फ्लाइट का किराया सिर्फ 2,799 से शुरू (जयपुर-दिल्ली) और इंटरनेशनल10,999 से (कोलकाता-बैंकॉक), सभी फ्लाइट बुकिंग पर फ्लैट 8% की छूट। होटल और रिसॉर्ट पर40% तक की छूट, जयपुर, ऊटी, कोच्चि, बैंकॉक, कुआलालंपुर, जापान जैसे डेस्टिनेशन पर रुकने काकिराया 3,599 से शुरू। बस बुकिंग पर लोकप्रिय रूट्स पर 15% तक की छूट। अमेजन पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड से सभी खरीदारी पर 5% अनलिमिटेड कैशबैक, फ्लाइट बुकिंग परअतिरिक्त 5% कैशबैक और प्राइम मेंबर्स के लिए 2,500 के वेलकम रिवॉर्ड्स। पात्र ग्राहक अमेजन पे लेटर से 60,000 तक का इंस्टेंट क्रेडिट और 600 तक के वेलकम रिवॉर्ड पा सकते हैं।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 356 अंक उछला

नई दिल्ली। देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव नतीजों के रूझानों के बीच शेयर बाजार में सोमवार को तेजी रही। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक हरे निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 355 अंक उछला, जबकि निफ्टी भी 121 अंक ऊपर रहा। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 355.90 अंक यानी 0.46 फीसदी की उछाल के साथ

77,269.40 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 121.75 अंक यानी 0.51 फीसदी चढ़कर 24,119.30 के स्तर पर बंद हुआ है। बाजार में सोमवार को कारोबार में रियल्टी, मेटल, फार्मा और ऑटो के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही, जबकि आईटी, सरकारी बैंक और मीडिया शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। अडाणी पोर्ट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के शेयरों में 5 फीसदी तक की तेजी रही। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच वैश्विक बाजारों में अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और मुद्रास्फीति और आर्थिक नरमी की आशंकाएं बढ़ने से घरेलू मुद्रा दबाव में है। भारतीय रुपया सोमवार को कारोबार के दौरान 39 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा।

पिछले हफ्ते आखिरी कारोबारी दिन गुरुवार, 30 अप्रैल को बीएसई का सेंसेक्स 582.26 अंक यानी 0.75 फीसदी की गिरावट के साथ 76,913.50 के स्तर पर बंद हुआ था। एनएसई का निफ्टी भी 180.10 अंक यानी 0.74 फीसदी की गिरावट के साथ 23,997.55 के स्तर पर बंद हुआ था।

हर्षदीप हॉर्टिको ने एच 2 एफवाय 26 के मजबूत परिणाम पेश किए

मुंबई। गमलों, प्लांटर्स, गार्डन एक्सेसरीज और आउटडोर फर्नीचर के मैन्युफैक्चरर और एक्सपोर्टर में विशेषज्ञता रखने वाली हर्षदीप हॉर्टिको लिमिटेड (बीएसई: हर्षदीप) ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही के प्रमुख वित्तीय पहलू

- वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में रेवन्यू 36.07 करोड़ रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में यह 31.45 करोड़ था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15% की वृद्धि दर्शाता है।
- वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही के लिए प्रॉफिट बिफ़ोर टैक्स (पीबीटी) 6.82 करोड़ रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में 5.48 करोड़ से बढ़कर 25% की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है।
- वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही के लिए प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पीएटी) 6.82 करोड़ रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में यह 5.47 करोड़ था, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 24.68% की वृद्धि दर्शाता है।
- परिणामों पर डायरेक्टर हितेश शाह ने कहा कि, हर्षदीप हॉर्टिको लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में मजबूत प्रदर्शन किया, जो हॉर्टिकल्चर और आउटडोर लाइफस्टाइल सेक्टर में कंपनी की दृढ़ता, ऑपरेशनल एक्सीलेंस और स्ट्रेटेजिक फोकस को दर्शाता है। कंपनी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उसने प्रति शेयर 0.25 रुपये का डिविडेंड घोषित किया है, जो शेयरधारकों को वैल्यू प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 हर्षदीप हॉर्टिको के लिए एक निर्णायक वर्ष रहा है। हमने प्लांटर सेगमेंट में अपनी नेतृत्व क्षमता को मजबूत किया है, साथ ही कृषि शेड नेट जैसी नई श्रेणियों में भी दमदार प्रवेश किया है, जिससे इनोवेशन बेस्ड डेवलपमेंट के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और भी मजबूत हुई है। हमारा लक्ष्य स्पष्ट रहा: बेहतर डिजाइन, एडवांस मैनुफैक्चरिंग और प्रीमियम स्थिति। प्रोडक्ट रेंज के विस्तार से लेकर वितरण और कार्यान्वयन को बेहतर बनाने तक, इस वर्ष उठाया गया हर कदम लांग टर्म वैल्यू क्रिएशन के अनुरूप रहा है। हमें सबसे अधिक उत्साहित करने वाली बात वह नींव है जिसे हम मजबूत कर रहे हैं - एक ऐसी नींव जो रचनात्मकता के साथ-साथ व्यापकता और महत्वाकांक्षा के साथ निरंतरता का संयोजन करती है। आगे बढ़ते हुए, हम सीमाओं को आगे बढ़ाने और ऐसे प्रोडक्ट्स बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी विशिष्ट हों।
- हाल ही में, कंपनी ने अपनी विस्तार और इनोवेशन स्ट्रेटेजी के तहत 19 अप्रैल, 2026 को रोटोमोल्डेड डेकोरेटिव वॉटर फाउंटेन नामक एक नई प्रोडक्ट रेंज लॉन्च की है। यह प्रोडक्ट इनडोर और आउटडोर डेकॉर एवं लैंडस्केप समाधानों के अंतर्गत आता है और शुरुआत में घरेलू बाजार को लक्षित करेगा, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की योजना है। भारत में अपनी तरह का यह पहला रोटोमोल्डेड सेगमेंट कंपनी की इन-हाउस डिजाइन क्षमताओं के माध्यम से विकसित किया गया है। इस लॉन्च से सजावटी एवं लैंडस्केप सेगमेंट में कंपनी की स्थिति मजबूत होने के साथ-साथ उत्पाद विविधता में वृद्धि होने की उम्मीद है। इससे घरेलू और निर्यात बाजारों में विकास के नए अवसर भी उत्पन्न होने की संभावना है।

बॉलीवुड समाचार

तृषा कृष्णन का एक्टर-राजनेता थलापति विजय से जुड़ा नाम

डायरेक्टर ने कहा था- ये घर से न निकले तो अच्छा, क्वीन ऑफ साउथ की कहानी

क्वीन ऑफ साउथ इंडिया नाम से मशहूर एक्ट्रेस तृषा कृष्णन 43 साल की हो चुकी हैं। तमिल और तेलुगु सिनेमा की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस में शामिल तृषा इन दिनों साउथ सुपरस्टार थलापति विजय से नाम जुड़ने से चर्चा में हैं। दोनों करीब 5 फिल्मों में साथ नजर आए हैं, जिनमें से 2023 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म लियो भी शामिल है। थलापति विजय ने हाल ही में तलाक अनाउंस कर तृषा के साथ पब्लिक अपीयरेंस दी, जिससे अफेयर की चर्चा और बढ़ गई। वहीं विजय की पूर्व पत्नी ने भी उन पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था। तृषा कृष्णन मिस चेन्नई जीतने के बाद साउथ इंडस्ट्री से जुड़ी थीं। करियर की शुरुआत में वो फाल्गुनी पाठक के सुपरहिट म्यूजिक एल्बम के गाने 'मेरी चूनर उड़-उड़ जाए' में नजर आई थीं। उनके साथ गाने में आएशा टाकिया ने भी डेब्यू किया था। सालों बाद तृषा ने अक्षय कुमार की फिल्म खट्टा मीठा से बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म तो हिट रही, लेकिन फिर आगे उन्हें दूसरी फिल्में नहीं मिलीं। तृषा साउथ की सबसे कामयाब एक्ट्रेसेस में शामिल हैं। तृषा 43 साल की हो चुकी हैं।

फिल्में छोड़ने की शर्त रखी तो सगाई के बावजूद तोड़ दी शादी

साउथ इंडस्ट्री में कामयाबी हासिल करने के बाद 23 जनरी 2015 में तृषा कृष्णन की सगाई बिजनेसमैन वरुण मनियन से हुई थी। लेकिन कुछ दिनों बाद ही ये सगाई टूट गई। साउथ मीडिया पोर्टल मनोरमा को दिए इंटरव्यू में तृषा ने सगाई टूटने पर कहा था, मैं जिस इंसान से शादी करना चाहती थी, उसने मेरे सामने एक्टिंग छोड़ने की शर्त रखी थी तो मैंने सगाई तोड़ दी। मैं सिर्फ तब ही फिल्मों से ब्रेक लूंगी, जब मैं प्रेग्नेंट रहूं। अगर मुझे लीड रोल न मिलें, तो मैं कैरेक्टर रोल करूंगी, लेकिन मैं आखिरी सांस तक एक्टिंग करूंगी।

कभी कहा था तलाक पर विश्वास नहीं करती, फिर लगे तलाक करवाने के आरोप

सगाई टूटने के बाद इंडिया ग्लिट्स तमिल को दिए इंटरव्यू में तृषा ने कहा था, मैं तलाक पर विश्वास नहीं करती। मैं कई ऐसे शादीशुदा जोड़ों को जानती हूं जो गलत कारणों से रिश्ते में हैं। वो बेहद नाखुश हैं। वो शादी में हैं सिर्फ बच्चों के लिए। मैं ऐसी शादी नहीं चाहती। मैं सही वक्त और सही पार्टनर के मिलने पर ही शादी करूंगी। मैं प्यार में पड़ना चाहती हूं, शादी मेरे लिए सेकेंड्री है। इसके बाद तृषा का नाम बाहुबली एक्टर राणा दग्गूबाती से जुड़ा। दोनों कुछ सालों तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन फिर दोनों का ब्रेकअप हो गया।

विजय की पत्नी का दावा, 2021 से रिलेशनशिप में हैं विजय-तृषा

थलापति विजय ने साल 25 अगस्त 1999 में फैन संगीता सोर्नालिंगम से शादी की थी, जिससे उन्हें 2 बच्चे हैं। शादी के 27 साल बाद हाल ही में संगीता ने विजय से तलाक की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, संगीता ने तलाक की वजह विजय का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर बताया। याचिका में संगीता ने आरोप लगाया कि थलापति विजय का 2021 से एक्ट्रेस से एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है, जिससे उनका रिश्ता बिगड़ने लगा। विजय ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वो एक्ट्रेस से रिश्ता खत्म कर लेंगे, लेकिन बार-बार मौका दिए जाने के बावजूद उन्होंने ऐसा नहीं किया। वो लगातार उस एक्ट्रेस के साथ ट्रिप पर जाते रहे, जिसकी तस्वीरें सामने आती रहती हैं। इन तस्वीरों के सामने आने से उन्हें अपमान महसूस हुआ। इसके अलावा विजय ने उनकी जिम्मेदारी उठाना भी लगभग बंद कर दिया, जिसके बाद उन्होंने तलाक का फैसला किया। थलापति विजय की पत्नी ने याचिका में उस एक्ट्रेस का जिक्र नहीं किया, लेकिन लंबे समय से उनका नाम तृषा कृष्णन के साथ जुड़ रहा है। रिलेशनशिप की खबरों के बीच ही दोनों 2023 की फिल्म लियो में साथ नजर आए थे।

तलाक के ठीक बाद एक्ट्रेस के साथ दी पब्लिक अपीयरेंस

थलापति विजय के तलाक के ठीक बाद वो तृषा कृष्णन के साथ एक हाईप्रोफाइल वेडिंग में पहुंचे। ये दोनों की पहली पब्लिक अपीयरेंस थी। कई लोगों का मानना था कि तलाक के बाद दोनों ने रिश्ता ऑफिशियल कर दिया है। इसी बीच विजय के बॉडीगार्ड ने एक पोस्ट शेयर की जिसमें लिखा था, अब अफवाहें क्लियर करने का समय आ चुका है। साउथ मीडिया पोर्टल की रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि चुनाव के तनीजे आने के बाद दोनों शादी की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि दैनिक भास्कर इस दावे की पुष्टि नहीं करता।

विजय से नाम जुड़ा तो डायरेक्टर ने कहा- तृषा को घर से नहीं निकलना चाहिए

लिंक-अप रूमर्स से चर्चा में बनीं हुईं एक्ट्रेस तृषा पर हाल ही में डायरेक्टर आर.पार्थिबन ने एक विवादित टिप्पणी की। वो पहले तृषा के साथ काम कर चुके हैं। बाफ्टा अवॉर्ड में डायरेक्टर से तृषा की तस्वीर दिखाकर उस पर रिएक्शन मांगा। इस पर उन्होंने कहा, 'इसे कुछ दिनों तक घर पर ही रखना चाहिए। अगर वो बाहर न निकलें तो ज्यादा अच्छा होगा, क्योंकि इस समय काफी दिक्कतें चल रही हैं।'

एक्ट्रेस ने लगाई थी फटकार

वीडियो सामने आने के बाद तृषा ने डायरेक्टर के आपत्तिजनक बयान पर सोशल मीडिया पर लिखा- मेरी तस्वीर और नाम एक असिस्टेंट के कहने पर आखिरी समय पर उस इवेंट में इस्तेमाल किया गया। माइक पर बोलने से कोई बात समझदारी नहीं बनती, बेवकूफी ही रहती है। ऐसी बातें कहने वाले के बारे में ज्यादा बताती हैं, न कि जिसके बारे में कहा गया है उसके बारे में।

2010 में अक्षय कुमार के साथ किया बॉलीवुड डेब्यू

तृषा कृष्णन ने 2010 में रिलीज हुई फिल्म खट्टा मीठा से बॉलीवुड डेब्यू किया था। तृषा को करियर का पहला ब्रेक देने वाले प्रियदर्शन ने इसे डायरेक्ट किया था। इसमें वो अक्षय कुमार के साथ नजर आई थीं। शुरुआत में इस फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिले, लेकिन आज ये बॉलीवुड की कल्ट फिल्मों में शामिल है। ये तृषा के करियर की इकलौती हिंदी फिल्म है। ये फिल्म हिट रही, लेकिन फिर तृषा ने बॉलीवुड में काम नहीं किया। 25 साल के करियर में तृषा ने करीब 70 फिल्में की हैं, जिनके लिए उन्हें अब तक 5 फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ, तमिलनाडू स्टेट फिल्म अवॉर्ड और एक नंदी अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है।

रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा को कर चुकी हैं रिप्लेस

बेहतरीन फिल्मों के अलावा तृषा ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई करती हैं। तृषा फैंटा इंडिया की एंबेसेडर रही हैं, जिसमें उन्होंने रानी मुखर्जी को रिप्लेस किया था। इसके अलावा स्कूली पेप प्लस के एड से प्रीति जिंटा को भी रिप्लेस कर चुकी हैं। इनके अलावा उन्होंने एक फेयरनेस क्रीम के एड से एक्ट्रेस असिन को रिप्लेस किया था। वो वोलिनी, जॉय और विवेल साबुन की भी एंबेसेडर रह चुकी हैं।

खुद पर बेवजह का दबाव न डालना ही महत्वपूर्ण : अदा शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि आज के तेजी से बदलते दौर में काम और निजी जिंदगी के बीच सही संतुलन बनाना हमेशा संभव नहीं हो पाता। अभिनेत्री ने हाल ही में काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाने की चुनौतियों पर खुलकर बात की है। उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस की तुलना जेंगा के खेल से की, जिसमें थोड़ा सा बदलाव भी पूरे ढांचे को बिगाड़ सकता है। अदा ने कहा कि यह जेंगा के खेल जैसा लगने लगता है। बस एक और शूट जुड़ता है और सब कुछ डगमगा जाता है। उनका कहना है कि परफेक्ट बैलेंस के पीछे भागने के बजाय, वह दिन को हल्के-फुल्के अंदाज में जीने पर ध्यान देती हैं। उनके लिए छोटे-छोटे पलों में खुशी ढूंढना और खुद पर बेवजह का दबाव न डालना ही सबसे महत्वपूर्ण है। अदा ने आगे कहा कि उन्होंने यह बात अच्छी तरह समझ ली है कि वह परफेक्ट बैलेंस बनाने में उतनी अच्छी नहीं हैं, लेकिन इतना जरूर कर लेती हैं कि पूरी तरह टूट न जाएं। वे कई बार पांच घंटे की नींद को भी सेहतमंद मान लेती हैं और उसी के सहारे अपना पूरा दिन आराम से निकाल लेती हैं। उनके लिए यह एक तरह की स्वीकृति है कि हर दिन आदर्श नहीं हो सकता, लेकिन फिर भी उसमें खुशियां ढूंढी जा सकती हैं। अदा ने यह भी बताया कि उनके लिए

एक सफल दिन तब होता है जब वह समय पर शूट पूरा कर लें, हंस लें, समय पर खाना खा लें और सबसे महत्वपूर्ण बात, उन्हें याद रहे कि उन्होंने अपना फोन कहाँ रखा है। उनके मुताबिक, जीवन की ये छोटी-छोटी जीत ही असली वेलनेस हैं, जो व्यक्ति को मानसिक और भावनात्मक रूप से संतुष्ट रखती हैं। काम की बात करें तो 33 वर्षीय अभिनेत्री अदा शर्मा को हाल ही में फिल्म तुमको मेरी कसम में देखा गया था, जिसे विक्रम भट्ट ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित बताई जाती है, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक हैं।

इकबाल खान ने बताया- कैसे सोनी सब के यादें की शूटिंग के दौरान सीखी गई जेनरेशन जेड (जेन जी) भाषा घर पर उनकी बेटी के लिए बन जाती है मजेदार सरप्राइज

मुंबई। सोनी सब का यादें डॉ. देव मेहता (इक़बाल खान) की भावुक और प्रेरक कहानी के ज़रिए दर्शकों के दिलों को छू रहा है, जिसमें वे अपनी 8 साल की यादें खोने के बाद खुद को फिर से खोजते हैं। शो जहाँ स्क्रीन पर रिश्तों की बारीकियों को बखूबी प्रदर्शित करता है, वहीं सेट पर होने वाली अनपेक्षित और खुली बातचीत इसे और भी गर्मजोशी से भर देती है। अभिनेता इक़बाल खान ने हाल ही में अपने ऑफ-स्क्रीन जीवन की एक प्यारी-सी झलक साझा की, जो उनकी असल ज़िंदगी से भी जुड़ती है। दिलचस्प बात यह है कि उनकी ऑन-स्क्रीन बेटी जिया मेहता (हरलीन रुपानी) लगभग उनकी असली बेटी की उम्र की ही है। यही वजह है कि कैमरे के सामने और पीछे दोनों जगह उनका रिश्ता बेहद सहज और प्राकृतिक लगता है। शूटिंग के दौरान ब्रेक में शुरू हुई हल्की-फुल्की बातें धीरे-धीरे मज़ेदार एक्सचेंज में बदल गईं, जहाँ उनकी छोटी को-स्टार उन्हें जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) स्लैंग और नए-नए शब्दों से रूबरू कराती है। अजीबो-गरीब फ्रेज़ से लेकर उनके सही टोन और कॉन्टेक्स्ट को समझने तक, इक़बाल खुद को इस नई भाषा का छात्र पाते हैं। इस बारे में बात करते हुए इक़बाल खान ने साझा किया, 'यादें की शूटिंग का यह हिस्सा मेरे लिए बेहद मज़ेदार और अनपेक्षित रहा है। मेरी ऑन-स्क्रीन बेटी लगभग मेरी असली बेटी की उम्र की है, इसलिए हमारे बीच तुरंत एक सहजता और अपनापन महसूस होता है। ब्रेक के दौरान वह मुझे अक्सर जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) के नए-नए शब्द और स्लैंग सिखाती है और मुझे इन्हें सीखने में सचमुच मज़ा आता है। सबसे मज़ेदार तो तब होता है, जब मैं घर जाकर अपनी बेटी से बात करते हुए अचानक ये नए शब्द इस्तेमाल करता हूँ। वह हैरान रह जाती है कि मुझे यह सब कैसे पता चला। इससे हमारे बीच बहुत प्यारे और मज़ेदार पल बनते हैं। मुझे लगता है कि यह पीढ़ियों के बीच की दूरी को कम करने का एक शानदार तरीका है, चाहे वह सिर्फ़ भाषा के ज़रिए ही क्यों न हो।' देखिए यादें, सोमवार से शनिवार रात 8 बजे सिर्फ सोनी सब पर।

पर्यटन समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, मंगलवार, 05 मई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

गर्मियों की छुट्टियों में नानी-दादी के घर नहीं बच्चों को इन जगहों पर घुमाने लेकर जाएं

गर्मियों की छुट्टियों के दौरान लोग गोवा, जयपुर, उदयपुर और पुष्कर जैसी जगहों पर घूमने का प्लान बनाते हैं। कई लोग हैं, जो बजट कम होने के चक्कर में बच्चों को नानी-दादी के घर घुमाने लेकर चले जाते हैं। हालांकि, बच्चों को नानी-दादी के घर घूमने जाना पसंद होता है, लेकिन इस बार आप कुछ अलग कर सकते हैं। आप अपने बच्चों के साथ इस गर्मियों की छुट्टियों में 2 से 3 दिन का ट्रिप कहीं दूर का बनाएं। इस ट्रिप को पूरा करने के बाद आप बच्चों को नानी-दादी के घर ले जा सकते हैं। बच्चों को अगर आप समय-समय पर घुमाते रहेंगे, तो उनका मन भी लगा रहता है। वह घूमने से कई चीजें सीखते हैं और उनके अंदर से अकेलेपन की भावना कम होती है।

धार्मिक ट्रिप का बनाएं प्लान

बच्चों को कहीं घुमाना चाहते हैं, तो किसी धार्मिक ट्रिप का प्लान बना सकते हैं। देश में ऐसी कई जगहें हैं, जहां बच्चों को अपनी संस्कृति को समझने में मदद मिलेगी। आजकल के बच्चों को पूजा-पाठ में कोई इंटरेस्ट नहीं होता है, इसलिए अगर आप बच्चों में संस्कार और संस्कृति का भावना बनाएं रखना चाहते हैं, तो बच्चों को ऐसी ट्रिप पर लेकर जाते रहें।

इन जगहों पर जाएं

भारत में घूमने के लिए अच्छी जगहों में आप बच्चों को मथुरा-वृंदावन ले जा सकते हैं। इसके अलावा आप बच्चों के साथ वैष्णों देवी कटरा टूर या पुष्कर ट्रिप भी प्लान कर सकते हैं।

पहाड़ों पर घूमने का बनाएं प्लान

अगर बच्चे हमेशा फोन या टीवी में लगे रहते हैं, तो आपको उन्हें ऐसी जगहों पर घुमाने लेकर जाना चाहिए, जहां उन्हें तरह-तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिले। बच्चे अगर अपना बचपन आलस में बिता देंगे, तो बड़े होने के बाद उन्हें कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

इन जगहों पर जाएं

भारत में पहाड़ों पर घूमने के लिए अच्छी जगहमसूरी, मनाली, मैक्लोडगंज और लोनावला जैसी जगहें हैं।

बीच या लेक प्लेसिस पर जाएं घूमने

बच्चों को पानी से खेलना पसंद होता है। गर्मियों की छुट्टियों में बच्चे वाटर पार्क में जाने की जिद करते हैं। ऐसे में आपको उन्हें बीच या झरने वाली जगहों पर घुमाने लेकर जाना चाहिए।

इन जगहों पर जाएं

आप उन्हें उदयपुर लेकर जा सकते हैं। क्योंकि ये जगह लेक से भरी हुई है। इसके अलावा आप मुंबई या गुजरात के बीच पर भी घूमने जा सकते हैं।

मध्य प्रदेश के इन टॉप नेशनल पार्क को एक्सप्लोर नहीं किया तो फिर बेकार है आपका घूमना

मध्य प्रदेश, जिसे भारत का ह्रदय राज्य भी कहा जाता है। इस राज्य की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि यहां हर महीने में हजारों देशी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। मध्य प्रदेश जिस तरह अपनी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है, ठीक उसी तरह पूरी दुनिया में कुछ ऐतिहासिक फोर्ट, पैलेस और महलों के लिए भी प्रसिद्ध है। इसलिए इस प्रान्त को भारत का दिल कहा जाता है। मध्य प्रदेश सिर्फ अपनी खूबसूरती या ऐतिहासिक जगहों के लिए ही नहीं, बल्कि विश्व प्रसिद्ध नेशनल पार्क के लिए भी फेमस है। इस राज्य में ऐसे कई नेशनल पार्क मौजूद हैं, जिन्हें एक्सप्लोर करना कई लोगों का सपना भी होता है।

कान्हा नेशनल पार्क

मध्य प्रदेश में स्थित सबसे चर्चित और सबसे प्रसिद्ध नेशनल पार्क का जिक्र होता है, तो कान्हा नेशनल पार्क का नाम जरूर लिया जाता है। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में स्थित यह एक विश्व जंगलों का घर है। कान्हा नेशनल पार्क सिर्फ मध्य प्रदेश का ही नहीं, बल्कि पूरे भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान माना जाता है। वर्ष 1955 स्थापित इस पार्क को टाइगर रिजर्व के पार्क में तब्दील कर दिया था। यह पार्क सिर्फ बाघ के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी दुनिया भर में फेमस है। इस पार्क में कई विलुप्त जानवरों को करीब से देख सकते हैं। यहां आप जंगल सफारी का का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

टिकट-भारतीय पर्यटकों के लिए 100 रुपये और विदेशी पर्यटकों के लिए 300 रुपये।

समय-सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक।

नोट-जंगल सफारी के लिए अलग से टिकट लेना होता है।

बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान

बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में स्थित सबसे प्रमुख पार्कों में से एक है। यह खूबसूरत पार्क करीब 446 वर्ग किमी में फैला हुआ हुआ है। यह पार्क बड़ी जैव विविधता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की बड़ी संख्या देखी जा सकती है। कहा जाता है कि इस पार्क में बाघों के अलावा पक्षियों की लगभग 250 प्रजातियां और जलीय जानवरों की 80 प्रजातियां मौजूद हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि 1968 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था और फिर 1993 में इसे टाइगर रिजर्व बन गया।

समय-सुबह 10 बजे लेकर 6 बजे तक।

टिकट-बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान घूमने के लिए कोई टिकट नहीं लगता है हालांकि, जंगल सफारी के लिए चार्ज लगता है।

पन्ना नेशनल पार्क

मध्य प्रदेश के पन्ना और छतरपुर जिलों में स्थित पन्ना नेशनल पार्क मध्य प्रदेश पांचवां सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व पार्क है। इस खूबसूरत पार्क का निर्माण करीब 1981 में किया गया था और करीब 1994 में इसे टाइगर रिजर्व पार्क घोषित किया गया था। करीब 209.53 वर्ग मील में फैला पन्ना नेशनल पार्क बाघों का घर बोला जाता है। इस पार्क में कई विलुप्त जानवरों को करीब से देखा जा सकता है। यह पार्क जंगल सफारी के लिए पूरे भारत में फेमस है। कहा जाता है कि यहां नाइट जंगल सफारी का भी लुत्फ उठाया जा सकता है।

टिकट-भारतीय पर्यटकों के लिए 40 और विदेशी पर्यटकों के लिए 500 रुपये।

समय-सुबह 10 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक।

नोट-जंगल सफारी के लिए अलग से टिकट लेना होता है।

सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान

मध्य प्रदेश राज्य होशंगाबाद जिले में स्थित सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान सबसे प्राचीन नेशनल पार्क माना जाता है। साल 1981 में स्थापित यह पार्क करीब 1427 वर्ग किमी में फैला हुआ है। यह भारत के सबसे खूबसूरत बाघ अभयारण्यों में से एक है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान जैव-विविधता के लिए काफी प्रसिद्ध पार्क माना जाता है। इस पार्क में हर तरह हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। इस पार्क में मगरमच्छ, बाघ, स्लोथ भालू, भारतीय बाइसन, जंगली कुत्ते, तेंदुए, जंगली सूअर, ब्लैक बक और चार सींग वाले मृग को भी देख सकते हैं।

समय-सुबह 10 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक।

टिकट-जंगल सफारी के लिए 1500 से लेकर करीब 2500 रुपये लगते हैं।

पंजाब के बठिंडा के आसपास स्थित इन शानदार हिल स्टेशन ट्रैवल डेस्टिनेशन बनाएं

पंजाब देश का एक चर्चित राज्य होने के साथ-साथ एक खूबसूरत और लोकप्रिय राज्य भी है। इस राज्य की खूबसूरती देखने हर दिन हजारों देशी और विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं। पंजाब के अमृतसर, चंडीगढ़, लुधियाना, पटियाला और जालंधर शहर के बारे लगभग हर कोई चर्चा करते रहता है, लेकिन बठिंडा भी एक ऐसा शहर है, जिसके बारे में कोई चर्चा नहीं करता है। हालांकि, बठिंडा में घूमने के लिए कुछ अधिक चर्चित जगहें नहीं है, लेकिन शहर से कुछ ही दूरी पर मौजूद कुछ ऐसे शानदार हिल स्टेशन्स हैं, जिन्हें आप परिवार, दोस्त या पार्टनर के साथ एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कसौली

बठिंडा के आसपास में स्थित किसी खूबसूरत और चर्चित हिल स्टेशन का नाम लिया जाता है, तो कसौली का नाम जरूर शामिल रहता है। पंजाब में जब भीषण गर्मी पगड़ी है, तो कसौली की हसीन वादियों के कई लोग मौज-मस्ती करने पहुंच जाते हैं। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, हरे-भरे जंगल, घास के मैदान और झील-झरने कसौली की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। कसौली में आप क्राइस्ट चर्च, सनसेट प्वाइंट, मंकी पॉइंट और श्री बाबा बालक नाथ मंदिर जैसी खूबसूरत और ठंडी जगहों पर मौज-मस्ती करने के लिए पहुंच सकते हैं। यहां आप एडवेंचर एक्टिविटीज भी कर सकते हैं।

दूरी-बठिंडा से कसौली की दूरी करीब 272 किमी है।

नाहन

समुद्र तल से करीब 3 हजार से भी अधिक मीटर की ऊंचाई पर मौजूद नाहन हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत मनमोहक हिल स्टेशन है। यह हिमाचल प्रदेश का एक छिपा हुआ खजाना भी कहा जाता है। नाहन अपनी खूबसूरती के साथ-साथ रोमांटिक और प्राकृतिक दृश्यों के लिए जाना जाता है। यहां के सड़के आपको एकदम साफ दिखाई देंगे। यह प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी हसीन जन्नत से कम नहीं है। नाहन में आप चूड़धार, रेणुका झील, रेणुका जी और हबन घाटी जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

दूरी- बठिंडा से नाहन की दूरी करीब 272 किमी है।

सोलन

हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में मौजूद सोलन सोलन एक खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन है। यह प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी हसीन जन्नत से कम नहीं है। यहां सिर्फ बठिंडा से नहीं, बल्कि पंजाब के लगभग हर शहर में सैलानी मौज-मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, देवदार के हरे-भरे पेड़ और झील-झरने सोलन की खुब्सुर्तिमे चार चांद लगाने का काम करते हैं। सोलन एक रोमांटिक और हनीमून डेस्टिनेशन के रूप में भी जाना जाता है। यहां की ठंडी हवाएं आपको चांद मिनटों में आपको अपना दीवाना बना लेंगी। सोलन में आप मशोबरा, कल्पा, परवाणू और नालदेहरा जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

दूरी-बठिंडा से सोलन की दूरी करीब 283 किमी है।

चैल

समुद्र तल से करीब 2 हजार से भी अधिक मीटर की ऊंचाई पर मौजूद चैल हिमाचल प्रदेश का एक चर्चित और खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां देश के हर कोने से पर्यटक मौज-मस्ती करने के लिए पहुंचते रहते हैं। शिवालिक की पहाड़ियों में मौजूद चैल की ठंडी हवाओं में आप खूब मस्ती और धमाल कर सकते हैं। चैल में आप चैल वन्यजीव अभयारण्य, पैलेस होटल, काली का टिब्बा और पहाड़ी की चोटी पर मौजूद सिद्ध बाबा का मंदिर जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। चैल में आप एडवेंचर एक्टिविटीज का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

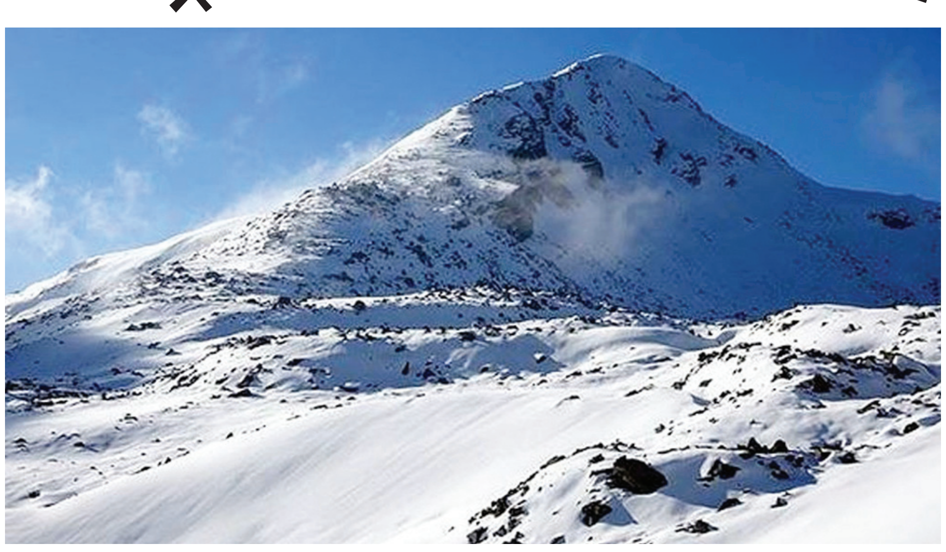

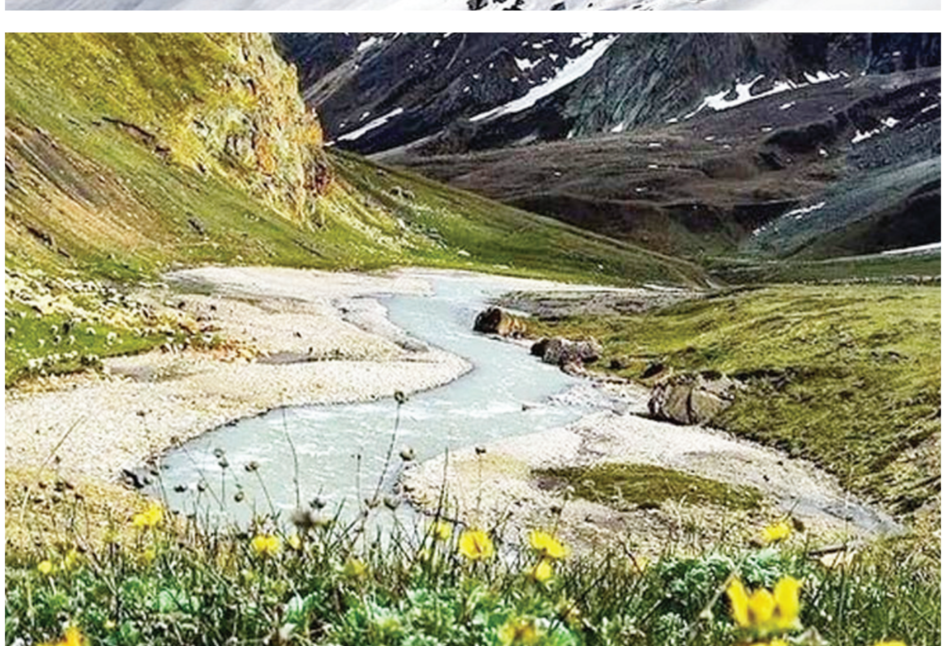

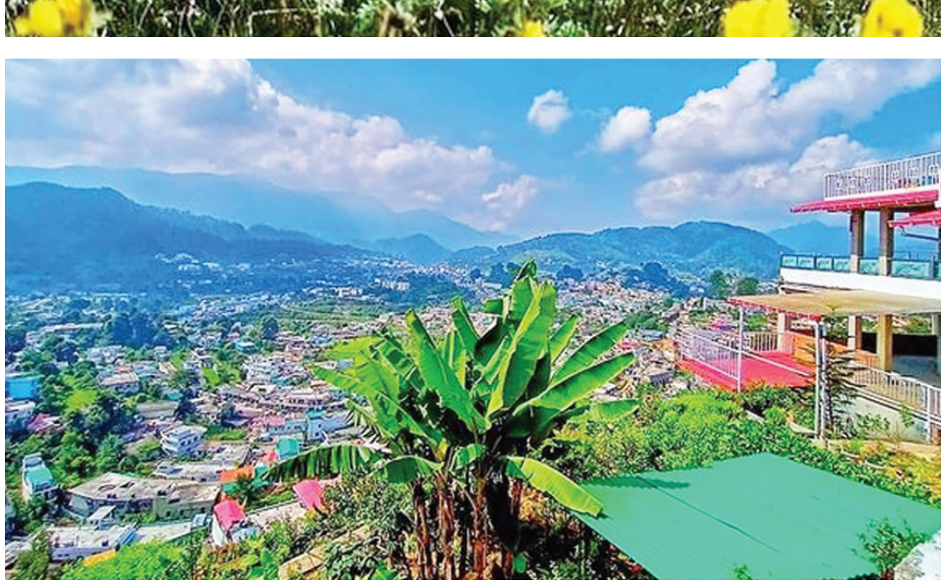

बैंगलोर में पार्टनर के साथ बनाएं एक दिन का ट्रिप प्लान, घूमने के लिए अच्छी हैं ये जगहें

बैंगलोर में कपल्स के घूमने के लिए बहुत सारी जगहें हैं, जहां वह अपने एक दिन को यादगार बना सकते हैं। किसी ऐसे स्थान पर रोमांटिक मुलाकात की योजना बनाएं जो बेंगलुरु के खूबसूरत शहर के भीतर स्थित हैं।

कब्बन पार्क, बेंगलुरु

हरा-भरा नजारा एक रोमांटिक डेट के लिए बेस्ट होता है। इसके लिए आप कब्बन पार्क जाने की सोच सकते हैं। बैंगलोर में घूमने के लिए यह सबसे रोमांटिक स्थानों में से एक है। 300 एकड़ में फैला हुआ यह पार्क अलग-अलग तरह के फूलों और पेड़-पौधों से भरा हुआ है। यहां आप पार्टनर के साथ पिकनिक भी प्लान कर सकते हैं। घास पर घंटो बैठकर बातें करना और पिज्जा ऑर्डर करके पार्क का नजारा लेना, एक बेस्ट ऑप्शन है।

लोकेशन-कस्तूरबा रोड, अंबेडकर विधि, संपांगी राम नगर, बैंगलोर

समय-सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक पार्क खुला रहता है।

ध्यान रखें-सोमवार और दूसरे मंगलवार को पार्क बंद रहता है।

नंदी हिल्स में पार्टनर के साथ करें दिन की शुरुआत

बहुत दिनों से अगर पार्टनर के साथ कहीं घूमने नहीं गए हैं, तो इससे अच्छी जगह आपके लिए कोई और नहीं हो सकती। 1 दिन के ट्रिप में यहां आप बहुत सारी यादें सजा कर रख सकते हैं। पार्टनर के साथ पहाड़ों पर घूमना एक अलग अहसास होता है। नंदी हिल्स एक पहाड़ी किला है जहां टीपू सुल्तान का किला स्थित है। यह 500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह बैंगलोर का बेस्ट हिल स्टेशन माना जाता है।

कहां स्थित है-हलचल भरे शहर से 60 किमी दूर स्थित नंदी हिल्स का नजारा हमेशा के लिए यादगार हो जाएगा। यहां आप 1:30 घंटे में पहुंच जाएंगे। यहां कपल्स सनसेट और सनराइज के समय पार्टनर के साथ आते हैं।

माइक्रो लाइट फ्लाइंग

पूरे बैंगलोर का नजारा एक ही दिन में देखना चाहते हैं, तो आप यहां जा सकते हैं। एक पक्षी की तरह ऊंची उड़ान भरने और पार्टनर के साथ पूरे बैंगलोर को अपने आंखों में कैद करने के लिए ट्रिप प्लान करें। जब आप जमीन से 4000 फीट ऊपर उठते हैं, तो आप महसूस कर सकते हैं कि प्रकृति ने आपको कितना कुछ दिया है। एक दिन के ट्रिप में आप यहां आना न भूलें। उड़ान दो लोगों के साथ होता है। आपके साथ सह-पायलट रहेगा, जो विमान नियंत्रण रखेगा।

समय-यहां आप पहुंचने के लिए आपको शहर से 16 किमी की दूरी तय करनी होगी।

ध्यान रखें-10 वर्ष से कम उम्र के बच्चे इसमें नहीं बैठ सकते। थट्टेकेरे झील पर बोटिंग ,हेब्बल झील, थोट्टिकल्लू फॉल्स, ग्रोवर वाइनयार्ड और नेहरू तारामंडल जैसी जगहों पर भी घूमने का प्लान बना सकते हैं।

उल्सूर झील

अगर आप अपने पार्टनर के साथ बोटिंग करना चाहते हैं, तो यहां जा सकते हैं। इसे बैंगलोर की सबसे बड़ी झील में से एक माना जाता है। झील 123 एकड़ में फैली है। यहां पर आप आराम करने के अलावा पार्टनर के साथ घंटों वक्त बिता सकते हैं। अगर वीकेंड पर कहीं पार्टनर के साथ घूमने के लिए अच्छी जगह नहीं मिल रही हैं, तो यहां जाने का प्लान बना लें।

धरमजयगढ़ के खम्हार से शुरू जनसमस्या निवारण शिविर

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

शासन के निर्देशानुसार संवाद से संपूर्ण समाधान थीम पर जिले में सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत 4 मई से धरमजयगढ़ विकासखण्ड के ग्राम-खम्हार में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर की शुरूआत होगी। जिले के सभी विकासखंडों में 4 मई से 10 जून 2026 तक पांच चरणों में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिसमें कुल 27 शिविरों का आयोजन किया जाएगा। सुशासन तिहार के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने हेतु कलेक्टर के निर्देश पर जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है।

कलेक्टर ने प्रथम चरण में 4 मई को धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम खम्हार स्थित हाईस्कूल प्रांगण में आयोजित होने वाले शिविर के लिए खाद्य अधिकारी श्री चितरंजन सिंह मोबा.नं. 94076-55345 को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार 5 मई को रायगढ़ विकासखंड के लोईंग स्थित हाईस्कूल मैदान में आयोजित होने वाले शिविर के लिए छ.ग.गृह निर्माण मंडल के कार्यपालन अभियंता श्री अभिषेक तिवारी मोबा.नं. 99265-45072, 6 मई को लैलूंगा विकासखंड के ग्राम पंचायत झगरपुर के बाजार प्रांगण में आयोजित होने वाले शिविर में आबकारी अधिकारी श्री क्रिस्टोफर खलखो मोबा.नं.99261-53061, 7 मई को पुसौर विकासखंड के ग्राम औरदा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल परिसर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं श्री व्यास साहू मोबा.नं.89268-07632, 8 मई को खरसिया विकासखंड के ग्राम सरवानी के हाईस्कूल परिसर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए जिला अल्प बचत अधिकारी श्री जगजीवन राम जांगड़े मोबा.नं. 94241-90082, 11 मई को घरघोड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत घरघोड़ी स्थित प्राथमिक/माध्यमिक शाला मैदान धांगरपारा में आयोजित होने शिविर में समाज कल्याण अधिकारी श्री शिवशंकर पाण्डेय मोबा.नंबर 75872-31121 एवं 12 मई को तमनार विकासखंड के ग्राम कुंजेमूरा के स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रांगण में आयोजित होने वाले शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री एल.आर.कच्छप मोबा.नंबर 70001-47233 को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

इसी तरह द्वितीय चरण में 13 मई को धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत हाटी स्थित सामुदायिक भवन (कोरबा रोड) में आयोजित होने वाले शिविर के लिए आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्री श्रीकांत दुबे मोबा.नंबर 93023-75385, 14 मई को रायगढ़ विकासखंड के ग्राम टारपाली के हाईस्कूल मैदान में आयोजित होने वाले शिविर के लिए क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी श्री मानवेन्द्र भोखर पाण्डेय मोबा.नंबर 91796-60263, 15 मई को लैलूंगा विकासखंड के ग्राम पंचायत राजपुर के अमरैया बधानपारा में आयोजित होने वाले शिविर के लिए जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी श्री सिलवेस्टर कुजूर मोबा.नंबर 94062-65997, 18 मई को पुसौर विकासखंड के ग्राम पंचायत मचीदा अंतर्गत ग्राम कलमी स्थित शिव मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए जिला शिक्षा अधिकारी श्री के.व्ही.राव मोबा.नंबर 94252-34414, 19 मई को खरसिया विकासखंड के ग्राम पंचायत दर्री के बरतराई परिसर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए जिला मिशन समन्वयक श्री आलोक स्वर्णकार मोबा.नंबर 83196-37180 और 20 मई को तमनार विकासखंड के ग्राम पंचायत जरेकेला स्थित माध्यमिक शाला परिसर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए साक्षरता मिशन के जिला परियोजना अधिकारी श्री डी.के.वर्मा मोबा.नंबर 99939-90001 को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

तृतीय चरण में 21 मई को विकासखण्ड धरमजयगढ़ के बायसी कॉलोनी स्थित प्राथमिक शाला परिसर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए उप संचालक कृषि श्री अनिल वर्मा मोबा.96690-63346, 22 मई को विकासखण्ड रायगढ़ के ग्राम कांशीचुआ के हाईस्कूल मैदान में आयोजित होने वाले शिविर के लिए व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक सुश्री अंजू नायक मोबा.नंबर 83195-87248, 25 मई को विकासखण्ड लैलूंगा के ग्राम पंचायत नारायणपुर के हाईस्कूल प्रांगण में आयोजित होने वाले शिविर के लिए सहायक श्रमायुक्त श्री घनश्याम पाणिग्रही मोबा.नं. 88210-25550, 26 मई को विकासखण्ड पुसौर के बड़े भंडार स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित होने वाले शिविर के लिए नगर तथा ग्राम निवेश के उप संचालक श्री के.एस.कंवर मोबा.नंबर 99071-34459, 28 मई को विकासखण्ड खरसिया के ग्राम पंचायत फरकानारा के माध्यमिक शाला परिसर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधीक्षण अभियंता श्री सुनील नामदेव मोबा.नं. 99515-08885 तथा 29 मई को विकासखण्ड तमनार के ग्राम धौराभांठा स्थित आदर्श ग्राम्य भारती विद्या परिसर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यपालन अभियंता श्री पंकज राठौर मोबा.नं. 97701-46514 को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

चतुर्थ चरण में 1 जून को विकासखण्ड धरमजयगढ़ के ग्राम बाकारूमा स्थित हाईस्कूल प्रांगण में आयोजित होने वाले शिविर के लिए खनिज अधिकारी रायगढ़ श्री रमाकांत सोनी मोबा.नं. 91749-08523, 2 जून को विकासखण्ड रायगढ़ के ग्राम पंचायत तारापुर स्थित हाईस्कूल मैदान में आयोजित होने वाले शिविर के लिए जिला विपणन अधिकारी सुश्री जान्हवी जिल्हारे मोबा.नं. 78280-79582, 3 जून को विकासखण्ड लैलूंगा के ग्राम पंचायत ढोरोंबीजा स्थित प्राथमिक शाला प्रांगण में आयोजित होने वाले शिविर के लिए जिला रोजगार अधिकारी श्री रामजीत राम मोबा.89898-21296, 4 जून को विकासखण्ड खरसिया के ग्राम छोटे मुड़पार स्थित माध्यमिक शाला परिसर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ.चंद्रशेखर गौराहा मोबा.नंबर 62689-77538 तथा 5 जून को विकासखण्ड धरमजयगढ़ के ग्राम छाल में आयोजित होने वाले शिविर के लिए उप संचालक रेशम श्री मनीष पवार मोबा.नंबर 91719-33557 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पंचम चरण में 8 जून को विकासखण्ड घरघोड़ा के ग्राम कया स्थित हाईस्कूल मैदान में आयोजित होने वाले शिविर के लिए कार्यपालन अभियंता क्रेडा श्री विक्रम वर्मा मोबा.नंबर 96174-41698, 9 जून को विकासखण्ड पुसौर के मंगल भवन परिसर, देवलसुर्रा में आयोजित होने वाले शिविर के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी अन्त्यावसायी श्री बाबू भाई श्रीवास मोबा. 97525-15837 एवं 10 जून को विकासखण्ड धरमजयगढ़ के ग्राम कापू के माध्यमिक शाला प्रांगण में आयोजित होने वाले शिविर के लिए जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम (नान) श्री आदि नारायण मोबा.नंबर 96447-42408 को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

गिरने से बिगड़े हिप इम्प्लांट को सिम्स के डॉक्टरों ने दोबारा किया ठीक, मुफ्त रहा इलाज

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बिलासपुर, । छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने एक बार फिर जटिल सर्जरी कर चिकित्सा क्षेत्र में अपनी दक्षता साबित की है। यहां 32 वर्षीय युवक का सफलतापूर्वक रिवीजन टोटल हिप रिप्लेसमेंट ऑपरेशन कर उसे नई जिंदगी दी गई। यह सर्जरी तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण थी। सर्जरी पूरी तरह नि:शुल्क भी की गई।

बिलासपुर निवासी अमन कश्यप का करीब एक वर्ष पहले सिम्स में दोनों कूल्हों का सफल प्रत्यारोपण हुआ था। ऑपरेशन के बाद वह सामान्य जीवन की ओर लौट रहा था, लेकिन घर में अचानक गिरने से हिप इम्प्लांट अपनी जगह से खिसक गया। इसके बाद उसे तेज दर्द, चलने में परेशानी और कूल्हे में अस्थिरता की समस्या होने लगी।

अस्थि रोग विभाग से संपर्क करने पर डॉक्टर संजय पिल्ले की सलाह पर एक्स-रे कराया गया, जिसमें इम्प्लांट की स्थिति गंभीर रूप से बिगड़ी हुई पाई गई। इसके बाद विभागाध्यक्ष डॉ. ए.आर. बेन के नेतृत्व में तत्काल रिवीजन सर्जरी करने का निर्णय लिया गया।

डॉक्टरों के अनुसार यह ऑपरेशन सामान्य हिप रिप्लेसमेंट से कहीं अधिक कठिन होता है। इसमें पुराने इम्प्लांट को हटाकर नए को बेहद सावधानी से लगाया जाता है। सर्जरी के दौरान पाया गया कि दाएं कूल्हे का इम्प्लांट पूरी तरह अपनी जगह से हट चुका था। विशेषज्ञ टीम ने केवल एसिटेबुलर कंपोनेंट को बदलते हुए फीमर में लगे हिस्से को सुरक्षित रखा और ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा किया।

सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। डॉक्टरों की निगरानी और नियमित फिजियोथेरेपी से अब वह फिर से सामान्य रूप से चलने लगा है।

इस जटिल ऑपरेशन का पूरा खर्च आयुष्मान भारत योजना के तहत वहन किया गया, जबकि निजी अस्पतालों में इसकी लागत 4 से 5 लाख रुपये तक होती है।

इस सर्जरी में डॉ. ए.आर. बेन के नेतृत्व में डॉ. संजय घिल्ले, डॉ. प्रवीण द्विवेदी और पीजी छात्र डॉक्टर प्रियंश, निरंजन व लेखराज की अहम भूमिका रही। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. मिल्टन और डॉ. श्वेता का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा।

सैनिटरी इंस्पेक्टर सस्पेंड, बिना रसीद वसूली और दुर्व्यवहार का आरोप

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

नगर निगम में भ्रष्टाचार और दुर्व्यवहार के आरोपों पर कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ सैनिटरी इंस्पेक्टर दीपक कुमार पंकज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई एक दुकानदार की शिकायत और उसके समर्थन में प्रस्तुत सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की गई। नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए थे। जांच में सामने आया कि सैनिटरी पेट्रोलिंग टीम के प्रभारी दीपक पंकज ने न केवल दुकानदार से अभद्र व्यवहार किया, बल्कि बिना रसीद के जुर्माना वसूला और दुकान से सामान भी बिना भुगतान के लिया।

घटना 27 अप्रैल की बताई जा रही है, जब निगम की टीम जोन क्रमांक 6 स्थित मिश्रा किराना स्टोर पहुंची थी। आरोप है कि प्रतिबंधित पॉलिथीन इस्तेमाल करने के नाम पर टीम ने 20 हजार रुपए की मांग की। दुकानदार द्वारा रकम न देने पर उससे 7 हजार रुपए जबरन वसूले गए।

मामले में यह भी सामने आया कि कार्रवाई के दौरान टीम ने दुकान से कोल्ड ड्रिंक बिना भुगतान लिए उठा ली और सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान भी किया। बाद में 28 अप्रैल को दुकानदार को एक दिन पुरानी तारीख में रसीद थमाई गई।

फर्जी दस्तावेजों से मुआवजा दावा, चार वकीलों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में कथित रूप से फर्जी हलफनामा और दस्तावेजों के आधार पर मुआवजा दावा पेश करने के आरोप में चार अधिवक्ताओं को बड़ा झटका लगा है। विशेष न्यायाधीश (अत्याचार) की अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया। इस प्रकरण में सिविल लाइन थाना पुलिस पहले ही विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर चुकी है।

जानकारी के अनुसार, अधिवक्ता एन.पी. चंद्रवंशी, भगवती कश्यप, शुभम और सूरज वस्त्रकार ने एक मोटर एक्सीडेंट केस में मृतक प्रभात कुजूर की पत्नी के रूप में प्रेमिका कुजूर को प्रस्तुत कर मुआवजा दावा दाखिल किया था। लेकिन जांच के दौरान प्रेमिका कुजूर खुद कोर्ट में पेश हुई और स्पष्ट किया कि वह मृतक की पत्नी नहीं, बल्कि उसके भाई की पत्नी है। उसने यह भी कहा कि उसने कोई हलफनामा नहीं दिया और न ही किसी वकील को अधिकृत किया। इसी तरह कि उसने किसी दस्तावेज या वकालतनामा पर हस्ताक्षर नहीं किए।

बतौली में सीएम की चौपाल: जनता से सीधा संवाद, समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले के बतौली में रविवार को सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। शांतिपारा स्थित स्कूल मैदान में पेड़ के नीचे आयोजित इस चौपाल में मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच दूरी कम करना है। इसके माध्यम से सरकार सीधे लोगों तक पहुंचकर उनकी वास्तविक समस्याओं को समझ रही है और यह भी परख रही है कि विभिन्न योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंच रहा है या नहीं।

उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में ग्रामीणों को अपेक्षाकृत समय मिलता है, ऐसे में इस अवधि में जन चौपाल का आयोजन अधिक उपयोगी साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में 40 दिनों तक लगातार शिविरों का आयोजन कर समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

तेज गर्मी के बीच भी सक्रियता बनाए रखने को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसेवा सर्वोपरि है और जनता के बीच रहने से ऊर्जा मिलती है। इस दौरान स्थानीय लोगों ने पारंपरिक तरीके से लहसुन की माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

सीतापुर में दो आदिवासी बच्चियों के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर मुख्यमंत्री ने गंभीरता जताई। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं और इन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून के सामने कोई भी व्यक्ति प्रभावशाली नहीं है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक प्रबोध मिंज, रामकुमार टोप्पो, भाजपा प्रदेश मंत्री अखिलेश सोनी सहित अन्य मौजूद थे।

लाभार्थियों ने सीएम से साझा किए अनुभव

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जब सिलमा गांव में जनचौपाल में ग्रामीणों से संवाद कर रहे थे। तब विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री से अपने अनुभव साझा करते हुए, उनका आभार व्यक्त किया। हितग्राहियों ने योजनाओं से मिले लाभ एवं उनके जीवन में आए बदलाव की कहानी सभी के समक्ष रखते हुए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया।

लखपति दीदियों ने साझा किए अनुभव

जनचौपाल में लखपति दीदी महिमा एक्का ने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि वे बिहान स्वसहायता समूह से 2019 से जुड़ी हुई हूँ। मैंने समूह से 60 हजार का लोन लिया था, जिससे मैंने गांव में ही एक छोटा फूडकोर्ट शुरू किया, आज उस फूडकोर्ट के जरिए मैं अच्छी इनकम कर रही हूं। मेरी सालाना आय 2 से 2.5 लाख रुपए है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय का धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। वहीं लखपति दीदी संगीता तिर्की ने मुख्यमंत्री को बताया कि मैंने लोन ले के पोल्ट्री फार्म खोला है, 2 लाख रुपए तक वार्षिक आय हो जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इसी तरह मेहनत करें आगे बढ़ें और करोड़पति बनें।

अर्चना तिग्गा ने बताया कि उनके पास खेती के लिए भूमि थी, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नही थी। समूह से जुड़कर मैंने लोन लिया और सीजनल खेती करना शुरू किया। अभी एक एकड़ में मैंने खीरा लगाया है, जिससे अच्छी आमदनी हो रही है।

महतारी वंदन योजना की राशि से आत्मनिर्भर हुई महिलाओं ने बताई अपनी कहानी

मुख्यमंत्री श्री साय के चौपाल में महतारी वंदन से मिल रही सहायता पर ग्राम कुनकुरीकला की श्रीमती सनिता पैंकरा ने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत मिली राशि का उपयोग बच्चों को पढाने में लगाती हूं। साथ ही घर का राशन और साग-सब्जी के लिए भी मैं पैसों का उपयोग करती हूँ। पहले मुझे छोटी-छोटी जरूरतों के लिए अपने पति से पैसे मांगने पड़ते थे, लेकिन अब महतारी वंदन योजना के कारण मुझे किसी और पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। मैं अपनी मर्जी से इन पैसों का उपयोग कर सकती हूँ। इसके लिए मुख्यमंत्री को मैं हृदय से धन्यवाद देती हूं।

वहीं हितग्राही सुनीता तिग्गा ने कहा कि मुझे महतारी वंदन योजना की राशि नियमित रूप से मिलती है। इन पैसों को इकट्ठा करके मैंने एक छोटी सी किराने की दुकान खोली है। पहले मैं बहुत परेशान थी, लेकिन अब दुकान की बचत से अपने घर-परिवार का खर्च चलाती हूं। उन्होंने महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना राजेश और परिवार के लिए खुशियां लाई

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही राजेश ने मुख्यमंत्री को बताया कि पहले उनका कच्चा घर था। बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था, बरसात में सबसे ज्यादा समस्या होती थी। प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ और 2025 में पक्का मकान बनकर तैयार हो गया।

सीतापुर गैंगरेप: कांग्रेस जांच दल का दौरा, प्रशासनिक कार्रवाई पर उठाए सवाल

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले के सीतापुर क्षेत्र में नाबालिग आदिवासी बच्चियों के साथ हुए गैंगरेप को लेकर कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं छत्तीसगढ़ की सहप्रभारी जरिता लैतफलांग ने गांव पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित बच्चियों व उनके परिजनों से मुलाकात की। उनके साथ प्रदेश कांग्रेस द्वारा गठित जांच दल के सदस्य भी मौजूद रहे। जांच दल ने करीब एक घंटे तक एकांत में पीड़ितों और उनके परिवार से बातचीत कर घटना और उसके बाद हुई प्रशासनिक कार्रवाई की जानकारी ली। इस दौरान जरिता लैतफलांग ने कहा कि बच्चियों द्वारा बताई गई घटना बेहद भयावह और विचलित करने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को दबाने की कोशिश की गई और अब भी पीड़ित परिवार पर दबाव बनाए जाने की शिकायत सामने आ रही है।

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में कथित लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारी अब भी विवेचना कर रहे हैं, जो निष्पक्ष जांच पर सवाल खड़े करता है। साथ ही, गलत चिकित्सीय रिपोर्ट देने वाले संबंधित डॉक्टर पर कार्रवाई नहीं उन्होंने मांग की कि संबंधित पुलिस खिलाफ साक्ष्य मिटाने के आरोप में कानूनी कार्रवाई की जाए। कांग्रेस नेता ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महिला सुरक्षा और सुशासन के दावे के बावजूद प्रदेश में महिला अपराध के मामलों में वृद्धि हुई है।

जेसीबी ने बाइक सवार दंपति को रौंदा
दोनों की मौत, उत्तेजित ग्रामीणों का चक्काजाम

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

सूरजपुर जिले के ओड़गी थाना क्षेत्र अंतर्गत ओडगी-पाल-दनौली मुख्य मार्ग पर रविवार दोपहर सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा शंकर चौक और फॉरेस्ट कॉलोनी के बीच हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब एक बजे ग्राम ठरकी निवासी लालचंद चेरवा (24) अपनी पत्नी अंजुलता लता चेरवा (23) को इलाज के लिए सूरजपुर ले जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार जेसीबी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों पति-पत्नी जेसीबी के पहिए के नीचे आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि जेसीबी चालक नाबालिग था और नियमों की अनदेखी करते हुए वाहन चला रहा था, जिससे यह हादसा हुआ।

हालांकि, ओड़गी थाना प्रभारी निरीक्षक जे.एस. कंवर ने बताया कि जेसीबी चालक के नाबालिग होने की पुष्टि नहीं हो पाई है, क्योंकि घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी सामने नहीं आया है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने जेसीबी को जब्त कर लिया है और मामले में सड़क दुर्घटना का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे ओड़गी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लवकेश गुर्जर ने बताया कि उक्त जेसीबी पाल-दनौली में निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय के कार्य में लगी हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कई लोगों ने जेसीबी को नाबालिग द्वारा चलाते हुए देखा है और लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है।

ग्रामीणों ने मृतक परिवार को उचित मुआवजा देने और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और फरार चालक की तलाश जारी है।

2.90 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

नगर निगम के शहीद वीर नारायण वार्ड क्रमांक-23 में रविवार को विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी सहित जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे।

जानकारी के अनुसार अधोसंरचना मद से वार्ड में कुल 2 करोड़ 90 लाख 67 हजार रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें गाड़ाघाट मार्ग सुलभ शौचालय से महादेव बस्ती ट्रांसफार्मर तक 43.31 लाख रुपए की लागत से सड़क डामरीकरण, शिवशंकर नगर से महादेव गली तक 18.17 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण, अन्नपूर्णा सामुदायिक भवन से महादेव बस्ती तक 97.34 लाख रुपए की लागत से नाला निर्माण तथा महादेव बस्ती से चोरकाकछार तक 131.85 लाख रुपए की लागत से नाला निर्माण कार्य शामिल हैं।

इस अवसर पर अखिलेश सोनी ने कहा कि प्रदेश और नगर में भाजपा सरकार होने से विकास कार्यों में तेजी आई है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी वर्षों में शहर और वार्ड का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

महापौर मंजूषा भगत ने बताया कि विगत वर्ष भारी बारिश के दौरान जलभराव की समस्या सामने आने पर वार्ड का निरीक्षण किया गया था। पार्षद की मांग पर प्राथमिकता के आधार पर सड़क और नाला निर्माण कार्यों की स्वीकृति दिलाई गई है।

एप्लिकेशन-आधारित लीनियर टेलीविजन वितरण सेवा के नियामक ढांचा तैयार करने संबंधी परामर्श पत्र पर विचार प्रति-टिप्पणियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि बढाई गई

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण-ट्राई ने निःशुल्क विज्ञापन-समर्थित स्ट्रीमिंग टेलीविजन-एफएएसटी सेवाओं सहित एप्लिकेशन-आधारित लीनियर टेलीविजन वितरण सेवा-एएलटीडी के लिए नियामक ढांचा तैयार करने पर 6 अप्रैल 2026 को जारी परामर्श पत्र पर विचार प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 4 मई 2026 से बढ़ाकर 11 मई 2026 और प्रति-टिप्पणियों की समय सीमा 18 मई 2026 से बढ़ाकर 25 मई 2026 कर दी है।

ट्राई ने विचाराधीन विषय में जटिल तकनीकी, परिचालनात्मक और नियामक आयाम शामिल होने और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोणों और सर्वोत्तम प्रथाओं सहित विस्तृत जांच की आवश्यकता हेतु समयसीमा बढ़ाने के अनुरोध प्राप्त होने के मद्देनजर यह निर्णय लिया है। इसी के तहत लिखित टिप्पणियां और प्रति-टिप्पणियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि क्रमशः 11 मई 2026 और 25 मई 2026 तक बढ़ाई गयी हैं। अब आगे इसे बढाने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणियां/प्रति-टिप्पणियां इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप को प्राथमिकता देते हुए ad-vbcs-2@trai.gov.in और jtadvisor-bcs@trai.gov.in पर भेजी जा सकती हैं। किसी भी स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए, डॉ. दीपाली शर्मा सलाहकार (बी एंड सीएस) से दूरभाष संख्याः +91-11-20907774 पर संपर्क किया जा सकता है।

आयुष मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की योजना बनाने के लिए अंतर-मंत्रालयी समिति की बैठक बुलाई

- **योग एक स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाला जनांदोलन बन चुका है: केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव**
- **आईडीवाई 2026 सामूहिक और समावेशी भागीदारी के साथ एक वास्तविक 'सम्पूर्ण-सरकार' एवं 'सम्पूर्ण-समाज' वाला आंदोलन होगा : जाधव**
- **स्वास्थ्य, कल्याण और आंतरिक संतुलन के साधन के रूप में योग को वैश्विक स्वीकृति मिल रही है : सिबी जॉर्ज, सचिव (पश्चिम), विदेश मंत्रालय**

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 की गतिविधियों की योजना और समन्वित क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श करने के लिए आज अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। नई दिल्ली में आयोजित इस बैठक में केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, प्रख्यात योग गुरु, योग संस्थानों और संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक की अध्यक्षता केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने की, जो समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के साधन के रूप में योग की वैश्विक और राष्ट्रीय पहुंच को और मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

अपने संबोधन में प्रतापराव जाधव ने बैठक में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, वरिष्ठ अधिकारियों, योग विशेषज्ञों और संस्थागत प्रतिनिधियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। हैदराबाद में आयोजित आईडीवाई 2026 के हालिया 50 दिनों की उलटी गिनती वाले कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए उन्होंने योग के प्रति बढ़ती जन-रुचि और भागीदारी को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि योग अब केवल सत्रों और चटाइयों तक सीमित अभ्यास नहीं रहे गया, बल्कि एक व्यापक जनांदोलन में बदल गया है, जो स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देता है।

भारत के वैश्विक नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 2015 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 190 से अधिक देशों तक पहुंच गया है, जिससे विश्व भर में लाखों लोग शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आंतरिक शांति के लिए योग अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं।

उन्होंने 'सम्पूर्ण-सरकार दृष्टिकोण' पर बल देते हुए सभी मंत्रालयों और विभागों से आईडीवाई 2026 की सफलता में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने प्रमुख फोकस क्षेत्रों को रेखांकित किया, जिनमें 21 जून को सामान्य योग प्रोटोकॉल के पालन में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना, स्कूलों, कार्यस्थलों और स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों जैसे संस्थागत ढांचों में योग को एकीकृत करना, ग्रामीण और वंचित आबादी, सीमावर्ती और दूरस्थ क्षेत्रों में समावेशिता सुनिश्चित करना, प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाना और गतिविधियों का समयबद्ध क्रियान्वयन और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना शामिल है।

जाधव ने सभी मंत्रालयों और अन्य हितधारकों से समयबद्ध तरीके से सहयोग, समन्वय और सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया और कहा कि आइए हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अभूतपूर्व जनभागीदारी, प्रभावी समन्वय और व्यापक जागरूकता के साथ मनाया जाए।

योग को बढ़ावा देने के लिए भारत की वैश्विक प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करते हुए विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने कहा कि विदेश मंत्रालय विदेशों में स्थित अपने दूतावासों, वाणिज्य दूतावासों और मिशनों के नेटवर्क के माध्यम से आईडीवाई 2026 के विश्वव्यापी आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विदेशों में स्थित भारतीय मिशन योग की वैश्विक उपस्थिति को और अधिक विस्तारित करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार गतिविधियों, साझेदारियों और सामुदायिक सहभागिता पहलों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

चल रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने उल्लेख किया कि आयुष मंत्रालय और 'हार्टफुलनेस' के सहयोग से जापान में शुरू की गई छह महीने की योग अभ्यास पहल में उत्साहजनक भागीदारी और सफलता देखी गई है, जो स्वास्थ्य, कल्याण और आंतरिक संतुलन के लिए योग की बढ़ती वैश्विक स्वीकृति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह के निरंतर अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव आईडीवाई 2026 को वास्तव में एक वैश्विक आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

अपने स्वागत भाषण में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने सभी प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और आईडीवाई 2026 के लिए रोडमैप तैयार करने में इस बैठक के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने योग को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण घटक बताया, जो एक वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि विभिन्न देशों और समुदायों की व्यापक भागीदारी से इसका वैश्विक प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आईडीवाई केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, संतुलन और समग्र जीवन शैली को बढ़ावा देने वाला एक सतत वैश्विक अभियान है।

ए स - वी वा ई ए ए स ए विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. एच.आर. नागेंद्र ने योग करने वालों के वैश्विक समुदाय की निरंतर वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भागीदारी में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 26 करोड़ से अधिक लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया था और विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष यह संख्या 30 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। साक्ष्य-आधारित अभ्यास के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि बढ़ते शोध से यह स्थापित हो चुका है कि योग समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के लिए अत्यधिक लाभकारी है, साथ ही इसने गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) की रोकथाम और प्रबंधन में अपनी प्रभावशीलता का प्रदर्शन भी किया है।

मोक्षयातन इंटरनेशनल योगाश्रम के अध्यक्ष स्वामी डॉ.

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी अग्नि सुरक्षा सप्ताह (4-10 मई 2026) का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सुरक्षित स्वास्थ्य सेवा वातावरण सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी में और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के समन्वय से, 4 मई से 10 मई, 2026 तक राष्ट्रव्यापी अग्नि सुरक्षा सप्ताह का आयोजन शुरू किया।

इस आयोजन का उद्घाटन केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलीला श्रीवास्तव के नेतृत्व में ₹स्वास्थ्य सुविधा अग्नि सुरक्षा₹ विषय पर राष्ट्रव्यापी संकल्प समारोह के साथ किया गया, जिसमें अग्नि निवारण, तैयारी और प्रत्युत्तर प्रणालियों को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य संस्थानों और हितधारकों की सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस वर्ष के अग्नि सुरक्षा सप्ताह का विषय —"सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल और अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाजः अग्नि निवारण के लिए एकजुट" — इस बात को दर्शाता है कि हमारे संस्थानों में सुरक्षा सुनिश्चित करना एक साझा और सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा सप्ताह मौजूदा इन्फ्रास्ट्रक्चर का पुनर्मूल्यांकन करने, सुविधाओं के पर्याप्त ऑडिट का आकलन करने और उन कमियों और खामियों की पहचान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। क्षमता निर्माण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य पेशेवरों को अग्नि आपात स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित और संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी राज्यों और स्वास्थ्य सुविधाओं से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा ऑडिट विवरण आईएचआईपी पोर्टल पर अपलोड करें, यह देखते हुए कि ऐसी प्रणालियां अनुपालन को संस्थागत रूप देंगी और सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए एक निरंतर प्रेरणा के रूप में कार्य करेंगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि सरकारी संस्थानों सहित 50,000 से अधिक प्रतिभागी पहले ही आईजीओटी अग्नि सुरक्षा पाठ्यक्रम पूरा कर चुके हैं और उन्होंने इस तरह के प्रयासों को व्यापक स्तर पर बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अंत में कहा कि जन भागीदारी के माध्यम से देश भर में अग्नि सुरक्षा को मजबूत करने में सार्थक और स्थायी प्रभाव प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य और प्रमुख कृष्ण एस. वत्सा ने स्वास्थ्य सुविधाओं में अग्नि सुरक्षा के लिए एक सक्रिय, प्रणाली-आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया।

इमरान खान को झटका, कोर्ट ने की याचिका खारिज

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) ने सोमवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी बेगम बुशरा बीबी की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार मामले में उनकी सजा सस्पेंड करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि उनकी मुख्य अपीलों पर सुनवाई पहले ही तय हो चुकी है। पाकिस्तान के जाने-माने अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, चीफ जस्टिस सरदार मुहम्मद सरफराज डोगर की अगुवाई वाली दो सदस्यीय बेंच 7 मई को सेंट्रल अपील पर सुनवाई करेगी। कोर्ट ने निलंबन आवेदन को अप्रासंगिक बताया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान तोशखाना मामले में अगस्त 2023 से जेल में हैं, और 190 मिलियन पाउंड (अल-कादिर ट्रस्ट) मामले में रावलपिंडी की अदियाला जेल में 14 साल की सजा काट रहे हैं।

2025 में, इस्लामाबाद की एक अकाउंटेबिलिटी कोर्ट ने इस केस में इमरान खान और बुशरा बीबी को क्रम से 14 और सात साल जेल की सजा सुनाई थी। कपल ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में इसे चुनौती दी है।

उन पर आरोप है कि उन्होंने एक रियल एस्टेट फर्म से अवैध लाभ के बदले में जमीन हासिल की और ट्रस्ट बनाकर 50 अरब पाकिस्तानी रुपये को वैध बनाने की कोशिश की।

पीटीआई लगातार इमरान की सजा का विरोध करती आई है और उनकी हिरासत का पुरजोर विरोध किया है। पूर्व पीएम जेल में 1,000 दिन गुजार चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पार्टी उनकी सजा को राजनीति से प्रेरित, संवैधानिक और कानूनी रूप से कमजोर बताती आई है।

यूएई के गल्फ टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, पीटीआई के सेंट्रल इन्फॉर्मेशन सेक्रेटरी वकास अकरम ने एक बयान में कहा कि खान को राजनीतिक रूप से परेशान किया जा रहा है क्योंकि मौजूदा सरकार, उनकी लोकप्रियता और स्वतंत्र रुख से डरकर, उन्हें साइडलाइन करने की कोशिश कर रही है।

अकरम ने कहा कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीटीआई संस्थापक को अकेले कैद में रखा गया है, जबकि उनके परिवार, वकीलों और पार्टी नेतृत्व को उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। ये बुनियादी इंसानी और कानूनी अधिकारों का साफ उल्लंघन है।

प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार भारत के आर्थिक पुनर्जागरण की कुंजी: केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि पिछले एक दशक में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा किए गए प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार भारत के आर्थिक पुनर्जागरण की कुंजी है, जिसका योगदान अनुसंधान से लेकर उद्योग, स्टार्टअप और राष्ट्रीय विकास तक विस्तारित हो रहा है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विज्ञान को अब ₹प्रयोगशालाओं से बाजारों की ओर और विचारों से प्रभाव की ओर₹ बढ़ना चाहिए, जो एक नई नीतिगत दिशा को दर्शाता है जो अनुसंधान को आर्थिक परिणामों के साथ एकीकृत करती है।

नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में गुणवत्तापूर्ण ग्राम पंचायत विकास योजनाओं और डिजिटल नियोजन उपकरणों पर विशेष ध्यान दिया गया

नई दिल्ली। पंचायत विकास योजनाओं की तैयारी पर पंचायती राज मंत्रालय के आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आज नई दिल्ली में उद्घाटन किया गया। इस उद्घाटन सत्र में पंचायत विकास योजना (2026-27) की तैयारी के लिए जन योजना अभियान (पीपीसी) पुस्तिका, ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की गुणवत्ता बढ़ाने पर समिति की रिपोर्ट और नए रूप में तैयार किए गए ई-ग्रामस्वराज योजना पोर्टल का भी विमोचन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सहभागी योजना को मजबूत करना और पंचायत विकास योजनाओं की गुणवत्ता में सुधार करना है, ताकि वे अधिक प्रभावी, समावेशी और परिणामोन्मुखी बन सकें। इस कार्यशाला में केंद्रीय मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी, पंचायती राज विभागों और एसआईआरडी एवं पीआर के प्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी और देश भर के अन्य प्रमुख हितधारक भी एक साथ शामिल हैं।

पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने मुख्य भाषण देते हुए इस बात पर जोर दिया कि ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) का विकास मात्र एक औपचारिकता नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर असल बदलाव लाने वाले गुणवत्तापूर्ण नतीजों पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत विकास योजना के माध्यम से संपत्ति निर्माण की उचित योजना संसाधनों की बर्बादी को रोकने में सहायक होगी। भारद्वाज ने सतत विकास, स्पष्ट संस्थागत उत्तरदायित्वों और संसाधनों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से पंचायत-आधारित योजना को मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने जमीनी स्तर पर दीर्घकालिक सेवा वितरण सुनिश्चित करने में डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि ग्राम सभाओं में नागरिकों की अधिक भागीदारी से निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक समावेशी बनेगी।

जल शक्ति मंत्रालय में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के सचिव अशोक के. के. मीना ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) ने देश भर में बड़े पैमाने पर अवसंरचना निर्माण को संभव बनाया है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब इन संसाधनों के सतत संचालन, रखरखाव और प्रभावी उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जिसमें ग्राम पंचायतें स्थानीय आवश्यकताओं की गहरी समझ के कारण सेवा वितरण में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बेहतर बुनियादी सेवाओं के लिए मजबूत स्थानीय नियोजन महत्वपूर्ण है। उन्होंने संसाधन उपयोग, संसाधन रखरखाव और डिजिटल पारदर्शिता को एकीकृत करते हुए ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) को गतिशील और परिणामोन्मुखी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने जवाबदेही में सुधार के लिए विभागों के बीच समन्वय और डिजिटल उपकरणों के उपयोग के महत्व पर बल दिया। मीना ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायतों और ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों की भूमिका को मजबूत करने, राजस्व के अपने स्रोतों को जुटाने और स्थानीय नियोजन (जीपीडीपी) में संचालन एवं रखरखाव को शामिल करने की जरूरत पर भी बल दिया।

रक्षा मंत्री ने नॉर्थ टेक संगोष्ठी में कहा- आज के प्रौद्योगिकी-चालित युग में भविष्य हेतु तैयार रहने के लिए अनुसंधान और अप्रत्याशित घटक आवश्यक है

- **"तकनीकी क्रांति को सबसे त्वरित रूप से अपनाने वाले राष्ट्र को भविष्य के युद्धों में निर्णायक बढ़त प्राप्त होगी"**
- **"रक्षा अनुसंधान सरकार की प्राथमिकताओं के केंद्र में है; डीआरडीओ द्वारा उद्योगों को 2,200 से अधिक प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित की गईं"**

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीव्र तकनीकी क्रांति के वर्तमान युग में भविष्य के लिए तैयार रहने हेतु अनुसंधान पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने और अप्रत्याशित नवाचार की रणनीति अपनाने के महत्व पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने 4 मई, 2026 को प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में भारतीय सेना की उत्तरी एवं मध्य कमान तथा भारतीय रक्षा निर्माता सोसायटी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नॉर्थ टेक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में रक्षा कर्मियों, उद्योगपतियों, नवप्रवर्तकों, स्टार्टअप्स और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

रक्षा मंत्री ने आधुनिक युद्ध में हो रहे तकनीकी बदलावों की त्वरित गति और अप्रत्याशित रूप से उभरते हुए अनायास हमलों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष में, युद्ध का स्वरूप महज तीन-चार वर्षों में टैंकों और मिसाइलों से बदलकर ड्रोन और सेंसर जैसे क्रांतिकारी उपकरणों में परिवर्तित हो गया। इसके अलावा,

दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी वस्तुएं भी घातक हथियार बनती जा रही हैं। लेबनान और सीरिया में हुए पेजर हमलों ने आधुनिक युद्ध पद्धतियों के पुनर्मूल्यांकन को प्रेरित किया है। ऐसी स्थिति में हमें तैयार रहना होगा।

राजनाथ सिंह ने सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने और ऐसी क्षमताएं विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जो आवश्यकता पड़ने पर देश को अपने शत्रु पर अप्रत्याशित हमला करने में सक्षम बनाएं। उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है कि युद्ध में निर्णायक बढ़त सदैव उसी को मिलती है जिसके पास अचानक हमला करने की शक्ति होती है। हालांकि हमारे रक्षा बल पहले से ही इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, हमें और अधिक सक्रियता के साथ आगे बढ़ना होगा।

वर्तमान जटिल और तेजी से बदलते परिवेश में अनुकूलनशीलता सुनिश्चित करने के महत्व पर बल देते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि जो राष्ट्र तकनीकी क्रांति को सबसे तेजी से अपनाएगा, उसे भविष्य के युद्ध परिदृश्य में निर्णायक बढ़त प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में अनुसंधान का कोई विकल्प नहीं है और भविष्य के युद्ध किस प्रकार लड़े जाएंगे, यह आज प्रयोगशालाओं में निर्धारित हो रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने रक्षा अनुसंधान को अपनी प्राथमिकताओं के केंद्र में रखा है और डीआरडीओ के माध्यम से इसे अगले स्तर तक ले जाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ अब इस यात्रा पर अकेला नहीं है। 'दूर तक जाने के लिए साथ चलें' के मंत्र से प्रेरित होकर, यह बड़ी संख्या में उद्योगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

रक्षा मंत्री ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स को आवंटित किया गया है और अब तक इन संस्थाओं ने बजट का 4,500 करोड़ रुपये से अधिक का उपयोग कर लिया है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की एक नई नीति लागू की गई है, जिसके अंतर्गत विकास-सह-उत्पादन साझेदारों, विकास साझेदारों और उत्पादन एजेंसियों के लिए पहले लगने वाला 20 प्रतिशत शुल्क पूरी तरह से माफ कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, डीआरडीओ ने अब तक विभिन्न उद्योगों को 2,200 से अधिक प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित की हैं।

सरिया में 100 बिस्तर सिविल अस्पताल का भूमिपूजन, 18 करोड़ से होगा निर्माण

नर्सिंग कॉलेज के साथ 4 गांवों में खुलेंगे उप स्वास्थ्य केंद्र

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत सरिया में रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में 100 बिस्तर सिविल अस्पताल का भूमिपूजन किया गया। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल और वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी ने 18 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस अस्पताल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत बाइक रैली, पुष्प वर्षा और रंगोली के माध्यम से भव्य रूप से किया गया। अतिथियों ने गर्भवती माताओं को उपहार भेंट किए तथा बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण और अंचल क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरिया में बनने वाला यह अस्पताल क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा और लोगों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने अपने संबोधन में क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि सरिया सहित आसपास के क्षेत्रों में सड़कों, सिंचाई और बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सांकरा गांव में 14 करोड़ रुपये की लागत से लिफ्ट इरिगेशन परियोजना स्वीकृत हो चुकी है, वहीं चंद्रपुर से सरिया तक सड़क निर्माण पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि अपेक्स बैंक और रजिस्ट्री कार्यालय की स्थापना से अब किसानों को अन्य स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही हाईस्कूल और बाजार भवन का निर्माण भी प्रगति पर है।

वित्त मंत्री ने घोषणा की कि सरिया में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की जाएगी, जिससे क्षेत्र की बालिकाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही बार, साल्हेओना, गोबरसिंघा और सांकरा में उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने की स्वीकृति भी बजट में दी गई है।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। राज्य स्तर पर कक्षा 10वीं और 12वीं में टॉप-10 में स्थान प्राप्त करने वाले जिले के छात्र शिवम दुबे और हेमंत पटेल को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ने दोनों छात्रों को स्वेच्छानुदान से 25-25 हजार रुपये देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में रायगढ़ लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, सीजीएमएससी लिमिटेड के अध्यक्ष श्री दीपक महस्के, कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, एसपी आंजनेय वार्ष्णेय, नगर पंचायत सरिया अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

हाइवे में हेलमेट लगाने का आदेश करवाने वाले पूर्व पार्षद रमेश आहूजा का मोमेन्टो देकर सम्मान

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

हाइवे में हेलमेट अनिवार्य कराने हेतु नहरपारा विकास समिति के अध्यक्ष पूर्व पार्षद रमेश आहूजा, ने लगातार एक वर्ष तक संघर्ष करके जो निर्णायक भूमिका अदा की उससे प्रभावित होकर छ0ग0 भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक तथा शहर भाजपा के उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने उन्हें मोमेन्टो देकर सम्मानित किया। श्री सुभाष अग्रवाल ने कहा कि, श्री आहूजा सन् 1974 से लगातार जनता की समस्याओं के लिए संघर्षशील है। श्री आहूजा मंत्रियों, नेताओं तथा अधिकारियों को पत्र लिखने की कला में माहिर, हर समस्या को हल करने में समय लगता है लेकिन उनके धैर्य व दृढ़ संकल्प के कारण उन्हें हर समस्या को हल करने में सफ्लता प्राप्त होती है। किशोर आहूजा ने श्री रमेश आहूजा को केसरिया साफा पहनाकर समान दिया श्री किशोर आहूजा ने कहा कि श्री रमेश आहूजा के नेतृत्व में 5 वर्षों में नहर पारा विकास समिति की यह तीसरी सफ्लता है पहली बोतल नेक नहर पारा सड़क का चौड़ी करण दूसरी मुस्कान प्रोविजन से ट्रांसफार्मर हटाना तीसरी हाइवे में हेलमेट अनिवार्य कराना।

नहरपारा विकास समिति के महामंत्री श्री किशोर आहूजा ने इस अवसर पर कहा कि श्री रमेश आहूजा ऐसे नेता है कि जिस प्रकार डाक्टर मरीज की नब्ज देखकर बीमारी का पता लगा लेता है उसी प्रकार रमेश आहूजा जी समस्या की जड़ में जाकर उसका हल ढूंढकर सफ्लता हासिल कर लेते है। इस अवसर पर अमृतलाल पंजवानी, मनोहर खुर्सीजा, वेदप्रकाश मुंडेजा, सोहन क्षत्री, मनमोहन विग, राजू जग्गी, सोनु कुरैशी, मनीष टांक, राजू खिलनानी आदि उपस्थित थे ।

सुहिणी सोच का ऑफिसर ट्रेनिंग सेमिनार सम्पन्न

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

सुहिणी सोच संस्था द्वारा आयोजित ऑफिसर ट्रेनिंग सेमिनार सिविल लाइन स्थित हरगिरी टॉवर में सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रायपुर, राजिम, तिल्दा एवं धमतरी सहित विभिन्न क्षेत्रों से सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत तीन बार गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ हुई। इसके पश्चात दोनों वक्ताओं सीए अमिताभ दुबे एवं सीए चेतन तारवानी,संस्था की फाउंडर मनीषा तारवानी एवं अध्यक्ष पल्लवी चिमनानी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रोग्राम डायरेक्टर स्नेहा बुधवानी एवं जागृति जोतवानी द्वारा किया गया।

प्रथम वक्ता सीए अमिताभ दुबे ने प्रोटोकॉल के महत्व को सरल एवं रोचक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार परिवार में दादाजी, पिताजी और पति को क्रम अनुसार सम्मान दिया जाता है, उसी प्रकार संस्था में भी वरिष्ठता के आधार पर सम्मान किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि भाषण के दौरान भी छोटे पद से बड़े पद की ओर क्रमबद्ध रूप से आमंत्रित किया जाना चाहिए, जैसे न्यायालयों में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का क्रम होता है। उन्होंने यह भी कहा कि अध्यक्ष का चयन सभी की सहमति से होता है, इसलिए संस्था के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य है कि वे अध्यक्ष का सम्मान करें, चाहे वह उम्र या पृष्ठभूमि में कोई भी हो। रोचक गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने सदस्यों में नेतृत्व क्षमता एवं जिम्मेदारियों का बोध कराया।

द्वितीय वक्ता सीए चेतन तारवानी ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, आईपीपी एवं मीडिया प्रभारी सहित विभिन्न पदों के दायित्वों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने बढ़ाई टिप्पणियां/प्रति टिप्पणियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने 6 अप्रैल 2026 को 'एप्लीकेशन बेस्ड लाईनर टेलीविजन डिस्ट्रीब्यूशन (एएलटीडी) सेवाए, जिसमें (मुफ्त विज्ञापन समर्थित स्ट्रीमिंग टेलीविजन (फास्ट) सेवाएं भी शामिल हैं, के लिए विनियामक फ्रेमवर्क तैयार करने हेतु' एक परामर्श पत्र जारी किया है। परामर्श पत्र में उठाए गए मुद्दों पर हितधारकों द्वारा टिप्पणियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 4 मई 2026 और प्रति टिप्पणियों के लिए 18 मई 2026 निर्धारित की गई थी। टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा बढ़ाने के लिए हितधारकों से प्राप्त अनुरोध जो कि इस आधार पर प्रस्तुत किए गए थे कि विचाराधीन विषय में जटिल तकनीकी, परिचालन और विनियामक पहलू शामिल हैं और इस मामले में अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण और सर्वोत्तम प्रथाओं सहित विस्तृत जांच की आवश्यकता है, को ध्यान में रखते हुए, लिखित टिप्पणियां और प्रति टिप्पणियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि क्रमशः 11 मई 2026 और 25 मई 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। विस्तार के लिए आगे किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

आंजनेय यूनिवर्सिटी : उड़ान 4.0 की स्टार नाइट में गूंजा 'दूरों दूरों'-परेश पाहुजा के साथ झूमे युवा

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

'उड़ान 4.0' के अंतर्गत आयोजित भव्य स्टार नाइट कार्यक्रम में सिंगर, एक्टर और लाइव परफॉर्मर परेश पाहुजा ने अपनी शानदार प्रस्तुति से माहौल को संगीतमय बना दिया। खास तौर पर उनका लोकप्रिय गीत दूरों दूरों जैसे ही गूंजा, पूरा परिसर एक अलग ही ऊर्जा से भर उठा।

दूरों दूरों की मधुर धुन और दिल को छू लेने वाली आवाज़ ने युवाओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गीत की हर पंक्ति के साथ दर्शक खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर रहे थे। हजारों युवाओं ने एक साथ मोबाइल फ्लैशलाइट जलाकर वातावरण को और भी खूबसूरत बना दिया। परेश पाहुजा की लाइव परफॉर्मेंस ने न केवल संगीत का जादू बिखेरा, बल्कि युवाओं के दिलों में एक खास जगह भी बना ली। कार्यक्रम में उपस्थित सभी दर्शक गीतों की धुन पर झूमते और थिरकते नजर आए। उड़ान 4.0 की यह स्टार नाइट कार्यक्रम का सबसे आकर्षक और यादगार पल बन गई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने परेश पाहुजा की शानदार प्रस्तुति के लिए जोरदार तालियों के साथ आभार व्यक्त किया और इस यादगार शाम को लंबे समय तक संजोकर रखने की बात कही।

उड़ान 4.0 में फैशन शो ने बिखेरा रचनात्मकता और सौंदर्य का रंग

'उड़ान 4.0' के अंतर्गत आयोजित फैशन शो में प्रतिभा, रचनात्मकता और आधुनिक फैशन का आकर्षक प्रदर्शन देखने को मिला। कार्यक्रम में विभिन्न डिज़ाइनरों ने अपनी अनूठी थीम के माध्यम से दर्शकों के सामने कला और अभिव्यक्ति का प्रभावशाली संगम प्रस्तुत किया। डिज़ाइनर बी. रोशनी की थीम ब्लैक टू व्हाइट: द अनटोल्ड कॉन्ट्रास्ट ने द्वंद्व और संतुलन की कहानी को दर्शाया, जहां सफेद की सरलता और काले की गहराई के बीच पहचान और अभिव्यक्ति का नया रूप उभरकर सामने आया। लस्टर ऑफ द डीप कलेक्शन में मोतियों की शांत शक्ति और गहरे वाइन रंगों के साथ सौंदर्य और मजबूती का अनूठा संयोजन देखने को मिला। वहीं डिज़ाइनर रानी महतो की थीम नीरांगना: ग्रेस बिनीथ स्टिल वाटर्स ने कमल से प्रेरित पवित्रता, पुनर्जन्म और आंतरिक शक्ति को बेहद सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया।

तीन दिनों तक चले इस भव्य आयोजन को लेकर चांसलर अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि 'उड़ान 4.0' आज की जेन-जी पीढ़ी को शिक्षा से नए और प्रासंगिक तरीके से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि आज के युवा केवल किताबों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे अनुभव, रचनात्मकता और नवाचार के माध्यम से सीखना चाहते हैं। ऐसे कार्यक्रम उन्हें अपनी प्रतिभा को पहचानने, अभिव्यक्त करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर देते हैं, जो आधुनिक शिक्षा की वास्तविक आवश्यकता है। इस अवसर पर प्रो-चांसलर श्रीमती दिव्या अग्रवाल, डायरेक्टर जनरल डॉ. बी. सी. जैन, कुलपति डॉ. टी. रामाराव, निदेशक डॉ. जयेंद्र नारंग, निदेशक (अकादमिक) डॉ. संध्या वर्मा, रजिस्ट्रार डॉ. रुपाली चौधरी सहित विश्वविद्यालय के सभी डीन, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लोकतंत्र के महापर्व में जनता ने चुना 'विकासवाद' : तोखन साहू

रायपुर/बिलासपुर। पश्चिम बंगाल, असम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के विधानसभा चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली प्रचंड जीत पर केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे 'विकास की जीत' और 'जनता का न्याय' बताया है। श्री साहू ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने हिंसा और तुष्टीकरण के दौर को समाप्त कर 'सोनार बांग्ला' के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। भाजपा का प्रदर्शन राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा। श्री साहू ने कहा कि असम की जनता ने पुन: मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व और एनडीए सरकार के डबल इंजन विकास मॉडल पर अपना अटूट भरोसा जताया है।

बस्तर अब शांति और विश्वास का गढ़ : राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि बस्तर अब शांति और विश्वास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने जोर दिया कि इस सकारात्मक बदलाव को स्थायी बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, जल व पर्यावरण संरक्षण और आजीविका संवर्धन के क्षेत्रों में नवाचार आधारित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राज्यपाल आज जगदलपुर कलेक्टोरेट के 'प्रेरणा' सभाकक्ष में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री डेका ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बस्तर की समृद्ध प्राकृतिक संपदा का समुचित उपयोग करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास मॉडल तैयार करें। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षा एवं स्वास्थ्य, ड्रॉप-आउट बच्चों को पुन: स्कूलों से जोड़ने के लिए सामुदायिक प्रयास किए जाएं। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुँचाना सुनिश्चित करें।

पारंपरिक कौशल और वनोपज को आधुनिक बाजार से जोड़ने के लिए नए प्रयोग किए जाएं। जैविक खेती, बकरीपालन, कुक्कुटपालन और मत्स्य पालन जैसी सहायक कृषि गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। स्थानीय कोसा वस्त्रों के मूल्य संवर्धन के लिए उनके डिजाइन में समसामयिक बदलाव करें, ताकि वे वैश्विक बाजार में अधिक आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बन सकें।

पश्चिम बंगाल ने चुना नया रास्ता : कौशिक

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा के जीत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है साथ ही पश्चिम बंगाल की जनता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जीत से एक नया बंगाल और सशक्त बंगाल का उदय हुआ है, पश्चिम बंगाल कि जनता अब तुष्टिकरण और अराजकता की राजनीति से त्रस्त हो चुकी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्त्व और उनकी लोककल्याण नीतियों के प्रती वहां की जनता का अटूट विश्वास इस चुनाव में एक क्रांतिकारी परिणाम लेकर आया है।

फिल्म आईआईजेड के प्रमोशन में अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स में सितारों ने बिखेरी चमक

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

3 मई को रायपुर के प्रतिष्ठित ज्वेलरी हाउस अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स प्रा. लि. में उस समय एक खास और यादगार माहौल देखने को मिला, जब आगामी फिल्म इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जॉम्बी के प्रमोशन के दौरान बॉलीवुड के प्रसिद्ध कलाकारों ने यहाँ अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस विशेष अवसर पर हास्य अभिनेता जॉनी लीवर के सुपुत्र जेसी लीवर एवं बॉलीवुड अभिनेत्री रोज सरदाना ने शोरूम का दौरा किया और यहां के उत्कृष्ट ज्वेलरी कलेक्शन को नज़दीक से देखा और सराहा।

रोज सरदाना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक अभिनेत्री के रूप में मैंने कई ज्वेलरी स्टोर्स देखे हैं, लेकिन अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स का आकर्षण और क्लास वास्तव में अलग है। यहाँ की ज्वेलरी में जो फिनिश, एलिगेंस और यूनिक डिज़ाइन देखने को मिलते हैं, वह इसे खास बनाते हैं। मुझे यहाँ के कलेक्शन में ट्रेडिशन और मॉडर्न स्टाइल का बेहद खूबसूरत मेल नजर आया, जो हर महिला की पर्सनैलिटी को और निखार देता है। यह सिर्फ ज्वेलरी नहीं, बल्कि एक स्टेटमेंट है।

रोज़ सरदाना ने विशेष रूप से हीरे से जड़ित माँग टीका, पॉलिश्ड चोकर सेट और एक शानदार पोल्की नेकलेस पहना। उन्होंने आगे कहा कि यहाँ की हर डिज़ाइन में एक अलग ही करामात है। गहने पहनना जैसे किसी कहानी को जीना होता है – निखार, वजन और फिनिशिंग बेहतरीन है। जेसी लीवर ने पुरुषों के कलेक्शन की तारीफ करते हुए कहा कि मैंने यहाँ के कफ़लिंक, ब्रोच और रिंग डिज़ाइन देखे –बहुत क्लासी और फ्यूजन कल्चर के अनुकूल। आभूषणों की बारीक कारीगरी और समकालीन स्टाइल ने मुझे प्रभावित किया। यह बिल्कुल बॉलीवुड रेड कार्पेट के अनुकूल है।

बॉलीवुड स्टार्स की गरिमामयी उपस्थिति ने एटी पैलेस के वातावरण में रौनक, नज़ाकत और सितारों जैसी चमक बिखेर दी। बरड़िया परिवार ने उनके आगमन को सच्चे सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्वीकार किया। इस अवसर पर चेयरमैन श्री तिलोकचंद बरड़िया ने कहा कि हमारे लिए यह अत्यंत गर्व और खुशी का विषय है कि बॉलीवुड के प्रतिभाशाली कलाकार हमारे शोरूम में आए।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर भाजपा सिविल लाइन मण्डल ने मनाया विजय उत्सव

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक एवं प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज हासिल होने पर भाजपा सिविल लाइन मण्डल द्वारा विजय उत्सव मनाया गया, इस अवसर पर नेता जी चौक, कटोरा तालाब में मिठाई एवं झालमुड़ी वितरण कर कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया।भाजपा जिला उपाध्यक्ष ललित जैसिंघ,पार्षद श्री अमर गिदवानी,स्ल्डष्ट मेंबर नगर निगम,श्री सुनील कुमार कुकरेजा,अध्यक्ष भाजपा सिविल लाइन मंडल, प्रवक्ता उज्वल दीपक ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया जीत की बधाई दी गई,मंडल से वरिष्ठ राजेश सिंह ठाकुर,शैलेन्द्र सिंह सोमवंशी महामंत्री,तेज कुमार बजाज,मुकेश पंजवानी,राहुल चांदनानी,दीपक पाठक,कलम रंधावा,सूरज यादव,पल्लवी पाण्डे, धनेश मटलानी,रितेश वाधवा,गौरी महानंद,प्रशांत जगत,नारायण कुर्रे,राजेश रेलवानी,नीरज मनवानी,शेरू कुमार ध्रुव, वाय शिव अन्ना,अंकित निहाल,अमन मरावी, मैरी फ्रांसीस, जया नवरे,आशा अरोरा,सुनीता तिवारी,मनीष तलरेजा,अजय जयसिंघानी,गणेश गुप्ता,गौरव कुमार,गायत्री देवांगन,सहित भाजपा सिविल मंडल के कार्यकर्ताओं ने इस जीत में शामिल हुए।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444